शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शुक्रवार 24 अक्तूबर 2025 ● कार्तिक शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 194 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	28.8	20.4
डालटनगंज	33.6	20.2
धनबाद	32.3	22.0

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

ब्रीफ न्यूज

केदारनाथ के कपाट शीतकाल के लिए बंद

केदारनाथ। श्री केदारनाथ धाम के कपाट आज प्रातः 8.30 बजे पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चार, पूजा-अर्चना एवं धार्मिक परम्पराओं के अनुसार शीतकाल के लिए बंद हो गए. कपाट बंद होने की प्रक्रिया प्रातः चार बजे विशेष पूजा-अर्चना के साथ प्रारम्भ हुई. इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, तीर्थ पुरोहितगण के अलावा श्रद्धालुगण मौजूद रहे. कपाट बंद होने बाद बाबा केदारनाथ की डोली ने ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ के लिए प्रस्थान किया. डोली का प्रथम पड़ाव रामपुर में होगा.

मध्य प्रदेश में गधे विलुप्ति के कगार पर

भोपाल। मध्य प्रदेश में गधों की संख्या में चिंताजनक गिरावट दर्ज की गई है. पशुधन गणना रिपोर्ट के मुताबिक, राज्य में अब सिर्फ 3,052 गधे बचे हैं. जबकि वर्ष 1997 में इनकी संख्या 49,289 थी. यानी पिछले करीब तीन दशकों में 94% की भारी कमी दर्ज की गई है. राज्य के कई जिलों में तो अब गधों का अस्तित्व पूरी तरह समाप्त हो गया है. दिंडोरी, निवाड़ी, सिवनी, हरदा और उमरिया जैसे जिलों में एक भी गधा नहीं बचा है. वहीं नर्मदापुरम जिला में सबसे अधिक 332 गधे पाए गए हैं.

अग्निवीरों के लिए आई बड़ी खुशखबरी

नयी दिल्ली। देशभर के युवाओं के लिए जिनका सपना इंडियन आर्मी में अग्निवीर बनकर देश सेवा करना है, उनके लिए बहुत बड़ी खुशखबरी सामने आ रही है. अब तक अग्निवीरों की भर्ती में केवल 25% को सेना में स्थायी तौर पर शामिल किया जाता था, लेकिन जल्द ही इस संख्या को 75% तक बढ़ाने का प्रस्ताव है. यानी पहले 100 में से केवल 25 अग्निवीरों को स्थायी नौकरी मिलती थी, अब 100 में से 75 को स्थायी करियर की गारंटी दी जाएगी.

आसियान को वर्चुअली संबोधित करेंगे मोदी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी आसियान-भारत शिखर सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करेंगे. 26 से 28 अक्टूबर के बीच आयोजित इस दक्षिणी पूर्वी एशियाई देशों के समूह के शिखर सम्मेलन में इस बार मोदी के स्थान पर विदेश मंत्री भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे. मोदी ने गुरुवार को एक्स पर यह जानकारी साझा की. उन्होंने कहा, मेरे प्रिय मित्र, मलेशिया के पीएम अनवर इब्राहिम के साथ बातचीत हुई. उन्हें आगामी सम्मेलनों के लिए शुभकामनाएं दीं.

79 हजार करोड़ के रक्षा सौदे को मंजूरी

नयी दिल्ली। देश की सुरक्षा क्षमताओं को और अधिक मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने करीब 79 हजार करोड़ रुपये के रक्षा सौदों को मंजूरी दी है. इस निर्णय से थलसेना, नौसेना और वायुसेना की युद्धक क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा. गुरुवार को साउथ ब्लॉक में हुई इस बैठक में तीनों सेनाओं की कई परियोजनाओं को स्वीकृति दी गई.

छठ का अनूठा गीत... चुनाव के माहौल में मैया से सवाल

बिहार में कब रुकेगा पलायन, घर में ही मिलेगा रोजगार?

शुभम संदेश डेस्क

भोजपुरी म्यूजिक की बात करें तो छठ गीत इसमें एक पूरा अलग सेक्शन है. छठ गीतों की बात निकलते ही बिहार कोकिला कही जाने वालीं स्वर्गीय शारदा सिन्हा की छवि सबसे पहले ध्यान में उभरती है. उनके छठ गीत उन लोगों ने भी सुने हैं जो छठ नहीं करते. उनके छठ गीतों में इस पर्व के प्रतीक और छवियां, मैया की भक्ति के रंग में उभरते थे. और उनके ही नहीं, अधिकतर छठ गीतों में भक्ति से जुड़ी या संतान प्राप्ति से जुड़ी वही पारंपरिक छवियां हैं.

मगर क्या देश की एक बड़ी जनसंख्या में सुने जाने वाले छठ गीतों को राजनीति और लोकहित से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दे उठाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है? इसका जवाब है पॉपुलर भोजपुरी सिंगर प्रियंका सिंह का नया छठ गीत पलायन के दर्द सुनs ए छठी मैया... गीत को लिखा है मनोज भावुक ने और कंपोज किया है विनीत शाह ने.

पलायन की बात करता छठ गीत

'पलायन के दर्द सुनs ए छठी मैया' को बाकी छठ गीतों से ये बात अलग करती है कि यहां छठ मैया से केवल संतान प्राप्ति की गुहार नहीं लगाई जा रही. बल्कि उनसे ये अरदास की जा रही है कि जो संतानें उनकी कृपा से जन्मी हैं, उन्हें कमाने और पढ़ने के लिए अपना घर छोड़कर पलायन न करना पड़े. इस छठ गीत में रोजगार की समस्या को हाईलाइट करते हुए, लोगों से जागरूक होने को कहती लाइन है- 'गांव में कब मिली रोजी-रोजगार हो, का जाने कब जागी यूपी-बिहार हो!' जबकि एक लाइन उन नेताओं से शिकायत की भी है जो गांवों से दिल्ली-मुंबई-बैंगलोर पलायन करने वाले युवाओं की तकदीर लिखते हैं- 'कब ले पलायन के दुख लोग झेले, कब ले सुतल रहिहें एमपी-एमएलए!'

बिहार में चुनाव सिर पर हैं. तमाम नेता हर दिन रैलियां कर रहे हैं. और इस माहौल में ये छठ गीत वो सवाल लेकर आया है जो इस चुनाव के केंद्र में है— बिहार के युवाओं के रोजगार का सवाल, उनके पलायन का सवाल.

छठ गीत में कैसे उतरा पलायन का सवाल

'पलायन के दर्द सुनs ए छठी मैया' एक रेगुलर छठ गीत नहीं है. इसके लिरिक्स में एक राजनीतिक सवाल भी है, जो आपका ध्यान खींचता है. इस तरह का विचार पारंपरिक छठ गीत के ढांचे में एक अनूठा एक्सपेरिमेंट है. इस बारे में हमने ये गीत लिखने वाले मनोज भावुक से बात की. उन्होंने बताया कि ये विचार उन्हें कैसे आया. मनोज ने कहा, 'छठ के जो अधिकतर गीत हैं वो मैया से प्रार्थना के लिए हैं. प्रार्थना बेटा होने के लिए, नारी के लिए, सूर्यदेव से जल्दी उगने के लिए. इनमें हमेशा से वही छवियां चली आ रही हैं- केले के पत्ते, सुग्गा (तोता) मंडराना... यही सब. अभी जो समय है बिहार में वो चुनाव का है. और चुनाव के समय नेता दंडवत होते हैं. हमें बिहार के लोगों को जगाना भी है, उनका अधिकार भी याद दिलाना है. ये नेताओं को अपनी शर्तों पर घेरने का सही समय है.' बिहार में पलायन की समस्या पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'नेताओं से ये सवाल पूछा जाना चाहिए कि भिखारी ठाकुर के नाटक 'बिदेसिया' में भी एक व्यक्ति कमाने के लिए कलकत्ता गया था. उससे पहले भी गिरमिटिया मजदूर मॉरिशस, फिजी, गुयाना कमाई के लालच में ही गए थे. आज भी लोग सऊदी, दुबई जा रहे हैं. हम लोग दिल्ली-मुंबई में हैं. मतलब आज भी पूर्वांचल और बिहार में कुछ नहीं है. हम मजबूर हैं... चाहे रोजगार के लिए हो, शिक्षा के लिए या चिकित्सा के लिए. हम डेढ़-दो सौ साल से वैसे के वैसे हैं. हम कहते हैं कि हमने मॉरिशस को स्वर्ग बना दिया, दिल्ली-मुंबई जैसे शहर हमने बनाए हैं. मगर अपने यहां हम रोजगार की भीख मांग रहे हैं. इसलिए हमारी समस्याओं पर काम किया जाना चाहिए.'

भोजपुरी का मजाक उड़ाया जाता रहा है

मनोज ने एक गाने का उदाहरण देते हुए बताया कि पलायन की समस्या को भोजपुरी गायकों ने उठाया भी तो उसी भद्दे अंदाज में, जिसके लिए भोजपुरी का मजाक उड़ाया जाता रहा है. जैसे-एक गाना यूं है कि 'सेज पर किसके साथ लडूं, सैयां अरब गए'. वो कहते हैं, क्या यही हमारी समस्याएं हैं? मैंने अपने गाने में उन मां-बाप का दर्द लिखा है जिनके बच्चे परदेस में हैं. अभी हाल ही में मेरी नजर से छठ पर बेस्ड कहानी गुजरी. बच्चा न होने के लिए एक महिला को उसके ससुराल वाले प्रताड़ित कर रहे हैं, ताने दे रहे हैं. वो छठी मैया की पूजा करती है तो सब ठीक हो जाता है. क्या अभी भी समाज इतना पिछड़ा है कि हम ये सब दिखा रहे हैं? हम छठ को यूनेस्को की हेरिटेज में शामिल करवाने की बात कर रहे हैं.

महागठबंधन की तरफ से अशोक गहलोत ने किया ऐलान

तेजस्वी सीएम का चेहरा सहनी बनेंगे डिप्टी सीएम

शुभम संदेश। पटना

लंबी राजनीतिक चर्चा और अंदरूनी मंथन के बाद महागठबंधन ने आखिरकार अपने मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा कर दी. गुरुवार को पटना के एक होटल में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में सभी सहयोगी दलों ने सर्वसम्मति से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का प्रत्याशी घोषित किया, जबकि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के अध्यक्ष मुकेश सहनी को उप मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी देने का फैसला किया गया. इसी के साथ महागठबंधन ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए औपचारिक रूप से चुनावी अभियान की शुरुआत कर दी. कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने कहा कि सरकार बनने पर अन्य वर्गों से भी डिप्टी सीएम बनाएं जाएंगे. सभी दलों ने एक स्वर में कहा कि भारी बहुमत से हमलोग सरकार बनाने जा रहे हैं. वहीं वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी ने कहा कि हमलोग पिछले साढ़े तीन साल से इस समय का इंतजार कर रहे थे. हमलोगों ने प्रण लिया था कि जब तक भाजपा को तोड़ेंगे नहीं, तब तक छोड़ेंगे नहीं. आज वह समय आ चुका है. चुनाव के बाद बिहार की जनता भाजपा को खदेड़ देगी. महागठबंधन की सरकार बनने जा रही है.

एक मंच पर दिखी एकता, तेजस्वी पर जताया भरोसा : प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजद, कांग्रेस, वीआईपी, माले, सीपीआई और सीपीएम सहित सभी सहयोगी दलों के शीर्ष नेता एक साथ मंच पर मौजूद थे. नेताओं ने एक स्वर में कहा कि बिहार अब बदलाव चाहता है और यह बदलाव तेजस्वी यादव के नेतृत्व में ही संभव है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पर्यवेक्षक अशोक गहलोत ने कहा, हमारी लड़ाई किसी व्यक्ति से नहीं, बल्कि उस व्यवस्था से है जिसने बिहार को पिछड़ेपन में धकेला है. कांग्रेस महागठबंधन के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है

महागठबंधन का साझा विजन-विकास और सामाजिक संतुलन

हमारा विजन साफ : तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन अब सिर्फ एक राजनीतिक गठबंधन नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य का साझा विज़न है. उन्होंने वादा किया कि नई सरकार बनने पर हर जिले में शिक्षा, उद्योग और रोजगार के लिए विशेष योजनाएं लागू की जाएंगी. डिप्टी सीएम पद पर मुकेश सहनी की नियुक्ति को सामाजिक और क्षेत्रीय संतुलन के रूप में देखा जा रहा है. सहनी ने कहा, अब कोई समाज उपेक्षित महसूस नहीं करेगा. हम सब मिलकर बिहार को विकास की नई राह पर ले जाएंगे.

एनडीए पर विपक्ष का हमला : कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा, एनडीए ने बिहार को सिर्फ नारों और घोषणाओं में उलझा कर रखा है, जबकि धरातल पर बदलाव नहीं हुआ. वहीं माले महासचिव दीपंकर भट्टाचार्य ने कहा, महागठबंधन गरीबों, किसानों, मजदूरों और युवाओं की आवाज़ है, जबकि एनडीए सिर्फ कॉरपोरेट और ठेकेदारों की राजनीति करती है. इस घोषणा के साथ महागठबंधन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह एकजुट होकर चुनावी मैदान में उतरने के लिए तैयार है.

तेजस्वी यादव ने अमित शाह से पूछे सवाल

तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन को नया बिहार बनाना है. इसलिए हमलोग एकजुट हैं. हम इस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले चुके हैं. सीएम नीतीश कुमार के साथ एनडीए में अन्याय किया गया है. एनडीए ने एक बार भी संयुक्त प्रेस वार्ता नहीं की. अब तक सीएम का चेहरा नीतीश को घोषित नहीं किया गया है. उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह से पूछा- क्या कारण है कि आपलोग नीतीश को सीएम का चेहरा नहीं घोषित कर रहे? पिछले चुनाव में भी आपलोगों ने नीतीश कुमार को सीएम का चेहरा घोषित किया था. लेकिन, इस बार क्या कारण है कि उन्हें सीएम फेस घोषित नहीं कर रहे हैं. तेजस्वी ने आरोप लगाया कि भाजपा, सीएम नीतीश की पार्टी को खत्म करना चाहती है. भाजपा की केंद्र में सरकार हैं लेकिन देश का सबसे ज्यादा गरीब और पिछड़ा राज्य बिहार है. अभी 70 हजार करोड़ के घोटाले की बात आई सीएजी की रिपोर्ट में लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. एनडीए सरकार में पुल गिर रहे. चूहे शराब पी रहे हैं. रोज गोलियां चलती है. यहीं बगल में गोपाल खेमका की हत्या हो गई. मेरे घर के बाहर गोलियां चलीं लेकिन कुछ नहीं हुआ. ये लोग प्रचार में भी चले गए लेकिन एक भी एजेंडा नहीं बताया कि अगले पांच साल में क्या करेंगे. अब तक पीएम मोदी या गृह मंत्री अमित शाह ने अपना एजेंडा नहीं रखा. ये महागठबंधन का नकल करने में लगे हुए है. हम जिस योजना की बात करते हैं, उसकी नकल ये लोग कर लेते हैं. एनडीए वाले नकलची हैं. इनके नेता थके हुए हैं. यह लोग बिहार को ठगने में लगे हुए हैं. हमलोगों ने यह घोषणा की है कि महागठबंधन की सरकार बनते ही हर परिवार में एक सरकारी नौकरी दी जाएगी. माई-बहिन मान योजना लागू करेंगे. गैस सिलेंडर को पांच सौ रुपया करेंगे.

सीएम पद पर कोई वैकेंसी नहीं, नीतीश हमारे नेता : रविशंकर

पटना। बिहार विस चुनाव से पहले सीएम नीतीश कुमार के सीएम चेहरे को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता और पटना साहिब सांसद रविशंकर प्रसाद ने स्पष्ट किया है कि बिहार में सीएम पद पर कोई वैकेंसी नहीं है और नीतीश ही हमारे नेता हैं. उन्होंने कहा कि नीतीश ने बिहार में विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं और सीएम पद पर कोई वैकेंसी नहीं है. प्रसाद ने बताया कि हमारी पूरी टीम उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ रही है और बिहार के लोग जानते हैं कि नीतीश ने विकास और सामाजिक सुधार के लिए लगातार काम किया है.

बैंक ग्राहकों को 1 नवंबर से चार नॉमिनी जोड़ने का मिलेगा विकल्प

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अगले महीने से बैंक ग्राहक अपने खाते में अधिकतम चार नॉमिनी का विकल्प चुन सकेंगे. इस सुविधा का मकसद बैंकिंग प्रणाली में दावों के निपटान में एकरूपता और दक्षता सुनिश्चित करना है.

वित्त मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी एक बयान में इस फैसले की जानकारी दी गई. बयान में कहा गया कि बैंकिंग कानून (संशोधन) अधिनियम के तहत नामांकन से संबंधित प्रमुख प्रावधान 1 नवंबर से प्रभावी होंगे.

बैंकिंग कानून (संशोधन) को 15 अप्रैल को लागू किया गया. इसमें 5 कानूनों- भारतीय रिजर्व बैंक एक्ट 1934, बैंकिंग एक्ट 1949, स्टेट बैंक एक्ट 1955 व बैंकिंग (उपक्रमों का अधिग्रहण हस्तांतरण) अधिनियम 1970 और 1980-में किए गए कुल 19 संशोधन शामिल हैं. बैंकिंग कानून (संशोधन) एक्ट, 2025 का उद्देश्य बैंकिंग क्षेत्र में प्रशासन मानकों को मजबूत करना, बैंकों की ओर से भारतीय रिजर्व बैंक को रिपोर्टिंग में एकरूपता, जमाकर्ता और निवेशक संरक्षण को बढ़ाना, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में लेखा परीक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना और बेहतर नामांकन सुविधाओं के माध्यम से ग्राहक सुविधा को बढ़ावा देना है. इसमें कहा गया है कि अधिनियम में सहकारी बैंकों में अध्यक्ष और पूर्णकालिक निदेशकों के अलावा निदेशकों के कार्यकाल को युक्तिसंगत बनाने का भी प्रावधान है.

ग्राहकों को कैसे मिलेगा नई सुविधा का लाभ

ग्राहक एक साथ या क्रमिक रूप से अधिकतम चार लोगों को नामांकित कर सकते हैं. इससे जमाकर्ताओं और उनके नामांकित व्यक्तियों के लिए दावा निपटान सरल होगा. नए बदलावों के बाद जमाकर्ता एक साथ या क्रमिक नामांकन का विकल्प चुन सकते हैं. सुरक्षित अभिरक्षा में रखी वस्तुओं और लॉकरों के लिए नामांकन के संबंध में कहा गया है कि केवल क्रमिक नामांकन की ही अनुमति है. इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि कुल 100% की राशि सभी नामित व्यक्तियों के बीच पारदर्शी तरीके से वितरित हो सके. लॉकर में भी ग्राहकों को पसंद के अनुसार मिलेंगे. वित्त मंत्रालय ने बताया कि जमा राशि, सुरक्षित अभिरक्षा में रखी वस्तुएं या लॉकर रखने वाले व्यक्ति चार लोगों का नाम जोड़ सकते हैं. यहां नामांकित व्यक्ति पहले नामित व्यक्ति की मृत्यु के बाद ही हकदार होगा. इससे निपटान में निरंतरता और उत्तराधिकार की स्पष्टता सुनिश्चित होती है. इन प्रावधानों से जमाकर्ताओं को अपनी पसंद के अनुसार नामांकन करने की सुविधा मिलेगी, साथ ही बैंकिंग प्रणाली में दावा निपटान में एकरूपता, पारदर्शिता और दक्षता सुनिश्चित होगी.

भारतीय ट्रक ड्राइवर ने अमेरिका में तीन लोगों को रौंदा, हुई मौत

वॉशिंगटन। अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे भारतीय पर तीन लोगों को सड़क हादसे में कुचलने का आरोप लगा है. 21 वर्षीय भारतीय शख्स पर दक्षिणी कैलिफोर्निया में बिना ट्रक रोके भीषण दुर्घटना करने का आरोप है. इस हादसे में तीन लोगों की मौत हुई है. जसनप्रीत सिंह नाम के इस व्यक्ति को सैन बर्नार्डिनो काउंटी के फ्रीवे में ट्रक को गाड़ियों पर चढ़ाने के बाद गिरफ्तार किया है. हादसे के समय वह नशे की हालत में था. डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन अवैध प्रवासियों के मामले में सख्त है, ऐसे में इस घटना से अमेरिका में नया बवाल मच सकता है.

रिपोर्ट के मुताबिक, सिंह अमेरिका में अवैध तरीके से रह रहा था. उसने 2022 में दक्षिणी अमेरिकी सीमा पार की थी. बाइडेन प्रशासन ने हिरासत के विकल्प नीति के तहत उसे देश के अंदरूनी हिस्सों में छोड़ दिया, जहां अवैध प्रवासियों को सुनवाई लंबित रहने तक रिहा किया जाता था.

अब पांच राज्यों में एसआईआर की तैयारी

लिस्ट में बंगाल, असम और केरल भी हैं शामिल

एजेंसियां। नयी दिल्ली

बिहार के बाद अब देश के पांच प्रमुख राज्यों असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और बंगाल में एसआईआर की प्रक्रिया शुरू हो गई है. इसके लिए चुनाव आयोग ने व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं. आयोग ने नई दिल्ली में आयोजित सीईओ और डीईओ की दो दिवसीय बैठक में एसआईआर की सभी बारीकियों और इसकी जरूरतों पर विस्तार से चर्चा की. इस बैठक की अध्यक्षता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने की और सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों तथा संबंधित राज्यों के चुनाव अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई.

चुनाव वाले राज्यों में एसआईआर : इस बैठक में केंद्रीय चुनाव आयुक्तों ने इन पांचों राज्यों के अधिकारियों के साथ अलग से बात की जहां अगले साल अप्रैल-मई में विस चुनाव होने हैं. वैसे तो इस बैठक का मुख्य उद्देश्य पारदर्शी, समावेशी और त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करने पर था, जिससे कि चुनावी प्रक्रिया निष्पक्ष और प्रभावी ढंग से सम्पन्न हो सके. बैठक में यह निर्देश दिया गया कि अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में मतदाता सूची को दुरुस्त करने के दौरान प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम सुनिश्चित करें.

डिजिटल माध्यमों के उपयोग पर फोकस

आयोग ने डिजिटल माध्यमों के ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल, मतदाता जागरूकता और शिकायत निवारण के त्वरित समाधान को प्राथमिकता देने के निर्देश भी दिए. बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया गया कि एसआईआर में सभी प्रावधानों का पालन किया जाए, ताकि किसी के भी अधिकारों का उल्लंघन न हो.

विवाद : दाढ़ी-बाल पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मंत्री के कदम से मचा बवाल

अमेरिकी सिख सैनिकों के सपोर्ट में उतरे सांसद

एजेंसियां। वाशिंगटन

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बीते महीने अमेरिकी सैनिकों के दाढ़ी रखने पर रोक की घोषणा की थी. इससे अमेरिकी सेना में काम करने वाले सिख-अमेरिकी काफी गुस्से में हैं. इसे देखते हुए एक प्रमुख अमेरिकी सांसद ने अपने रक्षा मंत्री को चिट्ठी लिखकर अपील की है कि वो अपने फैसले पर दोबारा विचार करें. सांसद ने लिखा कि सिख धर्म में केश और दाढ़ी रखना उनके विश्वास का एक प्रमुख हिस्सा है और इसे काटना धार्मिक रूप से गलत माना जाता है. पीट हेगसेथ को लिखे एक पत्र में अमेरिकी सांसद थॉमस आर. सुवोजी ने कहा कि सिख पीढ़ियों से अमेरिकी सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़े हैं, जिसमें प्रथम और द्वितीय विश्व युद्ध भी शामिल हैं. सुवोजी ने अपने पत्र में लिखा, सिखों के लिए अपने देश की सेवा करना एक पवित्र कर्तव्य है, संत-सिपाही की अवधारणा का प्रतीक, जो आस्था और सेवा का मेल है. सिख धर्म में केश और दाढ़ी को न काटना ईश्वर के प्रति समर्पण और समानता का प्रतीक माना जाता है. उन्होंने यह माना कि सेना में अनुशासन और एकरूपता जरूरी है, लेकिन कहा कि धार्मिक और मेडिकल कारणों से दी जाने वाली छूट को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए. सुवोजी ने कहा कि उनके कुछ सिख, मुस्लिम

और अफ्रीकी-अमेरिकी वोटर्स नए प्रतिबंधों को लेकर फिक्रमंद हैं. उनका कहना है कि अगर दाढ़ी पर प्रतिबंध धार्मिक, सांस्कृतिक या चिकित्सीय छूटों के बिना लागू किया गया, तो यह अनजाने में उन्हें वर्दी में अपने देश की सेवा करने से रोक सकता है.

क्या कहा था ट्रंप के मंत्री ने : पिछले महीने जनरल और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए हेगसेथ ने कहा था, हम अपने बाल कटवाएंगे, दाढ़ी मुंडवाएंगे और मानकों का पालन करेंगे. अनप्रोफेशनल दिखने का दौर खत्म हो गया है. अब कोई दाढ़ीवाले नहीं होंगे. सुवोजी ने कहा कि ऐसे बयान उन अमेरिकियों को परेशानी में डाल रहे हैं जिनके लिए धर्म या स्वास्थ्य कारणों से चेहरे के बाल बनाए रखना जरूरी है. उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि उच्चतम मानकों को बनाए रखते हुए भी व्यक्तिगत मामलों में उचित छूट दी जा सकती है, ताकि जो लोग देश की सेवा करना चाहते हैं, वे अपने धार्मिक विश्वासों से समझौता किए बिना ऐसा कर सकें.

अमेरिकी सांसद ने मुसलमानों का भी मुद्दा उठाया : सांसद ने कहा कि कई मुस्लिम पुरुषों के लिए दाढ़ी रखना सुन्नत मुअक्कदा है- यानी एक अनिवार्य धार्मिक प्रथा जो विनम्रता और ईश्वर के प्रति समर्पण का प्रतीक है. उन्होंने यह भी कहा कि अफ्रीकी-अमेरिकी समुदाय के लिए बाल उनकी सांस्कृतिक पहचान और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. उन्होंने पत्र में लिखा, इसके अलावा, दाढ़ी बनाना कई बार मेडिकल दिक्कतें पैदा करता है, क्योंकि बालों की बनावट के कारण अफ्रीकी-अमेरिकी सैनिकों में दाढ़ी काटने से प्सूडोफॉलिकुलाइटिस बार्बी नामक दर्दनाक त्वचा रोग हो सकता है. यह स्थिति अश्वेत सैनिकों को बीमार कर सकती है जो कुल सैनिकों का लगभग पांचवां हिस्सा हैं.

कर्नाटक वोट चोरी : एसआईटी जांच में बड़ा खुलासा

एक वोट हटवाने की कीमत 80 रुपए...

छह संदिग्धों पर कसा शिकंजा, कार्रवाई शुरू

एजेंसियां। बेंगलुरु

कर्नाटक के कालाबुरगी जिले के आलंद विधानसभा क्षेत्र में हुए 'वोट चोरी' कांड की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने पाया है कि साल 2023 के विधानसभा चुनाव के दौरान मतदाता सूची से वोट डिलीट करने की साजिश रची गई थी. जांच में सामने आया कि प्रत्येक हटाए गए वोट के लिए संदिग्धों को 80 रुपए का भुगतान किया गया था.

अब एसआईटी ने इस घोटाले में छह लोगों को मुख्य संदिग्ध मानते हुए उनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी है. क्राइम इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के शीर्ष सूत्रों के अनुसार, आलंद क्षेत्र में करीब 6,994 वोट डिलीट करने के लिए आवेदन दिए गए थे. इनमें से ज्यादातर फर्जी थे. यह क्षेत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का गृह जिला है और यहां से कांग्रेस विधायक बीआर पाटिल चुने गए हैं. पाटिल और मंत्री प्रियांक खरगे ने इस साजिश का खुलासा किया था और राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को इसकी जानकारी दी थी. पाटिल के मुताबिक, डिलीट करने के लिए जो वोट चुने गए थे, वे अधिकतर दलित और अल्पसंख्यक वर्ग से जुड़े कांग्रेस समर्थक थे.

कांग्रेस की चेतावनी व एसआईटी की कार्रवाई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस 'वोट चोरी' कांड को चुनावी अपराध बताते हुए चेतावनी दी थी. इसी के बाद कर्नाटक सरकार ने मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया. एसआईटी ने 30 लोगों से पूछताछ की है, जिनमें से पांच से छह लोगों को मुख्य आरोपी के रूप में चिन्हित किया गया है.

छापेमारी और सबूतों की बरामदगी : एसआईटी ने संदिग्धों से जुड़े डेटा सेंटरों पर रेड की, जहां वोट डिलीट करने के लिए 'वॉइस ओवर इंटरनेट प्रोटोकॉल' तकनीक का इस्तेमाल किया गया था. जांच एजेंसी ने भाजपा नेता सुबाष गुट्टेदार, उनके बेटों तथा उनके चार्टर्ड अकाउंटेंट के ठिकानों पर भी छापे मारे. इस दौरान एसआईटी को गुट्टेदार के घर के पास जली हुई मतदाता रिकॉर्ड की फाइलें मिलीं. इस पर गुट्टेदार ने सफाई दी कि दिवाली की सफाई के दौरान घर के कर्मचारियों ने कचरा सामग्री जला दी थी और इसमें कोई गलत नीयत नहीं थी.

धनबाद डीसी आदित्य रंजन फिर घिरे विवादों में, टेंडर शर्तें बदलकर तितली फाउंडेशन को काम देने का आरोप

मुख्य सचिव को पत्र लिख कर एसीबी जांच कराने की मांग

शुभम संदेश। रांची/ धनबाद

धनबाद के उपायुक्त आदित्य रंजन एक बार फिर विवादों में आ गए हैं. उन पर आरोप है कि उन्होंने एक गैर-सरकारी संस्था तितली फाउंडेशन को अनुचित रूप से काम देने के लिए टेंडर की शर्तों में बदलाव कराया. इस पूरे मामले की शिकायत मुख्य सचिव से की गई है, जिसमें एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) से निगरानी जांच की मांग की गई है.

शिकायत में गंभीर आरोप : शिकायतकर्ता राकेश कुमार ने मुख्य सचिव को भेजे अपने पत्र में लिखा है कि धनबाद जिले के कल्याण विभाग की ईकाई द्वारा 200 आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविका, सहायिका और पोषण सखियों को प्रशिक्षण देने के लिए एक टेंडर जारी किया गया था. इस टेंडर की शर्तें जिला खनिज फाउंडेशन ट्रस्ट (डीएमएफटी) के प्रोजेक्ट मैनेजमेंट यूनिट (पीएमयू) ने तैयार की थीं. शिकायत के अनुसार, इन शर्तों को इस तरह से बदला गया कि काम सीधे तौर पर मैनेजमेंट एंड एंटरप्रेन्योरशिप एंड प्रोफेशनल सेक्टर स्किल काउंसिल (एमईपीएससी) को मिले और उसके ट्रेनिंग पार्टनर तितली फाउंडेशन को प्रशिक्षण कार्य सौंपा जा सके.

टेंडर शर्तों में बदलाव का आरोप : पत्र में आरोप लगाया गया है कि डीसी आदित्य रंजन के निर्देश पर टेंडर की शर्तों में बीच में बदलाव किया गया, ताकि एमईपीएससी और तितली फाउंडेशन के लिए रास्ता आसान हो जाए. यह पूरी प्रक्रिया पारदर्शिता के मानकों के खिलाफ बतायी गयी है. शिकायत में कहा गया है कि यह बदलाव किसी विशेष संस्था को लाभ पहुंचाने की नीयत से किया गया. शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया है कि कोडरमा में उपायुक्त रहते हुए आदित्य रंजन ने इसी तरह की प्रक्रिया अपनाई थी. वहां भी टेंडर प्रकाशित होने के बाद पात्रता शर्तों में बदलाव कर तितली फाउंडेशन को ही काम दिया गया था.

मुख्य सचिव से एसीबी जांच की मांग

शिकायतकर्ता ने मुख्य सचिव से आग्रह किया है कि इस पूरे मामले की एसीबी (एंटी करप्शन ब्यूरो) से गहन जांच कराई जाए. उनका कहना है कि यदि जांच निष्पक्ष रूप से की गई, तो इस प्रकरण में कई अनियमितताएं और प्रशासनिक हेराफेरी के मामले सामने आएंगे. उन्होंने यह भी कहा कि धनबाद में डीएमएफटी फंड से किए जा रहे अधिकांश प्रोजेक्ट में पारदर्शिता की कमी है और यह मामला इसका सबसे बड़ा उदाहरण है.

तितली फाउंडेशन और डीसी के रिश्तों पर सवाल

शिकायतकर्ता ने पत्र में कहा है कि तितली फाउंडेशन के संस्थापक प्रांजल मोदी और डीसी आदित्य रंजन के बीच निजी संबंध हैं. आरोप है कि प्रांजल मोदी कई बार धनबाद आकर डीएमएफटी पीएमयू टीम से मुलाकात कर चुके हैं और प्रशिक्षण कार्य को लेकर बैठकों में शामिल हुए. शिकायत में कहा गया है कि यह पूरा मामला सत्ता के दुरुपयोग और पद के प्रभाव का उदाहरण है, जिसमें टेंडर प्रक्रिया को मनमाने तरीके से संचालित कर किसी एक संस्था को लाभ पहुंचाया गया.

पहले भी विवादों में घिर चुके हैं आदित्य रंजन

गौरतलब है कि उपायुक्त आदित्य रंजन पहले भी विवादों में घिरे रह चुके हैं. कोडरमा में उनके कार्यकाल के दौरान भी टेंडर प्रक्रिया में हस्तक्षेप और फेवरिज़्म के आरोप लगे थे. हालांकि, उस समय कोई आधिकारिक जांच नहीं हो सकी थी. अब धनबाद में यह नया मामला सामने आने के बाद प्रशासनिक पारदर्शिता पर एक बार फिर सवाल उठ रहे हैं.

लोहरदगा में जादू-टोना के नाम पर तीन की हत्या का मामला

हाईकोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान सरकार से दो साल की रिपोर्ट तलब

शुभम संदेश। रांची

लोहरदगा जिले में जादू-टोना के शक में नौ साल के बच्चे सहित एक ही परिवार के तीन सदस्यों की निर्मम हत्या के मामले पर झारखंड हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है. अदालत ने इस घटना का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य सरकार से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है. मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार को तीन सप्ताह के भीतर प्रति-शपथपत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है. साथ ही, अदालत ने सरकार से पिछले दो वर्षों में 'डायन प्रथा निवारण अधिनियम 1999' के तहत दर्ज सभी मामलों की पूरी जानकारी प्रस्तुत करने को कहा है.

कोर्ट ने टिप्पणी की कि यह मामला केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना और मानवाधिकार से जुड़ा गंभीर मुद्दा है. अदालत ने 10 अक्टूबर 2025 को रांची के एक स्थानीय दैनिक में प्रकाशित समाचार के आधार पर स्वतः संज्ञान लिया था. सुनवाई के दौरान राज्य के अधिवक्ता को सरकार से आवश्यक निर्देश लेने को कहा गया। अदालत ने इस याचिका को वर्ष 2015 की जनहित याचिका संख्या 3684 और 2021 की जनहित याचिका संख्या 919 से संबंधित रिकॉर्ड के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश भी दिया है. मामले की अगली सुनवाई 14 नवंबर को होगी.

रिश्तों में खटास और बढ़ी: बिहार में महागठबंधन के पोस्टर से भी झामुमो गायब

क्या झारखंड में झामुमो लेगा बदला मंत्रिमंडल से राजद को आउट करेगा ?

शुभम संदेश। रांची

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले महागठबंधन के भीतर की खटास एक बार फिर सुर्खियों में है. गुरुवार को पटना के होटल मौर्या में महागठबंधन की ओर से आयोजित एक अहम प्रेसवार्ता के दौरान जहां सीएम और डिप्टी सीएम के चेहरे का ऐलान हुआ, वहीं स्टेज पर लगे बड़े पोस्टर से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का लोगो और नाम पूरी तरह गायब दिखा. इसने राजनीतिक गलियारों में नए सियासी समीकरणों और मतभेदों की चर्चा को हवा दे दी है. प्रेसवार्ता में आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को सर्वसम्मति से मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित किया गया, जबकि विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम पद की जिम्मेदारी सौंपने की बात भी कही गयी. मंच पर कांग्रेस, वामदलों और वीआईपी के प्रतिनिधि मौजूद रहे, लेकिन झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) का कोई प्रतिनिधि नजर नहीं आया.

बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंड के सीमावर्ती क्षेत्रों से दावेदारी के बावजूद राजद ने झामुमो को किनारे का रास्ता दिखा दिया और कांग्रेस ने चुप्पी साधे रखी. इससे बिफरे झामुमो ने पहले तो छह सीटों से प्रत्याशी खड़ा करने की घोषणा की, फिर यू टर्न लेते हुए बिहार विस चुनाव से ही किनारा कर लिया. इसके साथ ही जेएमएम ने स्पष्ट कर दिया कि इस बार बिहार में महागठबंधन के साथ नहीं रहेगा और झारखंड में भी महगठबंधन को लेकर समीक्षा करेगा. झामुमो नेताओं के तल्ख तेवर को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषकों ने कयास लगाना शुरू कर दिया है कि क्या झारखंड में हेमंत सोरेन मंत्रिमंडल से राजद आउट होगा.

मतदाताओं पर असर और आगे की राहः बिहार में गठबंधन की राजनीति हमेशा से चुनावी समीकरणों में निर्णायक भूमिका निभाती रही है. ऐसे में झामुमो जैसी सहयोगी पार्टी का दूर होना मतदाता ध्रुवीकरण को भी प्रभावित कर सकता है. अब देखना होगा कि तेजस्वी यादव और उनकी टीम इस नई परिस्थिति से कैसे निपटती है और क्या वे इस सियासी झटके को रणनीतिक अवसर में बदल पाते हैं.बिहार की राजनीति में हर चुनाव के साथ गठबंधन बदलते रहते हैं, लेकिन इस बार महागठबंधन और जेएमएम के बीच बढ़ी दूरी ने यह साफ कर दिया है कि चुनावी मौसम में दोस्ती और दुश्मनी दोनों ही अस्थायी होती है और राजनीति में पोस्टर भी कई बार सबसे बड़ा बयान बन जाता है.

जेएमएम का स्पष्ट रुख और पोस्टर से गायब होना

कुछ दिन पहले ही जेएमएम ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा था कि पार्टी आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन का हिस्सा नहीं होगी. पार्टी ने यह भी संकेत दिया था कि वह सीमावर्ती इलाकों में अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों से स्वतंत्र रूप से उम्मीदवार उतारने पर विचार कर रही है. लेकिन अचानक झामुमो ने बिहार विधानसभा चुनाव से किनारा कर लिया. इसके बावजूद, राजनीतिक हलकों में उम्मीद थी कि अंतिम समय में कोई समझौता हो सकता है. लेकिन गुरुवार को महागठबंधन के पोस्टर से जेएमएम का नाम और लोगो हटना इस संभावना को लगभग समाप्त कर गया.

राजनीतिक विश्लेषकों की राय

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि जेएमएम के अलग होने से बिहार में भी महागठबंधन को झटका लग सकता है, खासकर सीमावर्ती जिलों जैसे जमुई, बांका, कटिहार और सहरसा में, जहां झारखंड की सीमाओं से लगे मतदाता समुदाय पर जेएमएम का कुछ असर रहता है. विश्लेषकों का कहना है कि महागठबंधन को अब अपनी सीट-बंटवारे की रणनीति और प्रचार अभियान में नए सिरे से बदलाव करने की आवश्यकता होगी.

महागठबंधन के लिए नई चुनौती

महागठबंधन ने प्रेसवार्ता के ज़रिए एकजुटता का संदेश देने की कोशिश की, लेकिन जेएमएम की अनुपस्थिति और पोस्टर विवाद ने उस प्रयास पर पानी फेर दिया. राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि अब महागठबंधन को न सिर्फ अपने सहयोगियों के बीच तालमेल साधना होगा, बल्कि यह भी तय करना होगा कि जेएमएम के अलगाव से पैदा हुए राजनीतिक खालीपन को कौन भर पाएगा.

धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ की बैठक में मजदूरों की समस्याओं पर विचार-विमर्श

बीसीसीएल प्रबंधन की गलत नीतियों और मजदूर विरोधी रवैये का होगा जोरदार विरोध

शुभम संदेश। रांची/धनबाद

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ की बैठक में बीसीसीएल प्रबंधन की गलत नीतियों, मजदूर विरोधी रवैये का पुरजोर विरोध करने का निर्णय लिया गया. संघ ने बीसीसीएल प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि हजारों मजदूरो के हित में वर्ष 25-26 का श्रम शक्ति बजट अविलंब देते हुए एक नवंबर को सभी चयनित कर्मियों को प्रोन्नति दी जाए. सभी चयनित क्लर्क की पोस्टिंग की जाए, सभी श्रमिक कॉलोनियों में साफ-सफाई और जर्जर आवासों की तुरंत मरम्मत करायी जाए. आस्था के महापर्व छठ पर्व पर घाटें व रास्तों की की साफ-सफाई कराने की मांग की गयी.

बैठक मे प्रमुख रूप से अखिल भारतीय खदान मजदूर संघ मंत्री सह कल्याण समिति सदस्य कृष्ण कुमार सिंह, धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष अयोध्या मिश्रा, केंद्रीय सदस्य कन्हैया सिंह, सत्यनारायण यादव, तारकेश्वर सिंह, सत्येंद्र ढान्गी, महावीर चौहान, विनोद रवानी,राजू पासवान, महेंद्र तिवारी, रविशंकर सिंह, इजराइल खान, शंकर चौहान, बबलू शेख समेत कई पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे. सभी ने बैठक में एकजुटता बनाये रखते हुए मजदूरों के हक के लिए आरपार की लड़ाई लड़ने की बात कही. वक्ताओं ने कहा कि बीसीसीएल प्रबंधन पर मांगो को पूरा करने के लिए दबाव बनाया जाएगा.

सुरक्षा संबधित सभी नियमों का कड़ाई से पालन हो

बैठक में सभी क्षेत्रों में सभी कर्मियों का पहचान पत्र अपडेट करते हुए जारी करने, वेज प्रोक्टेशन के मामले का समाधान करने और कोल नेट की व्यवस्था मे सभी कर्मियों को बकाया एरियर्स का भुगतान करने की मांग की गयी. 13 दिनों का बकाया वेतन राशि का शीघ्र भुगतान करने, सभी क्षेत्रों की आवासीय कॉलोनी में टाइल्स और मार्बल लगाने, केंद्रीय चिकित्सालय जगजीवन नगर में एक एटीएम मशीन लगवाने, दवाई काउंटर की संख्या बढ़ाने और सुरक्षित कोयला उत्पादन के लिए सुरक्षा संबधित सभी नियमों का कड़ाई से पालन कराने की मांग भी प्रबंधन से की गयी.

जनप्रतिनिधियों के फोन कॉल को इग्नोर कर रहे राज्य के अधिकारी : बाबूलाल

शुभम संदेश। रांची

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने आज राज्य के वरीय प्रशासनिक अधिकारियों की कार्यशैली पर बड़ी नाराजगी जतायी है. मरांडी ने कहा कि गुरुवार की सुबह लगभग 11 बजे उन्होंने जनसरोकार से जुड़े एक मामले में बात करने के लिये बोकारो जिले के एसपी, डीसी और एसडीओ को उनके सरकारी एवं ग़ैर सरकारी नंबरों पर कॉल किया और करवाया. लेकिन हैरानी की बात यह है कि इन तीनों प्रमुख अफ़सरों के सरकारी व ज्ञात ग़ैर सरकारी नंबर्स स्विच ऑफ थे. कहा कि अगर दिन के 11 बजे जिले के शीर्ष अधिकारी ही संपर्क से बाहर हों, तो यह बताने की जरूरत नहीं कि सरकार कितनी गंभीरता से काम कर रही है और ऐसे अधिकारी

कितने ग़ैर ज़िम्मेदार हैं? कहा कि यह भी जानकारी मिली है कि झारखंड के अधिकांश वरिष्ठ अधिकारी तीन-तीन, चार-चार मोबाइल नंबर रखते हैं, एक सरकारी नंबर, जो कभी उठाया नहीं जाता, दूसरा प्राइवेट नंबर, जो सिर्फ दोस्तों और परिचितों के लिए होता है और बाकी सीक्रेट नंबर, जो "सेटिंग-गेटिंग" और "धंधे" के लिए प्रयोग होता है.

मरांडी ने कि समाचारों में भी आया था कि एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी तो सात-आठ फोन तक एक बैग में साथ रखकर चलते हैं और उनके लिए दलाली और वसूली का काम संभाल रहे कुछ लोग भी थोक के भाव मोबाइल रखकर "नेटवर्किंग" एवं वसूली की रकम को जगह पर पंहुचाने का काम संभाले हुए हैं. कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को मेरी बातों पर यकीन न हो तो खुद से भी पता कर लें कि उनकी आंखों में धूल झोंक कर बेनामी नंबरों से ऐसे अफ़सर कैसे -कैसे धंधा कर रहे हैं? यह स्थिति प्रशासनिक अनुशासन पर गंभीर सवाल उठाती है.

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस पर संज्ञान लेना चाहिए. अधिकारियों को कुर्सी पर बैठने के लिए नहीं, बल्कि जनता की सेवा के लिए नियुक्त किया गया है. अगर जनप्रतिनिधियों को ही अधिकारियों से बात करने में इतनी कठिनाई हो रही है, तो आम जनता का हाल सहज ही समझा जा सकता है.

जेएमएम की समीक्षा बैठक से बिहार-झारखंड की जनता को कोई फर्क नहीं पड़ेगा: सीपी सिंह

शुभम संदेश। रांची

झारखंड भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सीपी सिंह ने झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि जेएमएम की समीक्षा बैठक से बिहार और झारखंड की जनता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा. उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद समीक्षा की बात करना केवल दिखावा है, क्योंकि जेएमएम ने बिहार विधानसभा चुनाव में एक भी सीट पर उम्मीदवार नहीं उतारा. सिंह ने तंज कसते हुए कहा कि जब जेएमएम को महागठबंधन से कोई सीट नहीं मिली, तो समीक्षा बैठक का क्या औचित्य रह जाता है? इससे न तो बिहार के लोगों को फर्क पड़ेगा और न ही झारखंड की जनता को. उन्होंने आगे कहा कि भाजपा के बढ़ते जनाधार से डर कर "चोर-चोर मौसेरे भाई" की तरह विपक्षी दल

एकजुट हो रहे हैं. उनके अनुसार, जेएमएम की समीक्षा बैठक केवल मीडिया में बने रहने की कवायद है, इससे कोई ठोस परिणाम सामने नहीं आने वाला.

गौरतलब है कि झारखंड में सत्तारूढ़ जेएमएम कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन में है. लेकिन बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर जेएमएम और महागठबंधन के बीच सीट बंटवारे पर मतभेद उभर आए थे. जेएमएम छह सीटों पर चुनाव लड़ना चाहता था, लेकिन महागठबंधन के अन्य घटक दलों विशेषकर राजद ने उसे एक भी सीट नहीं दी. इसी कारण जेएमएम ने बिहार चुनाव से दूरी बनाने का निर्णय लिया.

झामुमो के फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में यह चर्चा तेज हो गई कि महागठबंधन में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. जेएमएम नेताओं ने कांग्रेस और राजद पर धोखा देने का आरोप लगाया. हालांकि, झारखंड कांग्रेस के कुछ नेताओं ने माना कि जेएमएम को बिहार चुनाव में सीट मिलनी चाहिए थी.कांग्रेस नेताओं के अनुसार, यह स्वाभाविक था कि जेएमएम अपने संगठन को बिहार में भी विस्तार देना चाहता. उन्होंने कहा कि "हेमंत सोरेन त्याग करना जानते हैं, और चुनाव के बाद गठबंधन के भीतर सारे मतभेद सुलझा लिए जाएंगे."

रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ ने नयी दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिलकर दीपावली की शुभकामनाएं दीं

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने गुरुवार को नयी दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उन्हें दीपावली की बधाई और शुभकामनाएं दीं. सेठ ने बताया कि मौके पर उन्हें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का स्नेह और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ.

प्रतिबंधित ग्लॉक पिस्टल मामले को लेकर पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को लिखा पत्र

पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता के खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करे जिला प्रशासन : सरयू राय

- विधायक सरयू राय ने लिखा- मामला आर्म्स एक्ट के उल्लंघन का, पिस्टल रखने, बेचनेवाले पर भी कार्रवाई हो

शुभम संदेश। रांची/ जमशेदपुर

जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को पत्र लिख कर 0.45 बोर की अवैध (प्रतिबंधित) ग्लॉक पिस्टल रखने, बेचने और इसका लाइसेंस जारी करने वालों के विरुद्ध क़ानूनी कार्रवाई करने की मांग की है. उपायुक्त को लिखे पत्र में सरयू राय ने कहा है कि जमशेदपुर से प्रकाशित एक राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र में "पूर्व मंत्री बन्ना गुप्ता की 18 लाख की प्रतिबंधित ग्लॉक पिस्टल जब्त" शीर्षक से प्रकाशित समाचार का कृपया संज्ञान लें. सरयू राय ने लिखा है कि प्रतिबंधित आग्नेयास्त्र रखना कानूनन जुर्म है, दंडनीय अपराध है, इसे बेचना और इसका लाइसेंस जारी

करना भी दंडनीय अपराध है, इससे आप अवगत हैं. इंडियन आर्म्स एक्ट-1959 की धारा-25 में इसके लिए दंड का प्रावधान विहित है.

सुलभ संदर्भ हेतु इंडियन आर्म्स एक्ट- 1959 की धारा-25 का प्रासंगिक प्रावधान इस प्रकार से हैः भारतीय शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 25 उन विभिन्न अपराधों के दंड से संबंधित है जो आग्नेयास्त्रों और गोला-बारूद से जुड़े होते हैं, जैसे कि अवैध रूप से उन्हें प्राप्त करना, रखना या ले जाना, साथ ही कानून के विरुद्ध उनका विक्रय या परिवहन करना. दंड अपराध की प्रकृति पर निर्भर करता है, और इसमें न्यूनतम पांच वर्ष के कारावास से लेकर आजीवन कारावास तक की सज़ा, साथ ही जुर्माना भी शामिल हो सकता है. एतदनुसार दंडात्मक प्रावधान निम्नवत हैः भारतीय शस्त्र अधिनियम की धारा 25 के तहत दंडः प्रतिबंधित हथियारों को प्राप्त करना, रखना या साथ लेकर चलनाः कम से कम पांच वर्ष की कैद, जो अधिकतम दस वर्ष तक बढ़ सकती है, तथा जुर्माना.(प्रस्तावित संशोधनों के अनुसार, यह अवधि कम से कम सात वर्ष और अधिकतम चौदह वर्ष तक बढ़ायी जा सकती है).

सरयू राय ने लिखा कि उपर्युक्त से स्पष्ट है कि प्रतिबंधित आग्नेयास्त्र धारक को कम से कम 5 वर्ष की क़ैद की सजा होगी, जो 7 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है. अधिनियम में प्रस्तावित संशोधन के मुताबिक़ यह सज़ा 7 वर्ष से कम की नहीं होगी और इसे 14 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है. राय ने लिखा कि इस संबंध में उन्होंने 28.04.2023 को पूर्वी सिंहभूम के उपायुक्त को पत्र लिखा था और उनसे अवैध आग्नेयास्त्र धारक के विरुद्ध क़ानूनी कार्रवाई करने की मांग की थी, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई. राय के अनुसार, इससे पूर्व झारखंड के राज्यपाल, मुख्यमंत्री, बंगाल के अपर मुख्य सचिव (गृह), पुलिस महानिरीक्षक, गृह मंत्रालय के अपर सचिव आदि को पत्र लिख कर बताया था कि जमशेदपुर के कदमा निवासी तत्कालीन मंत्री बन्ना गुप्ता ने प्रतिबंधित ग्लॉक पिस्तौल रखा है, जो कानूनन जुर्म है और दंडनीय अपराध है. उस समय जिला प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की. उल्टे उन्हें प्रतिबंधित पिस्तौल का लाइसेंस जारी कर दिया. अब जबकि वह प्रतिबंधित पिस्तौल जब्त कर ली गयी है, तब यह ज़रूरी हो गया है कि आर्म्स एक्ट के अधीन इसके अवैध धारक पर, इसे उन्हें बेचने वाले पर, इसका अवैध लाइसेंस उन्हें जारी करने वाले पर विधिसम्मत कार्रवाई की जाए. आप सहमत होंगे कि कानून की नजर में सभी बराबर हैं.

प्रधानमंत्री मोदी के दिल में बसता है बिहार

छठ पर्व को मिला वैश्विक सम्मान : निशिकांत

शुभम संदेश। रांची/भागलपुर

गोड्डा के भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार का गौरव पूरे विश्व में बढ़ा है. उन्होंने कहा कि बिहार का महापर्व छठ अब वैश्विक पहचान हासिल कर चुका है और इसका श्रेय प्रधानमंत्री मोदी को जाता है, जिन्होंने इस पर्व को यूनेस्को के पटल पर सम्मान दिलाया. दुबे ने कहा कि यह प्रमाण है कि बिहार प्रधानमंत्री मोदी के दिल में बसता है. भागलपुर दौरे के दौरान सांसद दुबे ने कहा कि छठ पर्व अब केवल बिहार, उत्तर प्रदेश, दिल्ली या मुंबई तक सीमित नहीं है, बल्कि मॉरीशस, त्रिनिदाद एंड टोबैगो और अमेरिका जैसे देशों में भी धूमधाम से मनाया जा रहा है. यह भारत की सांस्कृतिक विरासत की वैश्विक स्वीकृति का प्रतीक है, जिसे

प्रधानमंत्री मोदी ने नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है.

सांसद दुबे ने कहा कि जैसे प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाने की परंपरा शुरू हुई, उसी तरह अब छठ पर्व को भी वैश्विक पहचान मिल रही है. यह बिहार और पूरे देश के लिए गर्व की बात है.दुबे ने हाल ही में 193 देशों के प्रतिनिधियों के साथ संयुक्त राष्ट्र (यूएनओ) के अपने दौरे का उल्लेख करते हुए बताया कि भारत अब दुनिया के उन गिने-चुने देशों में शामिल है, जो यूएनओ को समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान करता है. उन्होंने कहा कि यूएनडीपी की बैठक में यह बताया गया कि 1954 में भारत में पेंसिलिन उत्पादन संभव नहीं था, जबकि आज 2025 में भारत से 300 मिलियन पेंसिलिन की खरीद की जा रही है.

सांसद दुबे ने यह भी कहा कि कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने न सिर्फ अपनी जनता के लिए वैक्सीन बनाई, बल्कि उसे कई देशों को मुफ्त में भेजा. इसी वजह से आज दुनिया के 193 देश भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नए नजरिए से देख रहे हैं. दुबे ने कहा कि मोदी का नेतृत्व भारत की संस्कृति, विज्ञान और मानवीय संवेदनाओं को एक नए वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित कर रहा है.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

रांची, शुक्रवार 24 अक्तूबर 2025 I कार्तिक शुक्ल पक्ष 04, संवत 2082 I रांची एवं पटना से प्रकाशित I वर्ष : 3, अंक : 194 I मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

झारखंड के कई जिलों में छाए बादल, कल बारिश के आसार

रांची। झारखंड के कई जिलों में गुरुवार की सुबह से बादल छाया रहा. वहीं शनिवार को राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी जिलों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की आशंका है. यह जानकारी मौसम विभाग ने गुरुवार को दी. विभाग के अनुसार 26 अक्टूबर को पश्चिमी जिलों गढ़वा, पलामू, चतरा और लातेहार में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना है. वहीं पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान 34.6 डिग्री और सबसे कम तापमान 16.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. गुरुवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री, जमशेदपुर में 33.4, बोकारो में 34.6 डिग्री, बोकारो में 32.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 33.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया.

रांची में जैप-2 के जवान ने फांसी लगा कर ली खुदकुशी

रांची। राजधानी रांची में झारखंड आर्म्ड पुलिस (जैप-2) के एक जवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. गुरुवार की सुबह, कुटे स्थित विस्थापित भवन में जवान का शव उसके कमरे में फंदे से लटका हुआ पाया गया. जवान की पहचान शिव पूजन रजवार के रूप में हुई है, जो बोकारो के पेटरवार का रहने वाला था. घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में ले लिया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है. फिलहाल, जवान ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इसके कारणों का अभी तक कोई खुलासा नहीं हो पाया है. पुलिस मामले की गहनता से छानबीन कर रही है.पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

बेटे ने की मां की हत्या, आरोपी ने खुद ही थाने में कर दिया सरेंडर

जमशेदपुर। पूर्वी सिंहभूम जिला स्थित चाकुलिया थाना क्षेत्र के जीरापाड़ा गांव में एक पुत्र ने मां की धारदार हथियार से मारकर हत्या कर दी. मिली जानकारी के अनुसार जब्बर सिंह ने अपनी 77 वर्षीय मां सुधा बाला देवी की धारदार हथियार से हत्या कर दी. घटना के बाद आरोपित गुरुवार सुबह थाने पहुंचकर अपने अपराध को स्वीकार कर सरेंडर कर दिया. घटना बुधवार रात को हुई. मृतका घर में खटिया पर मृत अवस्था में पड़ी मिली, वहीं आरोपित जब्बर सिंह अकेले घर में मौजूद था क्योंकि उसका पुत्र मंगल सिंह अपनी ससुराल गया हुआ था. हत्या की वजह घरेलू विवाद बताया जा रहा है. सूचना मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया.

गुमला के आरंगी गांव में नाबालिग ने फांसी लगा कर आत्महत्या की

गुमला । जिले के घाघरा थाना क्षेत्र के आरंगी गांव में एक नाबालिग ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली है. घटना की सूचना मिलने पर घाघरा थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गुमला सदर अस्पताल भेज दिया है. घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार, संजू उरांव ने बुधवार की रात अपने दादा-दादी के साथ खाना खाया और सोने के लिए अपने कमरे में चला गया. दादा-दादी भी अपने कमरे में सो गए. गुरुवार की सुबह, ग्रामीणों ने घर से कुछ ही दूरी पर एक पेड़ से रस्सी के सहारे फांसी के फंदे पर संजू उरांव का शव लटका हुआ देखा. ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना पंचायत समिति सदस्य जितेंद्र उरांव को दी.

मंईयां सम्मान योजना : अब एक साथ मिलेगा दो महीने का पैसा!

रांची । झारखंड सरकार के मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना को लेकर बड़ी अपडेट निकलकर सामने आ रही है. सरकार ने योजना के लाभुक महिलाओं के लिए बड़ी राहत की घोषणा की है. जिन महिलाओं को 14वीं किस्त का भुगतान नहीं मिल पाया था, उन्हें इस महीने दो किस्तों का भुगतान एक साथ किया जाएगा. इसका मतलब है कि प्रत्येक लाभुक महिला के खाते में कुल 5,000 रुपये भेजे जाएंगे. सरकार कहना है कि ताकि योजना का लाभ समय पर और पूरी तरह से महिलाओं तक पहुंचे इसका विशेष ख्याल रखा जा रहा है. अधिकारियों ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना के लाभार्थियों के सभी बैंक खातों में राशि जल्द से जल्द पहुंचाई जाएगी और कोई भी लाभुक इस योजना से वंचित न रहे इसका ख्याल रखा जाएगा. सरकार का कहना है कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना का उद्देश्य महिलाओं को वित्तीय सहायता और उनके जीवन स्तर में सुधार और आर्थिक सशक्तिकरण करना है.

हर्षोल्लास के साथ की गई भगवान चित्रगुप्त की पूजा

लातेहार । शहर के धर्मपुर मोहल्ला स्थित शिव मंदिर परिसर में गुरुवार को भगवान चित्रगुप्त पूजा हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ संपन्न हुई. इस अवसर पर कायस्थ समाज के लोगों ने अपने आराध्य देव भगवान श्री चित्रगुप्त महाराज की वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ सामूहिक पूजा-अर्चना की. पूजा के बाद महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया. अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के जिला अध्यक्ष विवेक सिन्हा ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त संसार के समस्त जीवों के कर्मों का लेखा-जोखा रखते हैं. उन्होंने बताया कि कलम से कार्य करने वाले सभी लोगों को भगवान चित्रगुप्त की आराधना अवश्य करनी चाहिए, क्योंकि वे ज्ञान, न्याय और कर्म के प्रतीक हैं. उन्होंने कहा कि कायस्थ समुदाय को भगवान चित्रगुप्त का वंशज माना जाता है. पौराणिक कथा के अनुसार, सृष्टि की रचना के बाद जब ब्रह्मा जी सभी प्राणियों के कर्मों का लेखा-जोखा रखने को लेकर चिंतित हुए, तब उन्होंने 12,000 वर्ष की समाधि ली. समाधि से जागने पर उनके सामने सांवले वर्ण का तेजस्वी बालक प्रकट हुआ, जिसके हाथ में कलम और दवात थी. ब्रह्मा जी ने कहा कि चूंकि तुम मेरी काया से उत्पन्न हुए हो, अतः तुम्हारा नाम कायस्थ होगा, और तुम्हारा कार्य समस्त जीवों के कर्मों का हिसाब रखना होगा. बाद में भगवान चित्रगुप्त का विवाह इरावती और शोभावती नामक कन्याओं से हुआ, जिनसे बारह पुत्र उत्पन्न हुए. इन पुत्रों के नाम श्रीवास्तव, निगम, करण, कुलश्रेष्ठ, माथुर, सक्सेना, अस्थाना और वाल्मीकि आदि रखे गए, जिनसे कायस्थ वंश की उपजातियां विकसित हुईं.

पूजा समारोह में मिथिलेश कुमार सिन्हा, लवलेश कुमार सिन्हा, पंकज कुमार सिन्हा, संजय सिन्हा, उपेंद्र कुमार सिन्हा, अरविंद कुमार सिन्हा, नीरज सिन्हा, रितेश सिन्हा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे.

झारखंड सरकार का बड़ा तोहफा!

अब सामान्य वर्ग के छात्रों को भी मिलेगी तीन गुना ज्यादा छात्रवृत्ति

- कक्षा 9 और 10 के छात्रों को 150 की जगह 450 रुपए प्रति माह मिलेंगे, जबकि कक्षा 11 और 12 के छात्रों को 230 रुपये की जगह 500 रुपये प्रति माह मिलेंगे.

शुभम संदेश। रांची

झारखंड सरकार ने सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए छात्रवृत्ति में बड़ी वृद्धि को मंजूरी दी है. मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना के तहत, कक्षा 9 और 10 के छात्रों को 150 की जगह 450 रुपए प्रति माह मिलेंगे, जबकि कक्षा 11 और 12 के छात्रों को 230 रुपये की जगह 500 रुपये प्रति माह मिलेंगे. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जो स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के भी प्रभारी हैं, ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है. इस संशोधन से राज्य के लगभग 58,000 छात्रों को मदद मिलेगी. आधिकारिक अनुमान के अनुसार, इस अतिरिक्त आवंटन से राज्य के खजाने पर 27 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा.

इस वृद्धि की आवश्यकता क्यों पड़ी : राज्य सरकार ने बताया कि यद्यपि केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त पहलों से स्कूलों के बुनियादी ढांचे और नामांकन स्तर में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, फिर भी स्कूल छोड़ने की दर एक बड़ी चिंता का विषय है. बीच में ही पढ़ाई छोड़ने वाले ज़्यादातर छात्र सामाजिक-आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग से आते हैं. छात्रवृत्ति में वृद्धि इन छात्रों को आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित करेगी. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के छात्रों को पारंपरिक रूप से कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति दी जाती रही है, जिसके तहत विभिन्न कल्याणकारी और शिक्षा योजनाएं संचालित की जाती हैं. लेकिन शुरुआत में सामान्य श्रेणी के छात्रों को इससे बाहर रखा गया था. इस कमी को पूरा करने के लिए, राज्य ने 2021 में मुख्यमंत्री विशेष छात्रवृत्ति योजना शुरू की, हालांकि शुरुआती धनराशि कम थी. अब इस योजना को चालू वित्तीय वर्ष में अधिक लाभों के साथ पुनः शुरू किया जा रहा है.

छात्रवृत्ति दर कल्याण विभाग से जुड़ी : भविष्य में, इस योजना में छात्रवृत्ति दरें प्री-मैट्रिक और पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति के लिए कल्याण विभाग की अधिसूचनाओं के अनुसार होंगी. विभाग द्वारा भविष्य में किया गया कोई भी संशोधन इस योजना पर भी स्वतः लागू होगा, जिससे श्रेणियों के बीच समानता बनी रहेगी.

भुगतान की व्यवस्था : छात्रवृत्ति राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे छात्रों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी. माध्यमिक शिक्षा निदेशक राज्य के खजाने के माध्यम से धनराशि की निकासी और समय पर भुगतान की व्यवस्था करेंगे. इस कदम से झारखंड सरकार स्कूल छोड़ने की दर को कम करने, समावेशिता सुनिश्चित करने और शिक्षा के क्षेत्र में समाज के सभी वर्गों को समान अवसर प्रदान करने का प्रयास करेगी.

पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने सागवान पेड़ों के काटने पर उठाए सवाल

वन विभाग की निष्क्रियता पर जताई नाराजगी

घाटशिला। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता चंपाई सोरेन ने धालभूमगढ़ प्रखंड के मौदाशोली और हवाई पट्टी क्षेत्र में सागवान पेड़ों की अंधाधुंध कटाई पर चिंता जताई है. उन्होंने कहा कि जंगलों में चल रही यह अवैध गतिविधि वन विभाग की लापरवाही को उजागर करती है. स्थानीय लोगों की शिकायत और सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों के बाद चंपाई सोरेन ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि "धालभूमगढ़ के हरे-भरे जंगल हमारी प्राकृतिक संपत्ति हैं. इनकी बर्बादी प्रशासन की नाकामी का प्रमाण है. पेड़ कटाई पर तत्काल रोक लगनी चाहिए." ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ हफ्तों से हवाई पट्टी के किनारे रात के अंधेरे में बड़े-बड़े सागवान और साल के पेड़ काटे जा रहे हैं. लकड़ी माफिया खुलेआम पेड़ों की ढुलाई कर रहे हैं, लेकिन वन विभाग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं हो रही. कई बार सूचना देने के बावजूद अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचे.मौदाशोली गांव के पास के जंगलों में भी रोजाना पेड़ काटे जा रहे हैं. ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग की निष्क्रियता के कारण जंगल तेजी से उजड़ रहे हैं. पर्यावरण प्रेमियों ने चेतावनी दी है कि अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में धालभूमगढ़ का हराभरा जंगल इतिहास बन जाएगा. चंपाई सोरेन ने जिला प्रशासन और वन विभाग से तुरंत जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने कहा कि "यह केवल पर्यावरण का नहीं, बल्कि स्थानीय लोगों की आजीविका और भविष्य का भी सवाल है."

लोहरदगा में पुलिस प्रशासन ने की छठ घाटों की साफ-सफाई

लोहरदगा । लोकआस्था के महापर्व छठ को लेकर पुलिस ने गुरुवार को शहर के प्रमुख नदियों और घाटों में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया. साथ ही सुरक्षा को लेकर विशेष अभियान भी चलाया गया. स्वच्छता अभियान सिठियों नदी घाट और पुल के आसपास चलाया गया, जिसमें बडी संख्या में पुलिस पदाधिकारी और पुलिसकर्मियों ने नदी घाटो एवं पुल के आस पास जमा कचरे, प्लास्टिक और मलबे को हटाया. ताकि छठ पर्व के इस पावन अवसर पर श्रद्धालुओं को पूजा अर्चना के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो. इस अवसर पर डीसी कुमार ताराचंद ने कहा कि लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर लोहरदगा मे विशेष तैयारियां की जा रही हैं. साफ सफाई और तमाम व्यवस्था की जा रही एसपी सादिक अनवर रिजवी ने आम जनता से अपील किया है कि छठ महापर्व को आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाएं. छठ महापर्व सिर्फ आस्था और सूर्य उपासना का पर्व नहीं, बल्कि यह समाज में एकता, स्वच्छता और अनुशासन का संदेश देने वाला त्योहार है. स्वछता अभियान में एसपी सादिक अनवर रिजवी, एसडीपीओ वेदांत शंकर, समीर तिर्की, श्रद्धा केरकेट्टा सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद थे.

नवविवाहिता का शव कुएं से बरामद, हत्या की आशंका

शुभम संदेश। हजारीबाग

पुलिस ने जिले के ईचाक थाना क्षेत्र के फुरका गांव से गुरुवार को एक नवविवाहिता का शव कुएं से बरामद किया है. मृतका की पहचान सरिता कुमारी के रूप में हुई है, जिसकी शादी 15 महीने पहले हुई थी. स्थानीय लोगों की सूचना पर ईचाक पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हजारीबाग शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा. मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया है. उनका कहना है कि दहेज में मोटरसाइकिल की मांग पूरी न होने पर सरिता को लगातार परेशान किया जा रहा था. परिजनों के अनुसार, छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा होता था और कई बार पंचायत के माध्यम से दोनों परिवारों के बीच समझौता भी कराया गया था, लेकिन उत्पीड़न बंद नहीं हुआ. मायके पक्ष का आरोप है कि बुधवार रात सरिता की हत्या कर शव को कुएं में फेंक दिया गया. सुबह ग्रामीणों ने कुएं में शव देखा तो पुलिस को सूचना दी. घटना के बाद मृतका के पति पवन यादव सहित पूरा ससुराल का परिवार घर से फरार है.

सरिता के मायके वालों ने ईचाक थाने में पति पवन यादव, सास और ससुर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और हत्या का आरोप लगाते हुए सख्त कार्रवाई की मांग को लेकर आवेदन दिया है. ईचाक थाना प्रभारी राजदीप कुमार ने बताया कि मृतका के परिजनों के आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है. पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है और आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है. पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट से मौत के कारणों का स्पष्ट पता चलेगा, जो जांच की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. ग्रामीणों ने घटना पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है.

गोंद चिपकाकर एटीएम कार्ड फंसाया

ग्राहक को झांसा देकर लूट लिए हजारों रुपये

हजारीबाग । हजारीबाग में एटीएम से जुड़ी ठगी का नया मामला सामने आया है. ठगों ने चालाकी से एटीएम मशीन में गोंद चिपका कर ग्राहक का कार्ड फंसा दिया और उसका पिन नंबर हासिल कर 50 हजार रुपये उड़ा लिए. पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और लोगों से एटीएम उपयोग करते समय सतर्क रहने की अपील की है. जानकारी के अनुसार, यह घटना सदर थाना क्षेत्र के गोला रोड स्थित भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) एटीएम की है. कानी बाजार निवासी शशिकांत सिन्हा धनतेरस के दिन पैसे निकालने पहुंचे थे. उन्होंने पहले 3,000 रुपये निकाले, लेकिन इसके बाद उनका कार्ड मशीन में फंस गया. कार्ड नहीं निकलने पर उन्होंने एटीएम के भीतर लिखे कस्टमर केयर नंबर पर कॉल किया. कॉल रिसीव करने वाले व्यक्ति ने खुद को बैंक कर्मी बताया और शशिकांत से मशीन से थोड़ा दूर खड़े होकर पिन डालने को कहा. इसी दौरान एटीएम के बाहर खड़ा एक संदिग्ध व्यक्ति उनका पिन नंबर देख रहा था. कुछ देर बाद कॉल करने वाले ने उन्हें शाखा जाने की सलाह दी, लेकिन ठगों ने मौके का फायदा उठा कर मशीन से कार्ड निकाल लिया और उसका दुरुपयोग करते हुए 10 हजार रुपये नकद तथा 40 हजार रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर लिए.

दुबई में बैठे अपराधी प्रिंस खान की जमशेदपुर में बढ़ी सक्रियता

रंगदारी के लिए सुजीत सिन्हा गिरोह से मिला लिया है हाथ

शुभम संदेश। रांची/जमशेदपुर

दुबई में बैठकर अपना आपराधिक गिरोह चलाने वाले धनबाद के गैंगस्टर प्रिंस खान की सक्रियता अब जमशेदपुर में भी बढ़ती जा रही है, जिसने पूरे क्षेत्र के कारोबारियों में दहशत फैला दी है. हाल ही में, प्रिंस खान के नाम पर जमशेदपुर के सीतारामडेरा स्थित भुइयांडीह निवासी कारोबारी हरेराम सिंह के घर के बाहर हवाई फायरिंग की घटना को अंजाम दिया गया. इस वारदात के पीछे गोलमुरी निवासी दशरथ शुक्ला का हाथ होने का आरोप है.

दशरथ शुक्ला पर आरोप है कि वह रांची, जमशेदपुर और धनबाद के कारोबारियों से कुख्यात अपराधी लॉरेंस बिश्नोई और प्रिंस खान के नाम पर रंगदारी (लेवी) की मांग कर रहा है. उस पर जमशेदपुर में राहुल झाबड़ा पर फायरिंग करने का भी आरोप है.

लेवी वसूली के लिए प्रिंस खान व सुजीत सिन्हा गिरोह ने मिलाया हाथ : संगठित अपराध पर रांची पुलिस की गहन जांच में एक चौंकाने वाला खुलासा हुआ है. एसएसपी राकेश रंजन के निर्देश पर गठित पुलिस टीम की जांच में सामने आया है कि रांची में कारोबारियों को धमकाने और उनसे लेवी वसूलने के लिए अपराधी प्रिंस खान और सुजीत सिन्हा के गिरोह ने आपस में गठबंधन कर लिया है.

पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए लाए जा रहे हथियार : रांची पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए अपराधियों ने पूछताछ के दौरान एक और सनसनीखेज खुलासा किया है. उन्होंने बताया है कि अपराध में इस्तेमाल होने वाले हथियार और गोलियां पाकिस्तान से ड्रोन के जरिये मोगा (पंजाब) के रास्ते भारत लाए जा रहे हैं. इन हथियारों का इस्तेमाल रांची समेत देश के विभिन्न हिस्सों में बड़े कारोबारियों, पूंजीपतियों और व्यवसायियों के बीच डर फैलाकर उनसे रंगदारी वसूलने के लिए किया जा रहा है.

हादसा: दीपूगढ़ा क्षेत्र में देर रात एक ही इमारत में लगी भीषण आग, लाखों की संपत्ति जलकर राख

कपड़ा दुकान और रेस्टोरेंट में लगी आग, मचा हड़कंप

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिले के दीपूगढ़ा क्षेत्र में बुधवार देर रात भीषण आग लगने से एक ही इमारत में स्थित दो दुकानें पूरी तरह जलकर खाक हो गईं. आग की लपटों में कपड़े की दुकान और पार्क व्यू रेस्टोरेंट एंड बैंक्वेट हॉल पूरी तरह से जल गई. घटना में लाखों रुपये की संपत्ति जलकर राख हो गई. जानकारी के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में दोनों दुकानें इसकी चपेट में आ गईं. आग की लपटें पास की मेडिकल शॉप तक भी पहुंचीं, लेकिन स्थानीय लोगों की सतर्कता और दमकल विभाग की तत्परता से वहां बड़ा नुकसान टल गया.

आधिकारिक तौर पर आग लगने का कारण अभी तक स्पष्ट नहीं हुआ है. प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट को संभावित कारण

बताया जा रहा है. रेस्टोरेंट संचालक विकास यादव और कपड़ा दुकान मालिक अजीत कुमार मेहता के अनुसार, इस अग्निकांड में उन्हें करीब 80 से 90 लाख रुपये का नुकसान हुआ है. घटना के समय रेस्टोरेंट मालिक विकास यादव इमारत के निचले हिस्से में सो रहे थे. उन्होंने धुआं देखकर बाहर निकलने पर देखा कि पूरी दुकान आग की चपेट में है. उन्होंने शोर मचाकर आसपास के लोगों को आग के प्रति सतर्क किया. इसके बाद हजारीबाग फायर ब्रिगेड टीम को सूचना दी गई. सूचना मिलते ही मौके पर टीम पहुंची. दमकलकर्मियों ने तीन से चार घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया. दमकलकर्मियों ने रेस्टोरेंट में रखे गैस सिलेंडरों को समय रहते बाहर निकालकर बड़ी दुर्घटना होने से बचा लिया. घटना के बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया था. जिसे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर नियंत्रित किया. थाना प्रभारी ने बताया कि आग को बुझा लिया गया है. मामले की जांच की जा रही है। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है.

दुमका हवाई अड्डा के सोलर प्लांट में लगी आग

दुमका । एयरपोर्ट के सोलर प्लांट में गुरुवार की सुबह 9 बजे शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लग गई. आग से करीब दो से तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है. सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और किसी तरह से आग पर काबू पाया. बताया जाता है कि हवाई अड्डा परिसर में रोशनी के लिए सोलर प्लांट लगाया गया है. सुबह नौ बजे के करीब अचानक प्लांट के मुख्य केबिन में आग लग गई. आग धीरे-धीरे बढ़ते हुए सोलर पैनल तक पहुंच गई. तेज लपट निकलते देख एयरपोर्ट के अधिकारियों ने नगर थाना पुलिस और दमकल को सूचित किया. सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची और एक घंटे की कड़ी

मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. एयरपोर्ट के कर्मियों का कहना है कि अगर आग को समय पर काबू नहीं किया जाता तो एयरपोर्ट के हैंगर में खड़े छह प्रशिक्षण विमान में आग लग सकती थी, हालांकि आग लगते ही कर्मचारियों ने सभी प्लेन को सुरक्षित बाहर निकाल दिया था. आग कैसे लगी है या फिर किसी अन्य कारण से यह बताने के लिए एयरपोर्ट का कोई भी अधिकारी तैयार नहीं है.

जामताड़ा में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

एनजीओ की आड़ में धंधा चला रहा युवक गिरफ्तार

शुभम संदेश। जामताड़ा

जामताड़ा शहर के पास एक एनजीओ के नाम पर चल रहे एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ, जिसका खुलासा स्थानीय ग्रामीणों ने किया. बताया जा रहा है कि यह रैकेट जामताड़ा निवासी जयकिशन साहू नामक एक युवक गोपालपुर गांव में सड़क किनारे एक किराए के मकान से चला रहा था. स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में घर के अंदर और बाहर कई पुरुषों और महिलाओं की लगातार आवाजाही देखकर ग्रामीणों को शक हुआ. शक के आधार पर, ग्रामीणों की एक उग्र भीड़ ने घर को घेर लिया और आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया. लेकिन पुलिस की आगे की कार्रवाई से पहले ही वहां मौजूद कई महिलाएं भागने में सफल रहीं. घटना के बाद, घटनास्थल के पास भारी भीड़ जमा हो गई और दोपहर भर इलाके में तनाव का माहौल रहा. स्थानीय मुखिया सरोज हेम्ब्रम और जामताड़ा टाउन थाने के पुलिसकर्मी, जिनमें प्रभारी संतोष कुमार सिंह भी शामिल थे, स्थिति को नियंत्रण में लाने और ग्रामीणों को शांत करने के लिए मौके पर पहुंचे. तलाशी अभियान के दौरान, पुलिस ने घर से कई आपत्तिजनक वस्तुएं ज़ब्त कीं. मुखिया की मौजूदगी में आरोपी को पुलिस हिरासत में सौंप दिया गया. प्रभारी संतोष कुमार ने पुष्टि की कि प्रारंभिक जांच और ज़ब्त सामग्री के बाद, आरोपी के खिलाफ औपचारिक रूप से प्राथमिकी दर्ज की जा रही है.

डोरंडा बाजार काली पूजा समिति के महाभोग भंडारे में हजारों भक्तों ने ग्रहण किया प्रसाद

पूजा समिति के सदस्यों से स्वेटर व उपहार पाकर खिल उठे निराश्रित बच्चों के चेहरे

शुभम संदेश। रांची

श्री डोरंडा बाजार काली पूजा समिति द्वारा आयोजित मां काली के भव्य पूजनोत्सव के अवसर पर गुरुवार को पूजा पंडाल में सामाजिक सहयोग और धार्मिक आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला. समिति की ओर से आदिम जाति सेवा मंडल द्वारा संचालित निराश्रित आश्रम के बच्चों को गर्म कपड़ों का वितरण किया गया. समिति के सदस्य सरदार कुलवंत सिंह और अरुण सिंह के साथ डोरंडा थाना प्रभारी दीपिका प्रसाद,सरिता वर्मा ने बच्चों को स्वेटर और उपहार प्रदान किए, जिससे बच्चों के चेहरे खिल उठे.कार्यक्रम के दूसरे चरण में समिति द्वारा विशाल महाभोग भंडारे का आयोजन किया गया. इस अवसर पर विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों सहित हजारों की संख्या में माता भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया. पूरे परिसर में "जय मां काली" के जयकारों से वातावरण गूंज उठा.

इससे पूर्व सुबह नौ बजे से मां काली की नित्य पूजा विधिवत रूप से आरंभ हुई. श्रद्धालुओं ने मंत्रोच्चारण के साथ आरती, पूजा-अर्चना और पुष्पांजलि अर्पित की. दोपहर में माता को खिचड़ी, सब्जी, चटनी और विभिन्न प्रकार के भाजा का भोग समर्पित किया गया. पूजा पंडाल में दिनभर भक्तों की भीड़ उमड़ती रही, जहां श्रद्धालुओं ने मां भवानी के भव्य दर्शन किए और सजे-धजे पंडाल की सुंदरता का आनंद उठाया.साथ ही, समिति द्वारा आयोजित आनंद मेला भी भक्तों के लिए आकर्षण का केंद्र बना रहा. बच्चे और महिलाएं झूले, फूड स्टॉल और विभिन्न सांस्कृतिक गतिविधियों का आनंद लेते नजर आए.

पूजनोत्सव के सफल आयोजन में समिति के अध्यक्ष राजू चौरसिया, सचिव जयदेव घोष, मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा, तथा अन्य सदस्यों—प्रदीप कुमार मुन्ना, प्रदीप पांडेय, निर्मल गुप्ता, प्रकाश वर्मा, प्रकाश मामा, विवेक सहाय, त्रिपुरारी सिंह, विजय सिन्हा, महादेव घोष, सुनील सिन्हा, अशोक पासवान, श्यामल घोष, शंकर गुप्ता, अजय ठाकुर, राहुल चौरसिया, चंदन सिंह, अभिषेक घोष, रोहन चौरसिया, सम्मी गुप्ता, कुंदन प्रसाद, सुभाष व अन्य सदस्यों का विशेष योगदान रहा.समिति के मीडिया प्रभारी मनोज वर्मा ने बताया कि पूजा समिति का उद्देश्य केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि समाजसेवा और सामुदायिक एकता को भी प्रोत्साहित करना है.

राजधानी रांची के फुटबॉल स्टेडियम में आज से एथलेटिक्स का महाकुंभ

सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 6 देशों के 300 एथलीट लेंगे हिस्सा

शुभम संदेश। रांची

मोरहाबादी फुटबॉल स्टेडियम में कल से शुरू होने जा रही चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में दक्षिण एशिया के छह देशों के शीर्ष एथलीटों की भागीदारी होगी. भारत, बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मालदीव और श्रीलंका के कुल 300 एथलीट व ऑफिशियल इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेंगे. इस बार भारत की टीम में 70 से अधिक एथलीट 37 विभिन्न एथलेटिक्स स्पर्धाओं में पदक जीतने के लिए उतरेंगे. यह प्रतियोगिता खेल के माध्यम से क्षेत्रीय एकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है, जिसमें एशिया के युवा एथलीट अपने दमखम का प्रदर्शन करेंगे.

खेल और सौहार्द का संदेश: चैंपियनशिप का आयोजन दक्षिण एशियाई देशों के बीच खेल के जरिए दोस्ती, सौहार्द और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए किया जा रहा है. प्रतियोगिता में भाग लेने वाले एथलीट अपने-अपने देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए उच्च स्तर की प्रतिस्पर्धा करेंगे और उम्मीद की जा रही है कि यह आयोजन खेल के साथ-साथ क्षेत्रीय भाईचारे को भी मजबूत करेगा.

विजेताओं पर रहेगी नजर : कुल 37 स्पर्धाओं में देश-विदेश के एथलीट प्रतिस्पर्धा करेंगे जिनमें दौड़, कूद, थ्रो, और रिले जैसी विविध एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं शामिल हैं. भारत की टीम इस बार काफी मजबूत मानी जा रही है, जो पदक तालिका में शीर्ष पर रहने की पूरी कोशिश करेगी. एथलीटों के प्रदर्शन पर देश के कोच और खेल अधिकारी भी नजर बनाए रखेंगे.

झारखंड के खेलकूद एवं युवा कार्य विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार ने आयोजन को लेकर खुशी जताते हुए कहा, "करीब एक दशक के बाद झारखंड को किसी बड़े खेल के आयोजन की मेजबानी का मौका मिला है.इस चौथे सैफ सीनियर चैंपियनशिप में झारखंड को ख्याति मिले, भारतवर्ष को ख्याति मिले. ये दौरा यहां आने वाली विदेशी टीमों लिए यादगार हो. हमने इसी क्रम में प्रयास किया है, ताकि बेहतर आयोजन हो सके. उन्होंने कहा किमुझे बहुत खुशी है कि खेलों के लिहाज से इस महाकुंभ में हमारे देश के पांच मशहूर खिलाड़ी यहां मौजूद हैं, जो निश्चित रूप से हमारे खिलाड़ियों को मोटिवेट करने का काम करेंगे.परमजीत सिंह, समरदीप, साक्षी, आनंद और अभिषेक राष्ट्रीय स्तर के एथलीट हैं, जिन्होंने देश का नाम रोशन किया है. इस प्रतियोगिता में कुल 205 एथलीट भाग ले रहे हैं. अधिकारियों को मिलाकर 291 सदस्यों का दल इसमें हिस्सा ले रहा है.

कुल 37 इवेंट में पदकों के लिए जोर आजमाइश होगी. उम्मीद की जा रही है कि इससे खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और उनके प्रदर्शन में निखार आएगा. इस चैंपियनशिप में मिला अनुभव खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट्स में बेहतर प्रदर्शन की नींव रखेगा.

तैयारी पूरी, मुफ्त प्रवेश से बढ़ेगा उत्साह

प्रतियोगिता के आयोजन की सभी तैयारियां अंतिम चरण में हैं. मोरहाबादी स्टेडियम में दर्शकों के लिए पूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. आयोजन स्थल पर दर्शकों का प्रवेश पूरी तरह से फ्री रखा गया है, ताकि अधिक से अधिक लोग इस शानदार खेल महोत्सव का आनंद ले सकें.

सीएम हेमंत सोरेन आज शाम करेंगे उद्घाटन

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इस समारोह के मुख्य अतिथि होंगे. वे शुक्रवार शाम 6 बजे उद्घाटन करेंगे. उद्घाटन और समापन समारोह का रंगारंग कार्यक्रम तैयार है, जिसमें झारखंड की सांस्कृतिक विरासत की झलक देखने को मिलेगी. इस कार्यक्रम में करीब 500 कलाकार हिस्सा लेंगे, जो लोक नृत्य, संगीत और पारंपरिक कला के माध्यम से राज्य की संस्कृति का परिचय देंगे.

16 आईपीएस अधिकारियों की जल्द होगी पदोन्नति कई को मिलेंगे अहम पद

- मनोज कौशिक बनेंगे एडीजी, कई अधिकारियों की आईजी-डीआईजी रैंक में होगी प्रोन्नति

रांची। झारखंड पुलिस सेवा में जल्द ही व्यापक फेरबदल होने जा रहा है. पुलिस मुख्यालय ने राज्य सरकार को 16 आईपीएस अधिकारियों की पदोन्नति से जुड़ा प्रस्ताव भेज दिया है. मंजूरी मिलते ही इसकी औपचारिक अधिसूचना जारी कर दी जाएगी. इस प्रमोशन सूची में एडीजी, आईजी, डीआईजी और एसपी से सेलेक्शन ग्रेड तक के अधिकारी शामिल हैं. मनोज कौशिक (2001 बैच) वर्तमान में रांची जोनल आईजी और सीआईडी आईजी के रूप में कार्यरत हैं. इन्हें एडीजी रैंक में पदोन्नत करने की तैयारी है. 2008 बैच के तीन अधिकारियों को डीआईजी से आईजी रैंक में पदोन्नति दी जाएगी. इनमें से अनीश गुप्ता वर्तमान में सीबीआई में डीआईजी के रूप में केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर कार्यरत, एम. तमिलवानन नेशनल पुलिस अकादमी, हैदराबाद में तैनात, वहीं अजय लिंडा डीआईजी, होमगार्ड एवं फायर सर्विस में हैं.

2010 और 2012 बैच के कुल छह अधिकारियों को डीआईजी रैंक में पदोन्नति दी जाएगी. इनमें कुसुम पुनिया (2010 बैच), किशोर कौशल, अखिलेश वी. वरियर, अंजनी कुमार झा, मोहम्मद अर्शी और आनंद प्रकाश (2012 बैच) शामिल हैं. 2013 बैच के छह एसपी रैंक अधिकारियों को सेलेक्शन ग्रेड में पदोन्नति दी जाएगी. हरदीप पी. जनार्दन, निधि द्विवेदी, अंशुमान कुमार, प्रशांत आनंद, हरिलाल चौहान और एक अन्य अधिकारी शामिल हैं. इन पदोन्नतियों के बाद झारखंड पुलिस में कई प्रमुख पदों पर नई तैनातियां देखने को मिल सकती हैं, जिससे प्रशासनिक ढांचे में बड़ा बदलाव आने की संभावना है.

एक नजर

राजभाषा माह महोत्सव में सरला बिरला पब्लिक स्कूल ने परचम लहराया

रांची। सीसीएल द्वारा आयोजित राजभाषा माह-2025 के अंतर्गत हिंदी महोत्सव में सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए परचम लहराया. गांधीनगर स्थित सीसीएल परिसर में आयोजित इस प्रतियोगिता में कविता वाचन, एकल अभिनय, प्रश्नोत्तरी सहित कई भाषाई गतिविधियां आयोजित की गईं, जिनमें रांची के 20 विद्यालयों ने भाग लिया. इसका उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार के साथ विद्यार्थियों की सृजनात्मकता और भाषाई कौशल को बढ़ावा देना था.सरला बिरला पब्लिक स्कूल के कक्षा दसवीं के प्रिंस व्यास ने अपने प्रभावशाली एकल अभिनय से प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि कक्षा नवीं की सचिता त्रिपाठी ने प्रसिद्ध कविता 'राम की शक्ति पूजा' का भावपूर्ण वाचन कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया. विजेताओं को ट्रॉफी और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया. प्राचार्या मनीषा शर्मा ने विद्यार्थियों की सफलता पर गर्व जताते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है.

जायंट्स ग्रुप ऑफ़ रांची का दीपावली मिलन

रांची । जायंट्स ग्रुप ऑफ़ रांची की ओर से दीपावली मिलन समारोहका आयोजन शहर केहोटल ग्रीन पार्कमें किया गया. कार्यक्रम में ग्रुप के सभी सदस्यों ने अपनीजीवनसंगिनी और बच्चोंके साथ भाग लेकर उत्सव का आनंद लिया. दीपावली की रंगीन रोशनी औरआतिशबाजीने माहौल को और भी खुशनुमा बना दिया.सदस्यों नेअंताक्षरी, म्यूजिकल चेयर और हौजीजैसे मनोरंजक खेलों में हिस्सा लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद उठाया. आयोजन का संचालनग्रुप के अध्यक्ष मितुल कुमार, सचिव प्रमोद रंजन और जितेंद्र साहाने संयुक्त रूप से किया.इस अवसर परश्री वी.के. कपूरने कार्यक्रम को सफल और यादगार बनाने के लिए सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया. कार्यक्रम में अविनाश श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे.

किसानों को नहीं मिल रहा पीएम किसान सम्मान निधि का लाभ

रांची। झारखंड की कांग्रेस सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर ब्यूटी मंडल ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के लंबित मामलों को लेकर राज्य सरकार पर गंभीर नाराजगी जताई है. उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और राज्य कृषि विभाग से इस संबंध में शीघ्र कार्रवाई करने की मांग की है.ब्यूटी मंडल ने बताया कि पाकुड़, देवघर, जामताड़ा और लोहरदगा जिलों के किसानों की पीएम किसान सम्मान निधि योजना की स्टेट अप्रूवल कई महीनों से लंबित है, जिससे किसानों को उनकी आर्थिक मदद समय पर नहीं मिल पा रही है और वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि यह योजना किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण पहल है, लेकिन राज्य स्तर पर स्वीकृति में हो रही देरी के कारण इसका लाभ सही समय पर पात्र किसानों तक नहीं पहुंच पा रहा है.

कायस्थ समाज के लोगों ने की भगवान चित्रगुप्त की पूजा, पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत भी हुए शामिल

रांची। झारखंड राज्य चित्रगुप्त महापरिवार केंद्रीय पूजा समिति के तत्वावधान में भगवान चित्रगुप्त पूजा का आयोजन रांची स्थित बिहार क्लब में हुआ. प्रातः 11 बजे से पंडित सुभाष पाठक ने विधिवत पूजा कराई. पूजा कार्यक्रम में पूर्व केंद्रय मंत्री सुबोधकांत सहाय, संयोजक डॉ. अजीत सहाय, अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, दीपक लाल, संजय सिन्हा गोपू, डॉ. राजेश लाल, निर्मल रंजन, अभिषेक सहाय, राहुल रंजन, आलोक सिन्हा सहित बड़ी संख्या में चित्रांश समाज के लोग उपस्थित रहे. भक्तों ने भगवान चित्रगुप्त की कथा सुनी और अपने अधिष्ठाता के समक्ष आय-व्यय का प्रतिवेदन लिखित रूप में समर्पित किया.पूजन के उपरांत आरती एवं प्रसाद वितरण किया गया. समाज के गणमान्य लोग दिनभर भगवान चित्रगुप्त के दर्शन हेतु आते रहे। इस अवसर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री सह अखिल भारतीय कायस्थ समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबोधकांत सहाय ने भी पूजन स्थल पहुंचकर बाबा के दर्शन व वंदन किया. उन्होंने समाज के लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि "ज्ञान के देवता भगवान चित्रगुप्त की कृपा प्रदेश एवं देशवासियों पर बनी रहे। इंसान के कर्मों का लेखा-जोखा भगवान चित्रगुप्त के पास है और कर्मफल सिद्धांत अटल है. मानवता एवं सत्कर्म का यह पर्व सभी के लिए प्रेरणादायी है."

रांची में छठ पूजा की तैयारियां तेज

100 से ज्यादा कृत्रिम तालाबों का निर्माण

- डोरंडा छप्पन सेट में बनाया जा रहा सबसे बड़ा कृत्रिम तालाब, हजारों श्रद्धालु देंगे अर्घ्य

शुभम संदेश।रांची

महानगर छठ पूजा समिति के तत्वावधान में इस वर्ष छठ पूजा की तैयारियां जोरशोर से की जा रही है. राजधानी रांची सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी पूजा के लिए सभी नदियों, तालाबों और जलाशयों को छठ व्रतियों के अनुकूल तैयार किया जा रहा है. राजधानी और ग्रामीण इलाकों में लगभग 100 से ज्यादा कृत्रिम तालाबों का निर्माण किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुविधाजनक वातावरण में सूर्य उपासना कर सकें. रांची महानगर छठ पूजा समिति द्वारा छप्पन सेट, डोरंडा में पिछले पांच वर्षों से सबसे बड़ा कृत्रिम तालाब तैयार किया जा रहा है, जिसमें सैंकड़ों छठ व्रती और हजारों भक्त शामिल होते हैं. समिति के मुख्य संरक्षक आलोक कुमार दुबे ने कहा कि हमारी कोशिश है कि इस वर्ष भी श्रद्धालुओं को सुरक्षित और व्यवस्थित रूप से छठ पूजा करने का अवसर मिले. कृत्रिम तालाबों का निर्माण इसलिए किया गया है, ताकि सभी लोग संपूर्ण श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ पूजा कर सकें. हम छठ पर्व की पवित्रता और सांस्कृतिक महत्व को बनाए रखने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं. घर की छतों पर भी हजारों की संख्या में छठ का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है.

नगर निगम प्रशासक सुशांत गौरव और उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने छठ घाटों की तैयारियों में अत्यंत महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाई है. उनकी सूझबूझ, समन्वय क्षमता और लगातार निगरानी के कारण घाट पूरी तरह से सुरक्षित, सुव्यवस्थित और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बन पाए हैं. इसकी समाज में प्रशंसा हो रही है और इसे छठ पर्व की सफलता में अहम योगदान माना जा रहा है. समिति द्वारा इस बार भी सुरक्षा और सुविधा व्यवस्थाओं का ध्यान रखा जा रहा है, ताकि श्रद्धालु बिना किसी असुविधा के इस पर्व का आनंद ले सकें.

पाक से ड्रोन के जरिए हथियार मंगा रहे अपराधी सरकार करे उच्चस्तरीय जांच : बाबूलाल मरांडी

शुभम संदेश। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने झारखंड में अपराधियों द्वारा पाकिस्तान से ड्रोन के माध्यम से हथियार और गोलियां मंगाने के मामले पर राज्य सरकार और पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं. उन्होंने कहा कि यह घटना पुलिस और खुफिया एजेंसियों की बड़ी नाकामी को उजागर करती है.मरांडी ने आरोप लगाया कि ये हथियार पंजाब के मोगा जिले से भारत में प्रवेश कर रांची सहित राज्य के विभिन्न हिस्सों में रंगदारी वसूली के लिए उपयोग किए जा रहे हैं. उन्होंने बताया कि व्यवसायी वर्ग भय और आतंक के माहौल में जी रहा है.धनबाद समेत कई जिलों में छोटे व्यापारियों से लेकर बड़े कारोबारियों तक से खुलेआम वसूली की जा रही है.

मरांडी ने कहा कि या तो पुलिस इस गिरोह से अनजान है या फिर कुछ अधिकारी खुद उन्हें संरक्षण दे रहे हैं. उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जिस डीजीपी का मकसद ही वसूली करना हो, उसकी भूमिका संदिग्ध मानी जानी चाहिए. भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से इस पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की.

बाबूलाल मरांडी के बयान पर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर साधा निशाना, कौवा कान ले के भाग गया

हथियार और ड्रग्स की सीमा पार सप्लाई के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार: आलोक कुमार दुबे

शुभम संदेश। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे ने भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी के उस बयान पर पलटवार किया है, जिसमें उन्होंने राज्य में बढ़ती हथियारबाजी और रंगदारी की घटनाओं पर चिंता जताई थी. दूबे ने कहा कि यह केवल बयानबाजी का विषय नहीं है, बल्कि इसका मूल कारण केंद्र सरकार की नीतियों और नियंत्रण तंत्र की विफलता है. दूबे ने तंज कसते हुए कहा- कौवा कान लेके भाग गया, यही कहावत बाबूलाल मरांडी पर चरितार्थ होती है. पाकिस्तान से ड्रोन के ज़रिए हथियारों और गोलियों की सप्लाई हो रही है, जिनका इस्तेमाल व्यापारियों को डराने और रंगदारी वसूलने में किया जा रहा है. अगर सीमा पार से हथियार, आतंकवादी और ड्रग्स भारत में प्रवेश कर रहे हैं, तो इसके लिए केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय पूरी तरह जिम्मेदार है.

उन्होंने कहा कि प्रदेश के व्यापारी वर्ग और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और किसी को भयभीत होने की आवश्यकता नहीं है. भाजपा पर निशाना साधते हुए दूबे ने कहा, "भाजपा को अफवाह फैलाने और जनता को भ्रमित करने में महारथ हासिल है. जहां भाजपा की सरकारें हैं, वहां गुंडाराज कायम है, जिसका असर बिहार के चुनावों में भी देखने को मिलेगा."

दूबे ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि सीमा सुरक्षा और खुफिया तंत्र की विफलता ने अपराधियों को खुली छूट दी है. "अगर पुलिस के उच्च स्तर पर भी उद्देश्य रंगदारी वसूली बन चुका है, तो आम नागरिक कैसे सुरक्षित महसूस करेंगे?"

सामाजिक सेवा से भरपूर 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' का आयोजन

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने बांटी खुशियां

शुभम संदेश। रांची

विद्यार्थियों ने विभिन्न सामाजिक संस्थानों का दौरा कर जरूरतमंदों का किया सहयोग, प्रेम और सम्मान का संदेश फैलाया

सरला बिरला पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने सेवा सप्ताह के तहत 'जॉय ऑफ गिविंग वीक' में बढ़-चढ़कर भाग लिया. इस अभियान के दौरान उन्होंने गुरुनानक होम फॉर चिल्ड्रेन विद डिसेबिलिटी, करुणा अनाथालय, संत माइकल ब्लाइंड स्कूल और अपना घर वृद्धाश्रम का दौरा किया. प्रत्येक केंद्र पर ज़रूरत की वस्तुएं वितरित करते हुए विद्यार्थियों ने वहां के लोगों के साथ समय बिताकर प्रेम, स्नेह और आनंद का माहौल बनाया.

गुरुनानक होम में बच्चों के साथ हंसते-खेलते पल बिताकर उल्लास फैलाया गया. करुणा अनाथालय में आवश्यक वस्तुएं वितरित करने के साथ-साथ बच्चों से संवाद कर करुणा और सहानुभूति का महत्व समझा गया. संत माइकल ब्लाइंड स्कूल में विद्यार्थियों ने दृष्टिबाधित बच्चों के साथ सार्थक समय बिताया और अपने योगदान से वहां के माहौल को सकारात्मक बनाया.

अपना घर वृद्धाश्रम में बुजुर्गों के प्रति सम्मान और प्रेम दिखाते हुए विद्यार्थियों ने प्रार्थनाएं कीं, गीत गाए और दीये बांटे, जिससे आशा और प्रकाश का संदेश फैला. वृद्धों ने उन्हें आशीर्वाद देकर बच्चों के दिलों में कृतज्ञता और सहानुभूति की भावना को और मजबूत किया. विद्यालय की प्राचार्या मनीषा शर्मा ने बताया कि यह पहल विद्यार्थियों में करुणा, कृतज्ञता और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए हर साल आयोजित की जाती है, ताकि वे संवेदनशील और जिम्मेदार नागरिक बन सकें.

रांची नगर निगम ने की बैठक, शहर को अतिक्रमण व गंदगी से मुक्त करने का निर्देश

शुभम संदेश। रांची

रांची नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव ने गुरुवार निगम सभागार में इनफोर्समेंट टीम के साथ समीक्षा बैठक की. बैठक में उन्होंने फील्ड में हो रही दिक्कतों की जानकारी ली और चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा की. बैठक के दौरान प्रशासक ने शहर को साफ-सुथरा और व्यवस्थित बनाने के लिए कई जरूरी निर्देश दिए.

प्रशासक ने कहा कि शहर को जाम और अतिक्रमण से मुक्त बनाने के लिए युद्धस्तर पर अभियान चलाया जाए. मुख्य सड़कों और चौक-चौराहों से अवैध कब्जे तुरंत हटाए जाएं. सुशांत गौरव ने कहा कि सड़क या खुले स्थानों पर कचरा या निर्माण मलबा फेंकने वालों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. सभी दुकानदारों को दो डस्टबिन रखना जरूरी है, ऐसा नहीं करने पर जुर्माना लगेगा. उन्होंने कहा कि तालाबों में कचरा डालने या गंदगी फैलाने वालों पर चालान काटा जाए. अगर जरूरत पड़ी तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए.

नगर निगम के काम में रुकावट डालने वालों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है. प्रशासक ने निर्देश दिया कि छठ पूजा से पहले तालाबों के आसपास रात में गश्त की जाए और असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जाए. किसी भी तरह का अतिक्रमण मिलने पर तुरंत हटाया जाए.

उन्होंने कहा कि यह अभियान छठ पर्व तक लगातार जारी रहेगा और पर्व के बाद साफ-सफाई और यातायात सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. बैठक में उप प्रशासक गौतम प्रसाद साहू, सहायक प्रशासक, इनफोर्समेंट अधिकारी और अन्य निगम कर्मी मौजूद थे.

धूमधाम से मनाया गया भैया दूज, बहनों ने भाइयों की लंबी उम्र की प्रार्थना की

लातेहार । जिले में गुरुवार को भैया दूज का पर्व हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाया गया. बहनों ने भाइयों के माथे पर तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र, सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की. घर-घर पूजा-अर्चना और मिठाइयों का वितरण भी हुआ. सुबह से बाजारों में रौनक नजर आई, जहाँ मिठाइयों, फूलों और पूजा सामग्री की दुकानों पर भीड़ लगी रही. बहनों ने भाइयों को तिलक लगाने के बाद आरती उतारी और उन्हें मिठाई, कपड़े व उपहार भेंट किए. बदले में भाइयों ने भी बहनों को उपहार देकर स्नेह व्यक्त किया. शहर के विभिन्न इलाकों में सामाजिक संस्थाओं द्वारा भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को समर्पित कार्यक्रम आयोजित किए गए. बच्चों में भी पर्व को लेकर उत्साह दिखा. ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ इस पर्व को धूमधाम से मनाया गया. भैया दूज दीपावली के दो दिन बाद मनाया जाने वाला पर्व है, जो भाई-बहन के प्रेम और स्नेह का प्रतीक माना जाता है. लातेहार में इस दिन पूरे उत्साह और उल्लास के साथ पर्व का आनंद लिया गया.

छठ महापर्व आस्था, श्रद्धा और लोक संस्कृति का प्रतीक : आलोक चौरसिया

शुभम संदेश । चैनपुर/पलामू

छठ पूजा महोत्सव के अवसर पर स्थानीय महान क्लब की ओर से चैनपुर बाजार में पूजा सामग्री वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक आलोक कुमार चौरसिया थे. उन्होंने पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह, समाजसेविका मीरा देवी और अन्य अतिथियों के साथ मिलकर पूजन सामग्री वितरण की शुरुआत की. विधायक आलोक चौरसिया ने कहा कि छठ महापर्व केवल एक धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि आस्था, श्रद्धा और हमारी लोक संस्कृति का सजीव प्रतीक है. यह पर्व समाज में एकता, समरसता और भाईचारे का संदेश देता है, जो वर्तमान समय में और भी महत्वपूर्ण हो जाता है. उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा और आपसी सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं, जिससे सामाजिक सामंजस्य बढ़ता है. विधायक ने महान क्लब के अध्यक्ष अमित सोनी और उनकी टीम को इस सराहनीय पहल के लिए हृदय से धन्यवाद और शुभकामनाएं दीं. पूर्व नगर पालिका उपाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने भी महान क्लब के इस प्रयास को सामाजिक समरसता और सेवा भावना का उत्कृष्ट उदाहरण बताया. उन्होंने कहा कि छठ पूजा जैसे लोकपर्व हमारी संस्कृति की आत्मा हैं, जो लोगों को जोड़ने और समाज को एक दिशा देने का कार्य करते हैं. यह कार्यक्रम स्थानीय समाज में छठ महापर्व के महत्व को उजागर करने के साथ-साथ पर्व को मनाने की पारंपरिक शैली को सहेजने में भी सहायक सिद्ध हुआ. आयोजन ने चैनपुर के लोगों में उत्साह और समर्पण की भावना को प्रबल किया, जिससे यह पर्व और भी प्रभावशाली बना.

अरुणा शंकर ने घाटों का किया निरीक्षण, व्रतियों में सूप और साड़ी बांटी

मेदिनीनगर । छठ महापर्व को शांतिपूर्ण और व्यवधान रहित संपन्न कराने के लिए जनप्रतिनिधियों की सक्रियता बढ़ गई है. शहर की प्रथम महापौर अरुणा शंकर ने विभिन्न घाटों का दौरा कर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया. उन्होंने बताया कि उनकी पहल पर चैनपुर सूर्य मंदिर तालाब, बैरवा छठ घाट, बाल समाज छठ घाट, मांधाता छठ घाट एवं चैनपुर पूरब मोहल्ला की सफाई कराई गई है. शाहपुर घाटों की सफाई भी शीघ्र पूरी हो जाएगी. महापौर ने नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी घाट की सफाई बाकी हो तो वे तुरंत सूचना दें, ताकि जेसीबी से सफाई करवाई जा सके. निरीक्षण के दौरान अमानत घाट की सफाई व्यवस्था देखकर उन्होंने लायंस क्लब की प्रशंसा की. साथ ही कोयल रिवर फ्रंट की सफाई भी स्थानीय संगठनों के सहयोग से चल रही है. महापौर ने पंपुकल घाट का भी निरीक्षण किया और बेहतर सफाई की जरूरत जताई. उन्होंने प्रशासन से अनुरोध किया कि नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण कोयल रिवर फ्रंट, अमानत और पंपुकल घाटों पर विशेष गोताखोर तैनात किए जाएं ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके. इस दौरान महापौर ने व्रतियों में सूप और साड़ी भी वितरित की.

महापर्व को लेकर भक्तिमय हुआ शहर व गांव

मेदिनीनगर । धनतेरस, दीपावली और भैया दूज के त्यौहार बीतने के बाद अब श्रद्धालु छठ महापर्व की तैयारियों में जुट गए हैं. मेदिनीनगर मुख्य बाजार और पलामू जिले के विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों के बाजारों में छठ पूजा की सामग्री खरीदने वालों की भीड़ देखी जा रही है. गुरुवार को मेदिनीनगर बाजार में सूप, दौरा, दीया, ढकना और अन्य पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए भक्तिमय माहौल था. इस वर्ष सूप 400 रुपये प्रति जोड़ा, दौरा 200-250 रुपये और बांस के पंखे 50 से 70 रुपये प्रति पीस की दर से बिक रहे हैं. साथ ही, विभिन्न स्वयंसेवी संगठन घाटों को सजाने और संवारने में जुटे हैं ताकि छठ पर्व की भव्यता और बढ़ाई जा सके. जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में छठ महापर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा जा रहा है. चार दिवसीय सूर्योपासना का अनुष्ठान 25 अक्टूबर से शुरू होगा, जिसमें नहाय-खाय, खरना, अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने जैसे धार्मिक अनुष्ठान शामिल हैं. छठ गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय बन चुका है. श्रद्धालु इस पर्व को बड़ी श्रद्धा और उत्साह से मनाने की तैयारी कर रहे हैं.

जनप्रतिनिधियों ने किया छठ घाट का निरीक्षण स्वच्छता और सुरक्षा पर दिया विशेष निर्देश

बरवाडीह (लातेहार) । आस्था और श्रद्धा के महापर्व छठ पूजा की तैयारियां बरवाडीह में तेज गति से चल रही हैं. गुरुवार को भाजपा मंडल महामंत्री मनोज प्रसाद, सांसद प्रतिनिधि दीपक राज, ओमप्रकाश गुप्ता और समाजसेवी ओमप्रकाश मेहता ने स्थानीय छठ घाट का निरीक्षण किया. उन्होंने पूजा समिति के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर तैयारी की समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए. मनोज प्रसाद ने कहा कि छठ पूजा सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि हमारी आस्था और संस्कृति का प्रतीक है. इस दौरान स्वच्छता और श्रद्धा का विशेष ध्यान रखना प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है. घाटों की सफाई और लाइटिंग का बेहतर प्रबंध होना चाहिए ताकि श्रद्धालुओं को आरामदायक वातावरण मिल सके. ओमप्रकाश मेहता ने भी प्रशासन और स्थानीय समिति से समन्वय बनाकर तैयारियों को अंतिम रूप देने की अपील की.

पूजा समिति के अध्यक्ष पंकज गुप्ता और सचिव मयंक विश्वकर्मा ने बताया कि उनकी पूरी टीम दिन-रात मेहनत कर रही है ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा न हो. छठ घाट को आकर्षक, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने में सभी जुटे हैं. इस दौरान पूजा समिति के कार्यकारी अध्यक्ष दीपक राज, रिकी गुप्ता उर्फ हिमांशु, संजू श्रीवास्तव सहित कई पदाधिकारी भी मौजूद थे.

किसानों के अधिकारों की लड़ाई को मिली नई ताकत

पाटन/पलामू । पलामू जिला कृषक मित्र संघ की पाटन प्रखंड इकाई की बैठक में नई कमेटी का गठन किया गया. बैठक की अध्यक्षता मुकेश सिंह ने की जबकि संचालन नॉलेस सिंह ने संभाला. इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संघ के जिलाध्यक्ष रंजन दुबे उपस्थित थे. साथ ही जिला उपाध्यक्ष मुमताज अंसारी, जिला प्रवक्ता तनवीर आलम और जिला महामंत्री आनंद सिंह भी उपस्थित थे. जिलाध्यक्ष रंजन दुबे ने संगठन की महत्ता पर जोर देते हुए कहा कि कृषक मित्र कृषि विभाग की रीढ़ की हड्डी हैं और संगठन सभी के सहयोग से ही सफल होता है. उन्होंने कहा कि किसानों के अधिकारों की रक्षा करना और उन्हें उनका हक दिलाना संघ की प्राथमिकता है. उन्होंने बताया कि पिछले 15 वर्षों से सरकार केवल प्रोत्साहन राशि के नाम पर कृषक मित्रों को तवज्जो नहीं दे रही है, जबकि विभागीय कार्यों को जमीनी स्तर पर कृषक मित्र ही अंजाम देते हैं. इस असंतोष को लेकर संगठन न्यायालय की शरण में जाने की तैयारी कर रहा है ताकि सभी को उचित सम्मान और हक मिल सके. गठित नई कमेटी में सुधांशु सिंह को अध्यक्ष, जय साह को उपाध्यक्ष, अजय कुमार सिंह को सचिव और कमलेश मेहता को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है. वहीं, उपसचिव हरिनारायण शुक्ला, महासचिव बीरबल अंसारी, महामंत्री धनंजय कुमार सिंह और संरक्षक विनोद प्रजापति भी कमेटी के महत्वपूर्ण सदस्य बनाए गए हैं.

विशुनपुर के एक घर से तीन लाख की संपत्ति चोरी

लातेहार । सदर थाना क्षेत्र के विशुनपुर गांव में बुधवार की रात मिथिलेश कुमार पांडेय के घर ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब तीन लाख रुपये मूल्य की चोरी की है. मिथिलेश ने बताया कि वे दूसरे घर में सोने गए थे, सुबह ग्रिल का ताला टूटा देख चोरी की जानकारी हुई. चोरों ने घर के बक्से में रखा सोना, चांदी और बर्तन चोरी कर लिए. पुलिस ने आवेदन मिलने पर मौके पर पहुंचकर जांच की और चोरों की गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिया है. सदर थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं में वृद्धि हुई है. हाल ही में मोंगर गांव में भी तीन लाख की चोरी हुई है.

छठ पूजा समिति बाइपास चौक करेगी फलों का वितरण : लातेहार : बाइपास चौक स्थित सार्वजनिक छठ पूजा समिति की बैठक में राजमोहन प्रसाद को अध्यक्ष, संजय प्रसाद को उपाध्यक्ष और संजय दास को कोषाध्यक्ष unanimously चुना गया. बैठक में इस वर्ष भी छठ व्रतियों के बीच फल और पूजन सामग्री वितरण करने का निर्णय लिया गया. समिति ने सभी से तन-मन-धन से सहयोग की अपील की है. बैठक में अविनाश कुमार, चंदन कुमार, सुनील कुमार गुप्ता, संतोष प्रसाद, निरंजन प्रसाद गुप्ता, पप्पू गुप्ता, राजू शौंडिक, यमुना प्रसाद, शिवरत्न साहू आदि मौजूद थे.

महुआडांड़ में धूमधाम से मना भाई दूज, बहनों ने भाइयों को लगाया तिलक

महुआडांड़ (लातेहार) । महुआडांड़ प्रखंड क्षेत्र में गुरुवार को भाई दूज का पर्व बड़े उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. इस पावन दिन बहनों ने भाइयों को तिलक लगाकर उनकी लंबी उम्र और खुशहाली की कामना की. भाईयों ने भी बहनों को उपहार देकर उनकी सुरक्षा का वचन दिया.

दीपावली के पांच दिवसीय त्योहार के अंतिम दिन इस पर्व को विशेष महत्व दिया जाता है. जिन बहनों के भाई दूर थे, वे स्वयं उनके घर जाकर तिलक किया. कई स्थानों पर विधि-विधान से यमराज की कथा सुनकर व्रत रखा गया और यमुना नदी में स्नान कर दीर्घायु की प्रार्थना की गई. महुआडांड़, हामी, चटकपुर, बोहटा समेत आसपास के ग्रामीण इलाकों में भाई दूज की खुशियाँ परंपरागत रीति से मनाई गईं. पर्व के दौरान परिवारों में भाई-बहन के बीच प्यार और सम्मान की भावना और मजबूत हुई.

एक नजर

युवाओं का धार्मिक कार्यों की ओर बढ़ना समाज के लिए शुभ संकेत: पूर्व प्रत्याशी रुद्र शुक्ला

लेस्लीगंज/पलामू । नीलांबर-पीतांबरपुर प्रखंड के कमलकेडीय गांव में भव्य रामलीला कार्यक्रम का आयोजन किया गया. कार्यक्रम का शुभारंभ पांकी विस क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी रुद्र शुक्ला ने फीता काटकर किया. इससे पूर्व कमलकेडीय पूजा समिति द्वारा उन्हें चुनरी बांधकर सम्मानित भी किया गया. रुद्र शुक्ला ने कहा कि कमलकेडीय उनका पैतृक गांव होने के साथ-साथ जन्मभूमि और कर्मभूमि भी है. इस पावन स्थान पर रामलीला का आयोजन होना गर्व की बात है. उन्होंने कहा कि पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है. रुद्र शुक्ला ने कहा कि हमें रामलीला से प्रेरणा लेकर भगवान श्रीराम के आदर्शों का पालन करना चाहिए. युवाओं द्वारा इस तरह के धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन अत्यंत सराहनीय है और यह समाज में सकारात्मक संदेश फैलाता है. पलामू जिला अधिवक्ता संघ के सहायक कोषाध्यक्ष देव कुमार शुक्ला ने भी रामलीला जैसे आयोजनों की महत्ता पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि ये आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और नैतिक मूल्यों की स्थापना करते हैं तथा युवाओं में संस्कार और परंपराओं के प्रति जागरूकता बढ़ाते हैं. कार्यक्रम में पूजा समिति के अध्यक्ष बाबूराम शुक्ला, रामाशीष शुक्ला, रमाकांत शुक्ला, राजीव शुक्ला, प्रदीप शुक्ला, पिंकू उपाध्याय, गुड्डू शुक्ला सहित अनेक ग्रामीण मौजूद थे.

सतबरवा के फुलवरिया गांव में जंगली हाथियों का कहर, किसानों की कई कियारियां बर्बाद

सतबरवा । सतबरवा प्रखंड के फुलवरिया गांव में गुरुवार रात जंगली हाथियों ने भारी तबाही मचाई. हाथियों के झुंड ने खेतों में घुसकर कई किसानों की मेहनत से उगाई गई धान की फसलें खा-पी कर पूरी तरह बर्बाद कर दीं. पीड़ित किसानों में सीताराम सिंह के दो कियारी, लखन सिंह के एक कियारी, प्रदीप सिंह के पांच कियारी, लालमन सिंह के एक कियारी, जुगेश्वर सिंह के चार कियारी और चलितर सिंह के दो कियारी फसलें नष्ट हो गईं.ग्रामीणों का कहना है कि कई वर्षों बाद अच्छी खेती हुई थी, लेकिन हाथियों ने सब कुछ चौपट कर दिया. इस घटना के बाद गांव में दहशत का माहौल है और लोग रातभर पहरा दे रहे हैं ताकि हाथियों का झुंड पुनः घुस न सके. सामाजिक कार्यकर्ता आशिष कुमार सिन्हा ने प्रशासन एवं वन विभाग से तुरंत सर्वेक्षण कर मुआवजे की मांग की है. उन्होंने कहा कि किसानों की जीविका खतरे में है, इसलिए झारखंड सरकार को तत्काल राहत उपलब्ध करानी चाहिए. स्थानीय लोगों ने वन विभाग से निगरानी तेज करने और प्रभावित किसानों को शीघ्र सहायता देने की भी अपील की है.

बालूमाथ में अज्ञात बाइक की चपेट में आने से बालक गंभीर रूप से घायल, रिम्स रेफर

बालूमाथ (लातेहार) । एक 11 वर्षीय बालक सन्नी कुमार को अज्ञात बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना बालूमाथ के पांकी रोड के पास हुई, जब सन्नी अपने घर के समीप सड़क पार कर रहा था. टक्कर लगने के बाद ग्रामीणों ने तुरंत बच्चे को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. वहां डॉ. अशोक कुमार ने प्राथमिक उपचार किया. बालक की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए उसे रांची स्थित रिम्स अस्पताल रेफर कर दिया गया है. पुलिस ने अभी तक बाइक चालक का पता नहीं लगाया है. स्थानीय लोग और परिवार वाले बालक के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं. घटना की जांच जारी है.

खेलते-खेलते दो चचेरे भाइयों ने कीटनाशक का सेवन किया, गंभीर हालत में रिम्स रेफर

बालूमाथ (लातेहार) । बारियातू थाना क्षेत्र के साल्वे पंचायत अंतर्गत बारिखाप में गुरुवार की सुबह दो चचेरे भाई, अनुप उरांव (6 वर्ष) और निलेश उरांव (5 वर्ष), खेलते हुए कीटनाशक दवा का सेवन कर बैठे. दोनों की हालत अचानक बिगड़ गई. पंचायत मुखिया राजीव भगत को जानकारी मिलने पर उन्होंने तुरंत निजी वाहन से दोनों बच्चों को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया. डॉ अशोक कुमार ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों बच्चों को गंभीर हालत देखते हुए रिम्स रेफर कर दिया. परिजनों के अनुसार, बच्चे अपने दोस्तों के साथ खेल रहे थे, तभी किसी ने घर से लाई गई कीटनाशक दवा उन्हें खिलाई, जिससे दोनों अचेत हो गए. पंचायत मुखिया की तत्परता से समय रहते इलाज संभव हो सका.

मारपीट मामले में पांच गिरफ्तार, जेल भेजा गया

लातेहार । सदर थाना क्षेत्र के पांडेयपुरा गांव में मंगलवार रात दो पक्षों के बीच हुई मारपीट के मामले में कुल पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर गुरुवार को जेल भेज दिया गया. गिरफ्तार आरोपियों में उज्जवल गुप्ता, राहुल प्रसाद, रितेश लोहरा, रितेश यादव (थाना कांड संख्या 187/25) और रंजीत कुमार (कांड संख्या 188/25) शामिल हैं. घटना के दौरान रंजीत कुमार के घर आठ से दस लोग पहुंचे और लाठी-डंडों से मारपीट की, जिससे पिता जीतन प्रसाद समेत कई लोग घायल हुए. थाना प्रभारी रमाकांत गुप्ता ने बताया कि कांड संख्या 187/25 में पांच अन्य नामजद आरोपी फरार हैं. उनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस लगातार छापेमारी अभियान चला रही है. पुलिस ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही सभी फरार अभियुक्तों को गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी.

34 वर्षों से छठ व्रतियों को लागत मूल्य पर दूध उपलब्ध करा रहे हैं रामनाथ अग्रवाल

लातेहार । श्रीराम टेंट हाउस के संचालक एवं आलोक मोहन सेवा स्मृति आश्रम के संस्थापक रामनाथ अग्रवाल पिछले 34 सालों से छठ पूजा पर छठ व्रतियों को लागत मूल्य पर दूध उपलब्ध कराते आ रहे हैं. इस वर्ष 26 अक्टूबर को अमवाटीकर मोड़ स्थित श्रीराम वाटिका परिसर में प्रातः छह बजे से दूध वितरण होगा. आलोक मोहन सेवा स्मृति संस्थान के संयोजक श्याम अग्रवाल ने बताया कि इस बार 3500 लीटर दूध उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है. दूध की बुकिंग मोबाइल नंबर 9431148498 पर की जा सकती है. रामनाथ अग्रवाल द्वारा श्रावण माह में देवघर के खिजुरिया गांव के पास निःशुल्क कावरिया शिविर का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें कावंरियों को चाय, भोजन और मेडिकल सेवा निःशुल्क प्रदान की जाती है. यह सेवा पूरे एक महीने तक जारी रहती है.

चुनाव जिला वॉलीबॉल संघ की आम बैठक सह चुनाव संपन्न, नई कार्यकारिणी का गठन

अध्यक्ष रंजीत पांडेय व सचिव प्रवीण मिश्रा बनाये गये

शुभम संदेश । लातेहार

लातेहार जिला वॉलीबॉल संघ की आम बैठक सह चुनाव सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई. इस दौरान वर्ष 2025 से 2029 तक के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया. सर्वसम्मति से संरक्षक मंडल में राजमणि प्रसाद, प्रेमशंकर भगत, राजेश चंद्र पांडेय, अशोक सिंह जाडेजा, डॉ सीके मिश्रा, डॉ विशाल शर्मा और नरेश प्रसाद गुप्ता को शामिल किया गया है.

नई कार्यकारिणी में चेयरमैन के रूप में जय सिंह, सह-चेयरमैन सुनील कुमार, अध्यक्ष रंजित पांडेय, कार्यकारी अध्यक्ष पंकज तिवारी, उपाध्यक्षों में मनोहर प्रसाद, विवेकचंद्र श्रीवास्तव, अभिषेक कुमार, छोटू और मो कामिल अंसारी को नामित किया गया. सचिव प्रवीण मिश्रा, कोषाध्यक्ष नीरज कुमार, सह सचिव कोमल खरवार तथा संयुक्त सचिवों में सूरज कुमार और रविन्द्र उरांव को चुना गया. इसके अतिरिक्त भरत प्रसाद गुप्ता, कमलेश उरांव, शुभम कुमार साव, आशीष उरांव, सोनू उरांव, आनंद उरांव, शिवम कुमार, मुकेश उरांव और अंकित कुमार गुप्ता भी कार्यकारिणी सदस्य बनाए गए.

बैठक में झारखंड वॉलीबॉल संघ के अवलोकक संजय कुमार ठाकुर और लातेहार जिला ओलंपिक संघ के सचिव डॉ विशाल शर्मा विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे. अध्यक्ष रंजित पांडेय ने कहा कि संघ का उद्देश्य वॉलीबॉल खेल को लातेहार के प्रत्येक विद्यालय और पंचायत स्तर तक पहुंचाना है. इसके लिए खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता होगी. सचिव प्रवीण मिश्रा ने बताया कि शीघ्र ही जिले में जिला स्तरीय वॉलीबॉल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी. इसके तहत सभी वर्गों के लिए जिला प्रतियोगिता, स्कूली प्रतियोगिता और प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन होगा. ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में खेल के प्रचार-प्रसार हेतु विशेष अभियान चलाया जाएगा. संघ खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का भी प्रयास करेगा. यह नई कार्यकारिणी लातेहार जिले में वॉलीबॉल खेल के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और खिलाड़ियों को नए अवसर प्रदान करेगी.

धूमधाम से मना सोहराई जतरा महोत्सव आदिवासी समाज की एकजुटता का प्रतीक

शुभम संदेश । चंदवा

चंदवा के कामता पंचायत स्थित जोब्या (दामोदर) गांव में दिवाली के बाद बुधवार को सोहराई जतरा महोत्सव का भव्य आयोजन हुआ. इस मौके पर जोब्या, अम्बादोहर और हिसरी के खोढ़हा मंडली की टीम सहित आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-नगाड़े की थाप पर नृत्य करते नजर आए. पाहन सुले उरांव, पुजेर बले उरांव, धर्म अगुवा चन्द्रदेव उरांव सहित सरना समिति के सदस्यों ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की. शाम होते ही जतरा स्थल पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हुए और झुमर नृत्य की रंगारंग प्रस्तुतियां दीं.

मुख्य अतिथि पंचायत समिति सदस्य अयुब खान ने कहा कि यह महोत्सव समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है. उन्होंने परंपराओं को संरक्षित करने और सामाजिक प्रेम बढ़ाने पर जोर दिया. ग्राम प्रधान सुले उरांव, मुखिया नरेश भगत समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे. मंच संचालन दिनेश उरांव, कुलेश्वर रवि और राकेश बेक ने किया. जतरा के सफल आयोजन में नृत्य मंडली और सैकड़ों लोगों का सक्रिय योगदान रहा. इस आयोजन ने आदिवासी संस्कृति के संरक्षण और सामाजिक समरसता को मजबूत किया.

व्यवस्था को लेकर एसपी से शिकायत की गई

हजारीबाग। शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बढ़ते अपराध और अव्यवस्थित ट्रैफिक ने मरीजों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं. अस्पताल परिसर में मोटरसाइकिल चोरी, स्नैचिंग और पॉकेटमारी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जिससे मरीज और उनके परिजन असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. इसके अलावा, अव्यवस्थित पार्किंग के कारण ट्रामा सेंटर तक एम्बुलेंस का मार्ग जाम हो जाता है, जिससे मरीजों को इलाज में देरी होती है. सांसद मनीष जायसवाल के मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी ने इस स्थिति को लेकर पुलिस अधीक्षक अंजनी अंजन को ज्ञापन सौंपकर तत्काल सुरक्षा बढ़ाने और ट्रैफिक सुधारने की मांग की. उन्होंने कहा कि अस्पताल में स्थापित पुलिस पिकेट कमजोर है और इसे सशक्त किया जाना चाहिए. एसपी अंजनी अंजन ने आश्वासन दिया कि पुलिस पिकेट को सुदृढ़ किया जाएगा और ट्रैफिक सुधार के लिए जरूरी कदम उठाए जाएंगे. उन्होंने सीसीआर डीएसपी और सैट टीम को उचित कार्रवाई का निर्देश भी दिया है.

सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका धाम, रजरप्पा में कार्तिक पूर्णिमा पर होगी गंगा महाआरती

बनारस की तर्ज पर हो रही है तैयारी: राजीव जायसवाल

शुभम संदेश । रामगढ़

आगामी 05 नवंबर को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर प्रसिद्ध सिद्धपीठ मां छिन्नमस्तिका धाम, रजरप्पा में आयोजित होने वाली गंगा महाआरती को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं. इस आयोजन की तैयारी का जायजा मां छिन्नमस्तिका सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव जयसवाल ने अपने साथियों के साथ गुरुवार को लिया. उन्होंने दामोदर भैरवी संगम तट का निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए और व्यवस्था को अंतिम रूप देने की बात कही.

राजीव जयसवाल ने बताया कि हर वर्ष की तरह इस बार भी समिति के तत्वावधान में गंगा महाआरती अत्यंत भव्य और दिव्य स्वरूप में की जाएगी. इस बार की आरती वाराणसी (बनारस) के गंगा घाटों पर होने वाली आरती की तर्ज पर होगी.

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में देश के नामचीन कलाकारों द्वारा भजन, कीर्तन और झांकी प्रस्तुत की जाएगी. श्रद्धालु गंगा माता की महिमा का गुणगान करते हुए वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे. उन्होंने बताया कि आयोजन स्थल को आकर्षक ढंग से दीपमालाओं, पुष्प सज्जा और रोशनी से सजाया जाएगा. कार्यक्रम के दौरान हजारों श्रद्धालुओं के लिए भोग वितरण और प्रसाद वितरण की विशेष व्यवस्था की जाएगी. उन्होंने कहा कि गंगा महाआरती केवल धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि यह आस्था, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने वाला आयोजन है. इस अवसर पर मां छिन्नमस्तिका सेवा समिति के सदस्य शुद्धता और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देंगे ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो. मां छिन्नमस्तिका सेवा समिति के संरक्षक सह रजरप्पा मंदिर के वरिष्ठ पुजारी छोटू पंडा ने भी इस अवसर पर जिलेवासियों और आस-पास के इलाकों के श्रद्धालुओं से अपील की कि वे इस पवित्र गंगा महाआरती में शामिल होकर पुण्य के भागीदार बनें. उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा का दिन धार्मिक दृष्टि से अत्यंत शुभ माना जाता है. इस दिन गंगा स्नान और आरती में शामिल होना सौभाग्य और मोक्ष का प्रतीक है. कार्यक्रम स्थल पर निरीक्षण के दौरान समिति के कई सदस्य मौजूद रहे, जिनमें अंकित सिंह, बबली सिंह, प्रीतम झा, रवि हाजरा, सूरज वर्मा, दामोदर सिंह, छोटू केवट, महेश महतो, दीपक सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे. सभी ने बताया कि इस वर्ष का आयोजन पिछले वर्षों की तुलना में अधिक भव्य और यादगार होगा. रजरप्पा में होने वाली यह गंगा महाआरती झारखंड की सांस्कृतिक और धार्मिक एकता का प्रतीक मानी जा रही है, जहां हजारों श्रद्धालु एक साथ गंगा माता की आरती में शामिल होकर आस्था, शांति और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे.

रामगढ़ प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिता,25 को होगा फाइनल

रामगढ़ । रजरप्पा प्रोजेक्ट स्थित डीएवी मैदान में चल रही रामगढ़ प्रीमियर क्रिकेट प्रतियोगिता के आठवें दिन गुरुवार को दो सेमीफाइनल मुकाबले खेले गए. पहला मुकाबला सांडी क्रिकेट क्लब और न्यू बिरसा एकेडमी रामगढ़ के बीच था. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सांडी ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 145 रन बनाए. जवाब में न्यू बिरसा की टीम 19वें ओवर में 90 रन पर ऑल आउट हो गई. विजेता टीम के सुमित कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया. दूसरे मुकाबले में भुरकुंडा की टीम ने 156 रन बनाए, जबकि ब्राइट क्रिकेट क्लब 120 रन पर ऑल आउट हुआ. इस मैच के मैन ऑफ द मैच सौरभ कुमार रहे. मुख्य अतिथि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने कहा कि खेल बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाता है, जो जीवन में आगे मददगार होता है. आईपीएल के पूर्व खिलाड़ी मौनु सिंह, रामगढ़ पार्षद धनेश्वर महतो समेत कई गणमान्य लोग भी मौजूद थे. आयोजन समिति के संरक्षक पीयूष चौधरी ने बताया कि फाइनल 25 अक्टूबर को होगा, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी सौरभ तिवारी आकर्षण का केंद्र होंगे. उन्होंने सभी से फाइनल मैच में आने का आग्रह किया.

घाटों की हो रही सफाई, तैयार किया सुरक्षित मार्ग

चंदवारा (कोडरमा)। छठ महापर्व की तैयारियों के तहत मदनगुंडी छठ घाट पर ग्रामीणों ने मिलकर सफाई अभियान चलाया. नदी में पड़ी गंदगी हटाई गई और घाट तक जाने वाले रास्ते को समतल कर सुरक्षित बनाया गया ताकि व्रती आसानी से घाट पर पहुंच सकें. प्रखंड विकास पदाधिकारी ने भी छठ घाटों का निरीक्षण कर गहरे पानी वाले स्थानों पर बैरिकेटिंग करने के निर्देश दिए. सफाई अभियान में महेंद्र पंडित, मनोज यादव, सुदामा रजक, बब्लू पंडित, रिंकू पंडित समेत अन्य ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई. इस पहल से छठ पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा मिलेगी.

शिवसागर तालाब: कोडरमा की ऐतिहासिक धरोहर और छठ पर्व का प्रमुख केंद्र : डोमचांच (कोडरमा)। ब्रिटिश काल में माइका उत्खनन के लिए खुदवाया गया शिवसागर तालाब अब कोडरमा जिले की ऐतिहासिक धरोहर और आस्था का प्रमुख प्रतीक बन चुका है. लगभग 52 एकड़ में फैला यह तालाब छठ महापर्व का मुख्य केंद्र है, जहां हर साल हजारों श्रद्धालु जुटते हैं. इस वर्ष 27 अक्टूबर से 2 नवंबर तक सात दिवसीय भव्य मेला आयोजित किया जा रहा है, जिसमें करीब 15 लाख रुपये खर्च होंगे. धनबाद के मूर्तिकारों ने भगवान भास्कर और अन्य प्रतिमाएं बनाई हैं. मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष किशोर साव समेत अन्य सदस्यों की मेहनत से यह आयोजन सफल होगा. छठ के मुख्य दिन यहां 20 हजार से अधिक श्रद्धालुओं की उपस्थिति रहेगी.

गुरुनानक देव के प्रकाशोत्सव पर निकाली गई भव्य प्रभात फेरी, श्रद्धालुओं ने किया कीर्तन-संगीत

रामगढ़ । सिख धर्म के प्रवर्तक और प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव के प्रकाशोत्सव के मौके पर गुरुवार को भव्य प्रभात फेरी निकाली गई. प्रभात फेरी का नेतृत्व निशान साहिब लेकर सरदार गुरजोत सिंह सैनी ने किया. यह फेरी गुरुद्वारा साहिब से शुरू होकर किला मंदिर, लोहार टोला, चट्टी बाजार, फॉरेस्ट गली होते हुए जयसवाल कॉलोनी स्थित माता महेंद्र कौर अरोड़ा के आवास पर पहुंची, जहां सरदार दलजिंदर सिंह रंजू अरोड़ा के परिवार ने साध संगत का स्वागत किया. गुरुद्वारा प्रबंधक समिति की ओर से माता गुरु शरण कौर कालरा ने माता महेंद्र कौर अरोड़ा को सिरोपा देकर सम्मानित किया. प्रभात फेरी में ₹गुरुनानक की वाडियाई, कल तारण गुरुनानक आया₹ जैसे कीर्तन चल रहे थे, जिनमें श्रद्धालु बढ़-चढ़कर हिस्सा ले रहे थे. फेरी में रामगढ़ गुरुद्वारा के प्रधान परमदीप सिंह कालरा, मीत प्रधान अमरजीत सिंह सैनी, सेक्रेटरी हरदीप सिंह होरा, और अन्य कई वरिष्ठ सदस्य एवं श्रद्धालु उपस्थित थे. भारी संख्या में श्रद्धालु प्रभात फेरी में शामिल होकर गुरु नानक देव की शिक्षाओं का स्मरण किया और समाज में भाईचारे और एकता का संदेश फैलाया. यह आयोजन सिख धर्म की गहरी आस्था और सांस्कृतिक विरासत को जीवित रखने का उदाहरण था.

धूमधाम से हुआ भगवान चित्रगुप्त का पूजन

वैदिक मंत्रों के उच्चारण के साथ श्रद्धालुओं ने की पूजा

शुभम संदेश । रामगढ़

शहर के बीजूलिया रोड स्थित भगवान चित्रगुप्त मंदिर में जिला भर के कायस्थ समाज के सदस्यों ने गुरुवार को विधि-विधान से पूजा-अर्चना की. आचार्य सनोज पांडे और पुरोहित रोहित वर्मा के वैदिक मंत्रों के उच्चारण के बीच भगवान चित्रगुप्त की पूजा संपन्न हुई. पूजा के बाद हवन हुआ और भगवान चित्रगुप्त व जगत जननी जगदंबा की आरती की गई. श्रद्धालुओं में पंचमेवा और अदरक गन्ने से बने प्रसाद का वितरण भी किया गया.

अखिल भारतीय कायस्थ समाज के रामगढ़ जिला अध्यक्ष अरुण कुमार सिन्हा ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त, जो कर्मों का हिसाब रखने वाले हैं, सभी श्रद्धालुओं पर अपनी कृपा बनाए रखें. पूजा समिति के अध्यक्ष दीपक कुमार ने बताया कि भगवान चित्रगुप्त ने अपने भक्तों को असीम कृपा दी है, जैसे गंगा पुत्र भीष्म को अच्छी मृत्यु का वरदान और पापी राजा सुदास को स्वर्ग प्राप्ति. पूजा के बाद हजारों श्रद्धालुओं में प्रसाद का वितरण हुआ. शुक्रवार को मंदिर प्रांगण में बच्चों के लिए चित्रकला और क्विज प्रतियोगिता का आयोजन है. इसके साथ ही भव्य भंडारे का आयोजन भी होगा, जिसमें सभी शामिल होकर प्रसाद ग्रहण कर सकेंगे. साथ ही जगदंबा मंदिर में भी पूजा और आरती की गई, जहां खिचड़ी भोग का वितरण हुआ.इस मौके पर अध्यक्ष दीपक कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष आशुतोष सिन्हा, महामंत्री रोहित वर्मा सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

मण्डई चित्रांश परिवार ने सामूहिक कलम-दावात लिए भगवान चित्रगुप्त महाराज की पूजा की : हजारीबाग । मण्डई कला वार्ड के लाला मुहल्ला में चित्रांश परिवार ने भगवान चित्रगुप्त महाराज की सामूहिक पूजा की. पुजारी राजेश कुमार शर्मा ने विधि-विधान से पूजा संपन्न करवाई. सभी ने भगवान से आय, परिवार की समृद्धि और समाज की मंगलकामना की. पूजा के बाद बच्चों के बीच चित्रांकन, गीत-संगीत, नृत्य और खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं, जिनमें उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को मेडल देकर प्रोत्साहित किया गया. कार्यक्रम में आयुध सिन्हा, राजेश सिन्हा और अन्य का योगदान सराहनीय रहा. महिलाओं ने भाई- दूज व्रत कर भाई की लंबी आयु और सुख-समृद्धि की कामना की. शहर के कई स्थानों जैसे छठ तालाब स्थित चित्रगुप्त मंदिर, राम नगर, कानी बाजार आदि में भी सामूहिक पूजा और भोजन का आयोजन किया गया. इस आयोजन ने धार्मिक और सामाजिक एकता को मजबूत किया.

पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा । चतरा । शेलवार गांव में शहीद चिंतामणी यादव की 22वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई. श्रद्धांजलि सभा में कई राजनीतिक दिग्गज शामिल हुए. बाइक रैली के बाद हजारों लोगों ने शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी. भाकपा (माले) के पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने कहा कि चिंतामणी यादव एक विचारधारा थे.

चौपारण में कायस्थ समाज लोगों ने श्रद्धा और उल्लास के साथ की भगवान चित्रगुप्त की पूजा

चौपारण (हजारीबाग) । गुरुवार को कायस्थ समाज ने भगवान चित्रगुप्त की पूजा-आर्चना बड़े श्रद्धा और भक्ति के साथ की. पूरे प्रखंड क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना रहा. ब्लॉक मोड़, दादपुर समेत कई स्थानों पर भगवान चित्रगुप्त की प्रतिमाएं स्थापित कर भव्य पूजा की गई. कई परिवारों ने घर पर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कर कलम-दवात की पूजा की. भक्तों ने बीते वर्ष के कर्मों का लेखा-जोखा भगवान के समक्ष प्रस्तुत किया और क्षमा, सुख-समृद्धि की कामना की. पूजा स्थल पर भजन-कीर्तन से वातावरण भक्तिमय हो उठा. महिलाओं ने मंगल गीत गाए और युवाओं ने पारंपरिक विधि से पूजा संपन्न की. कार्यक्रम में समाज के प्रबुद्ध जन, महिलाएं और बच्चे बड़ी संख्या में उपस्थित रहे. सभी ने एक-दूसरे को शुभकामनाएँ दीं और समाज में एकता, सदाचार तथा ज्ञान के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया.

भगवान चित्रगुप्त का पूजन, लेखा-जोखा भी प्रस्तुत किया किया

चरही । चित्रांश समाज के लोगों ने यम द्वितीया के अवसर पर अपने आराध्य भगवान चित्रगुप्त की पूजा-आराधना विधिवत की. कई परिवारों ने घरों में भगवान की तस्वीर पर कलम-दवात की पूजा कर पूरे वर्ष के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया और सुख-समृद्धि की कामना की. पूजन से पहले दिवंगत सदस्यों स्व. अयोध्या प्रसाद, स्व. रामलखन प्रसाद, स्व. मनोज सिन्हा और स्व. तेज नितेश की आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की गई. चरही में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से कलम-दवात की पूजा की. नरेश कुमार सिन्हा, रामानन्द प्रसाद, रंजीत प्रसाद, रतन कुमार सिन्हा समेत कई परिवार के सदस्य उपस्थित थे. सभी ने मिलकर भगवान चित्रगुप्त से सद्बुद्धि और समृद्धि की कामना की, जिससे परिवारों में धार्मिक श्रद्धा और सांस्कृतिक एकता बनी रही.

2.7 किलो अफीम के साथ चार तस्कर गिरफ्तार, लुधियाना भेजने की तैयारी थी

हजारीबाग । पेलावल ओपी अंतर्गत छड़वा डैम के पास पुलिस ने रांची से लुधियाना अफीम की खेप भेजने जा रहे चार तस्करों को गिरफ्तार किया है. एसपी अंजनी अंजन को सूचना मिलते ही एडिशनल एसपी अमित कुमार के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई. छापामारी के दौरान एक छह चक्का गाड़ी और तीन मोटरसाइकिल छड़वा काली मंदिर के पास रुकी मिलीं. पुलिस को देख तस्कर भागने लगे, लेकिन दौड़ाकर चारों को पकड़ लिया गया. पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अवैध अफीम कारोबार करते हैं और 2.7 किलो अफीम लुधियाना ले जाने वाले थे. गिरफ्तार आरोपियों में संदीप कुमार (गिद्धौर), जाहिद आलम (गिद्धौर), सहजाद उर्फ सोनू (चतरा), और मंजीत सिंह (लुधियाना) शामिल हैं. पुलिस ने तस्करों के पास से तीन मोटरसाइकिल, एक छह चक्का गाड़ी और चार मोबाइल भी बरामद किए हैं. कटकमसांडी थाना में मामला संख्या 219/25 दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजा गया है. छापामारी टीम में पेलावल पुनि शाहिद रजा, ओपी प्रभारी वेद प्रकाश पाण्डेय सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे.

एक नजर

अवैध बिजली उपयोग पर बिजली विभाग की कार्रवाई, कई उपभोक्ताओं पर प्राथमिकी दर्ज

जयनगर (कोडरमा) । बिजली विभाग की टीम ने गुरुवार को थाना क्षेत्र के कोझियाडीह और डंडाडीह गांवों में अवैध बिजली उपयोग करने वालों के खिलाफ छापेमारी की. कनीय विद्युत अभियंता उज्जवल कुमार तिवारी के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में सहायक अभियंता गजेंद्र टोप्पो और मानव बालकर्मी सौरभ कुमार भी मौजूद थे. छापेमारी में किशोर साव, बीरेंद्र साव, सकलदेव यादव, जागेश्वर यादव, राजेंद्र यादव, जगदीश यादव सहित कई उपभोक्ता अवैध बिजली उपयोग करते पाए गए. सभी पर जुर्माना लगाया गया और जयनगर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई. विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि अवैध बिजली उपयोग करने वालों के खिलाफ भविष्य में भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी ताकि कानून का सख्ती से पालन हो सके और बिजली चोरी पर रोक लगाई जा सके.

अवैध कोयला लदा ट्रक जब्त, एक गिरफ्तार

रामगढ़ । रामगढ़ पुलिस को सूचना मिली कि रामगढ़ से हजारीबाग की ओर जा रहे एक बारह चक्का ट्रक में अवैध कोयला लदा हो सकता है. सूचना पर बीस माइल के पास वाहन जांच अभियान चलाया गया. रामगढ़ की ओर से आ रहा ट्रक रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन चालक भाग गया. पुलिस ने ट्रक में बैठे एक व्यक्ति को पकड़ लिया. तलाशी में ट्रक में लगभग 30 टन अवैध कच्चा कोयला पाया गया. आरोपी ने वैध दस्तावेज नहीं दिखाए. ट्रक और कोयला जब्त कर लिए गए. पकड़ा गया व्यक्ति ट्रक का मालिक राकेश कुमार (42 वर्ष), निवासी रामनगर कॉलोनी, थाना चास, बोकारो बताया गया. आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. साथ ही आरोपी के पास से एक रेडमी कंपनी का एंड्रॉइड मोबाइल फोन भी जब्त किया गया. पुलिस ने कार्रवाई जारी रखते हुए इस मामले की जांच शुरू कर दी है.

गडगी में हाथियों का आतंक, किसानों की फसल बर्बाद

जयनगर (कोडरमा) । गडगी गांव में बुधवार रात दर्जनों हाथियों के झुंड के पहुंचने से इलाके में दहशत फैल गई. हाथियों ने चार किसानों के खेतों में लगी धान की फसल रौंद दी और कई जगहों पर चट कर नुकसान पहुंचाया. लट्टू मियां, तौफीक अंसारी, नसीरन खातून और मुंशी यादव के खेतों की फसल बर्बाद हुई. यह झुंड हजारीबाग के चलकुशा से निकलकर गडगी पहुंचा है. वन विभाग की टीम मौके पर जाकर हाथियों को खदेड़ने में लगी है. छठ महापर्व से पहले हाथियों की इस गतिविधि से ग्रामीण भयभीत हैं और नदी किनारे छठ घाटों की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त कर रहे हैं. ग्रामीणों ने प्रशासन व वन विभाग से त्वरित राहत और सुरक्षा की मांग की है.

झारखंड जन संघर्ष मजदूर यूनियन का ऋत्विक कम्पनी के खिलाफ धरना जारी

केरेडारी । झारखंड जन संघर्ष मजदूर यूनियन चट्टी बरियातू का ऋत्विक कम्पनी के खिलाफ उच्च विद्यालय पगार मैदान में छठा दिन भी धरना जारी है. कम्पनी के टीपर, डोजर, गरेंडर एवं पिसी ऑपरेटर धरने में शामिल हैं. उनका मुख्य मांग है कि कम्पनी उन्हें 8.33 प्रतिशत बोनस दे, तभी वे काम पर लौटेंगे. मजदूरों ने बताया कि 10 अक्टूबर से धरने पर बैठे हैं, लेकिन कम्पनी के कोई पदाधिकारी वार्ता के लिए नहीं आए हैं. धरना का अध्यक्ष ओमप्रकाश महतो और संचालन सुखदेव राणा कर रहे हैं. इस दौरान गणेश महतो, शनि सिंह, मो हासिम, दशरथ महतो, बालेश्वर महतो समेत कई लोग उपस्थित थे. मजदूर अपनी मांग पूरी होने तक धरना जारी रखने का संकल्प लेकर बैठें हैं.

चौपारण प्रशासन की अवैध बालू कारोबार पर बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर जब्त किए गए

चौपारण (हजारीबाग)। चौपारण प्रशासन ने गुरुवार को अवैध बालू खनन पर कड़ी कार्रवाई करते हुए भगहर रोड के कठम्बा मोड़ के पास से दो बालू लदे ट्रैक्टर जब्त किए. अंचलाधिकारी संजय कुमार यादव के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान ट्रैक्टर चालक मौके से भाग गए. बाद में ट्रैक्टरों को थाना पुलिस को सौंपा गया. सीओ यादव ने बताया कि राष्ट्रीय हरित अधिकरण के प्रतिबंध हटने के बाद भी चौपारण क्षेत्र में किसी नदी घाट को वैध रूप से चिन्हित नहीं किया गया है, इसलिए बालू खनन अवैध है. प्रशासन बालू माफियाओं पर कड़ी नजर रखे हुए है और ऐसी कार्रवाई जारी रहेगी. उन्होंने ट्रैक्टर मालिकों और चालकों को चेतावनी दी कि अवैध खनन पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई होगी. ग्रामीणों की शिकायत पर हुई इस कार्रवाई से अवैध कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है. सीओ यादव ने कहा कि क्षेत्र में शांति और व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है और कानून तोड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा.

अरुणाचल प्रदेश से लौटे प्रवासी मजदूर गोविंद महतो का गांव में अंतिम संस्कार, परिवार में मातम

विष्णुगढ़ । विष्णुगढ़ के सिरय पंचायत के कोरियाटांड़ निवासी 22 वर्षीय प्रवासी मजदूर गोविंद महतो का शव अरुणाचल प्रदेश से मंगलवार रात गांव पहुंचा. छह माह पूर्व रोजगार हेतु अरुणाचल प्रदेश गए गोविंद की 19 अक्टूबर को काम के दौरान टॉवर से गिरने से मौत हो गई थी. परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य होने के कारण परिजन और पूरा गांव गमगीन हो गया. झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेकेएलएम) के प्रयास से कंपनी ने 24.5 लाख मुआवजे का आश्वासन दिया, जिसमें 10.15 लाख पिता के खाते में भेजे जा चुके हैं. शव का अंतिम संस्कार गुरुवार को स्थानीय श्मशान घाट पर होगा. इंजीनियर मुकेश कुमार महतो ने कहा कि प्रवासी मजदूरों की सुरक्षा व कल्याण के लिए सरकार को ठोस नीति बनानी चाहिए. प्रखंड अध्यक्ष कौलेश्वर महतो ने भी मुआवजे की प्रक्रिया में सुधार की मांग की. इस अवसर पर जेकेएलएम के कई नेता और ग्रामीण मौजूद रहे.

चेकडैम में डूबा मासूम, घर में मचा कोहराम

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के बहेरा पंचायत अंतर्गत ग्राम बहेरा में गुरुवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा घटित हुआ. गाँव के समीप स्थित एक चेकडैम में नहाने गई 12 वर्षीय बच्ची की डूबने से मौत हो गई. घटना दोपहर करीब 1 बजे की है. मृतका की पहचान राखी कुमारी के रूप में की गई है. जानकारी के अनुसार, बच्ची अपने घर के पास स्थित चेकडैम पर कपड़ा धोने गई थी. कपड़ा धोने के बाद वह नहाने के लिए पानी में उतरी, इसी दौरान उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चली गई. आसपास मौजूद लोगों ने शोर मचाया, लेकिन जब तक मदद पहुँचती, बच्ची डूब चुकी थी. घटना की सूचना मिलते ही चौपारण अंचलाधिकारी संजय यादव और थाना प्रभारी सरोज सिंह चौधरी तत्काल दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुँचे. उन्होंने स्थिति का जायजा लेते हुए चयकला से गोताखोरों की टीम को बुलाया. लगभग डेढ़ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने बच्ची के शव को बाहर निकाला.घटना से पूरे गांव में मातम का माहौल व्याप्त हो गया.

कुएं में डूबने से महिला की मौत, पिता ने ससुराल वालों पर हत्या का लगाया आरोप

हजारीबाग । इचाक थाना क्षेत्र के फुरुका गांव में पवन यादव की पत्नी सरिता देवी (20 वर्ष) की कुएं में डूबने से मृत्यु हो गई. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा. मृतका के पिता अशोक यादव ने थाना में आवेदन देकर ससुराल पक्ष पर हत्या कर शव कुएं में डालने का आरोप लगाया है. उन्होंने ससुर जीबलाल यादव, सास और देवर समेत पांच लोगों को नामजद किया है. पुलिस ने आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. मृतका की शादी एक वर्ष पूर्व पवन यादव से हुई थी. घटना के दिन पति घर पर नहीं था. शव का अंतिम संस्कार फुरुका श्मशान घाट में किया गया. थाना प्रभारी राजदीप कुमार ने बताया कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी. पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी है.

बैंकिंग | वित्तीय समावेशन के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की विशेष पहल

हजारीबाग में संपन्न हुआ सफल वित्तीय समावेशन शिविर

शुभम संदेश । हजारीबाग

हजारीबाग के सिलवार पंचायत में 23 अक्टूबर 2025 को भारतीय रिज़र्व बैंक, राँची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद सिंह की उपस्थिति में वित्तीय समावेशन एवं पुनः केवाईसी शिविर आयोजित किया गया. यह शिविर देशभर में 1 जुलाई से चलाए जा रहे सघन वित्तीय समावेशन अभियान के तहत हुआ, जिसका उद्देश्य जन-जन तक बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ एवं सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का लाभ पहुँचाना है.

शिविर में क्षेत्रीय निदेशक ने बैंक अधिकारियों और बैंकिंग संवाददाताओं (बीसी) से किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए देर शाम तक शिविर चलाने का आह्वान किया. उन्होंने "जन-गण-मन" सूत्रमंत्र के माध्यम से बैंकों को इस अभियान में संकल्पबद्ध समर्पण की प्रेरणा दी. 'जन' का अर्थ जनता, 'गण' बैंकिंग अधिकारी और 'मन' समर्पण है, जो इस अभियान की सफलता की कुंजी है.

शिविर में 3154 से अधिक खातों का पुनः केवाईसी किया गया, 583 खातों में नामांकन और 2657 ग्राहकों ने बीमा योजनाओं में नाम दर्ज कराया. साथ ही प्रधानमंत्री जन धन योजना, सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा और अटल पेंशन योजना के तहत नए खाते खोले गए. बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी डिजिटल लेन-देन, ओम्बड्समैन योजना और अन्य वित्तीय योजनाओं की जानकारी

भी प्रदान करते रहे. शिविर का व्यापक प्रचार किया गया और बैंकिंग संवाददाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया गया. क्षेत्रीय निदेशक ने बैंकिंग संवाददाताओं को अधिक से अधिक ग्राहकों को जोड़ने और पुनः केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने के लिए प्रेरित किया. यह पहल वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने और ग्रामीण क्षेत्रों तक बैंकिंग सुविधाएँ पहुँचाने में अहम साबित हो रही है.

छठ घाटों पर प्रशासन की कड़ी निगरानी

जयनगर (कोडरमा) । छठ महापर्व को लेकर प्रखंड प्रशासन पूरी तरह सक्रिय है. बीडीओ गौतम कुमार और थाना प्रभारी उमानाथ सिंह ने छठ घाटों का निरीक्षण कर सुरक्षा, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था और यातायात प्रबंधन की स्थिति का जायजा लिया. बीडीओ ने छठ व्रतियों की सुविधा और सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया और घाटों पर साफ-सफाई, बैरिकेडिंग एवं प्रकाश व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए. थाना प्रभारी ने पर्व के दौरान अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर भीड़-प्रबंधन और शांति बनाए रखने का आश्वासन दिया. महिलाओं और बुजुर्गों के लिए अलग प्रवेश निकास मार्ग बनाए जाएंगे. प्रशासन ने श्रद्धालुओं से भी घाटों की पवित्रता बनाए रखने, सतर्क रहने और आपात स्थिति में प्रशासन से संपर्क करने का आग्रह किया. बीडीओ ने सभी से छठ पर्व को शांति, स्वच्छता और श्रद्धा के साथ मनाने की अपील की है.

ब्रीफ न्यूज

तालाब में मछली पकड़ने गए युवक की डूबने से मौत

लोहरदगा। पेशरार प्रखंड के पुंदाग गांव में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है, जहां 35 वर्षीय युवक अजित महतो, पिता चरण महतो, की तालाब में डूबने से मौत हो गई. जानकारी के अनुसार, अजित महतो अपने कुछ साथियों के साथ मछली पकड़ने के लिए तालाब गया था. इसी दौरान वह तालाब के गहरे हिस्से में चला गया और डूब गया. उसकी डूबने की घटना देखकर ग्रामीणों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी और उसे बचाया नहीं जा सका.घटना की सूचना मिलते ही पेशरार पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सदर अस्पताल, लोहरदगा भेज दिया. अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद गुरुवार दोपहर शव परिजनों को सौंप दिया गया.

श्रद्धा, भक्ति और प्रेम के साथ मनाया गया भाई दूज का त्योहार

शुभम संदेश। गुमला

शिव दर्शन भवन गुमला में गुरुवार को भाई दूज का पर्व श्रद्धा, भक्ति, प्रेम और आध्यात्मिक विश्वास के साथ मनाया गया. यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें बड़ी संख्या में भाई-बहन उपस्थित थे. ब्रह्माकुमारी बहनों ने सभी भाईयों को ईश्वरीय तिलक लगाकर आत्म-स्मृति का महत्वपूर्ण संदेश दिया. बहनों ने स्पष्ट किया कि यह तिलक मात्र एक परंपरा नहीं है, बल्कि यह आत्मा और परमात्मा के बीच सच्चे और गहरे संबंध का प्रतीक है. कार्यक्रम के दौरान सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री ओमप्रकाश पांडेय ने कहा कि शिव दर्शन भवन का वातावरण अत्यंत शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भरा हुआ है. उन्होंने बताया कि यहाँ लगाया गया तिलक आत्मिक जागृति और ईश्वरीय शक्ति का प्रतीक है, जो व्यक्ति के अंदर नई ऊर्जा और विश्वास का संचार करता है. उन्होंने ब्रह्माकुमारी संस्थान द्वारा समाज में नैतिकता, मूल्य और आध्यात्मिक जागृति को बढ़ावा देने के सराहनीय कार्य की भी प्रशंसा की.

सीनियर चार्टर्ड अकाउंटेंट विनोद बंका ने कहा कि आज के तेजी से बदलते जीवन में लोग अपने आध्यात्मिक पहलुओं से दूर होते जा रहे हैं. इस बीच ब्रह्माकुमारी संस्थान हमें आत्मचिंतन और आत्म-साक्षात्कार की प्रेरणा देता है, जिससे जीवन में स्थिरता और संतुलन बनाए रखा जा सके. सेवा केंद्र की संचालिका राज योगिनी शांति दीदी ने भाई दूज के पर्व के गहरे अर्थ को समझाते हुए कहा कि भाई दूज का सच्चा अर्थ है अपनी आत्मा को परमात्मा से जोड़ना और अपने जीवन को ईश्वरीय गुणों जैसे शांति, शक्ति, सद्भावना से भरना. यह पर्व हमें जीवन में आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में प्रेरित करता है. कार्यक्रम में उपस्थित सभी भाई-बहनों ने एक-दूसरे को ईश्वरीय तिलक लगाकर एक दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान व्यक्त किया. इसके साथ ही ईश्वरीय प्रसाद का वितरण किया गया. अंत में सामूहिक शांति पाठ किया गया, जिसने कार्यक्रम को एक सकारात्मक और आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान की. इस तरह, शिव दर्शन भवन गुमला में भाई दूज का पर्व न केवल पारंपरिक रूप से बल्कि आध्यात्मिक और नैतिक मूल्यों के साथ मनाया गया, जो सभी के लिए एक सुखद और प्रेरणादायक अनुभव साबित हुआ.

एक नजर

सुखदेव भगत को बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया

लोहरदगा। सांसद सुखदेव भगत को बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी का स्टार प्रचारक बनाया गया उक्त जानकारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल ने दिया. सुखदेव भगत ने सांसद के रूप में अपनी प्रतिभा, अपनी मेहनत और अपने परफॉर्मेंस से बहुत ही कम समय में राष्ट्रीय नेता और अच्छे वक्ता के रूप में अपनी पहचान बना ली है इसलिए इससे पहले भी कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सांसद सुखदेव भगत को संगठन सृजन अभियान के तहत गुजरात, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान राज्य का एआईसीसी ऑब्जर्वर बनाया था. साथ ही पांच राज्यों का कांग्रेस संसदीय दल (सीपीसी) के राज्य कमेटी का संयोजक बनाया था जो जिले एवं राज्य कांग्रेसियों के लिए गौरव की बात है. सांसद शीघ्र बिहार विधानसभा चुनाव में तूफानी दौरा कर कांग्रेस पार्टी एवं इंडिया गठबंधन दल के प्रत्याशी को विजय बनाने के लिए प्रचार करेंगे.

इटकी में चित्रगुप्त पूजा और भाई दूज पूरे उत्साह और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

इटकी। गुरुवार को चित्रगुप्त पूजा व भाई दूज हर्षोल्लास के साथ मनाया गया. एकता नगर स्थित मथुरा-मनोरथ लोक में सामूहिक रूप से चित्रगुप्त पूजा का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पंडित चंद्रकांत तिवारी के नेतृत्व में कई कायस्थ परिवारों ने भगवान चित्रगुप्त और कलम-दावात की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की. पूजा के दौरान पूरे वर्ष का लेखा-जोखा भगवान चित्रगुप्त को समर्पित किया गया. पूजा स्थल पर बिनोद सिन्हा, अभिलाष सिन्हा, ओम सिन्हा, हर्षिका सिन्हा, प्रमिला सिन्हा, राकेश सिंह, नूपुर सिन्हा समेत कई परिवार के सदस्य उपस्थित थे. वहीं, भाई दूज के पावन अवसर पर बहनों ने अपने भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करते हुए यम देव को कूटा. इस शुभ दिन को परिवारों ने परंपरा और श्रद्धा के साथ मनाया. चित्रगुप्त पूजा व भाई दूज का यह आयोजन सामूहिक भावना और पारिवारिक प्रेम का प्रतीक रहा. दोनों त्योहारों ने सामाजिक मेलजोल और भाई-बहन के पावन रिश्ते को और मजबूत किया.

महिला के साथ युवक ने किया दुष्कर्म, केस दर्ज

गुमला। थाना क्षेत्र के एक गांव में एक अधेड़ महिला के साथ युवक द्वारा दुष्कर्म किया गया इस संबंध में पीड़ित महिला ने अपने परिजनों के साथ गुमला थाना पहुंची और बुधवार की शाम युवक के खिलाफ लिखित शिकायत की है. मंगलवार के दोपहर वह अपने पड़ोस के ही एक युवक के साथ उसके साइकिल में बैठ कर अपनी बड़ी बेटी के घर जा रहा थी. तभी रास्ते में युवक ने उससे दुष्कर्म किया. बुधवार की शाम महिला ने गुमला थाना शिकायत कर आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है. पुलिस ने मामला दर्ज कर महिला का मेडिकल जांच कराया और आरोपी की गिरफ्तार के लिए पुलिस कार्रवाई कर रही है.

जोराग रोड पर ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत

गुमला। बुधवार अपराह्न लगभग 4 बजे सदर थाना क्षेत्र के जोराग रोड पर एक दर्दनाक हादसा हुआ, जिसमें ट्रैक्टर पलटने से चालक की मौत हो गई. मृतक अभिनव कुजूर (22), बरिसा आनंदपुर निवासी था और वह अपने ट्रैक्टर से जोराग रोड की ओर किसी काम से जा रहा था. अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गड्ढे में पलट गया. पलटते ही स्टेयरिंग उसकी छाती में दब गया, जिससे उसकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर को सीधा कर चालक को बाहर निकाला गया और पुलिस को सूचना दी गई.

पूजा समिति ने छठ व्रतियों के लिए की निशुल्क गेहूं वितरण की व्यवस्था, कहा

इस वर्ष ग्यारह क्विंटल गेहूं वितरण का लक्ष्य रखा गया

शुभम संदेश। गुमला

श्री चैती दुर्गा पूजा समिति की ओर से गुरुवार को लगभग ढाई सौ छठ व्रती परिवारों के बीच पांच-पांच किलो गेंहू का निशुल्क वितरण किया गया. कहा जाता है कि छठ महापर्व हिंदू सनातन का एक ऐसा महापर्व है जहां व्रतियों को सहयोग करने वाले सहयोगियों को भी उतना ही फल मिलता है जितना छठ व्रती को. आस्था और विश्वास के इसी भाव के कारण चैती दुर्गा पूजा समिति द्वारा देवी मंदिर प्रांगण में प्रत्येक वर्ष छठ व्रतियों के बीच गेंहू का वितरण कर लोक आस्था के महापर्व में अपनी सेवा व सहयोग के भाव को प्रदर्शित करता है. अध्यक्ष सुरेश मंत्री और सचिव सरयू प्रसाद साहु ने कहा कि इस वर्ष 11 क्विंटल गेंहू वितरण का लक्ष्य रखा गया है. गेंहू वितरण में निर्मल गोयल, किशोर फोगला, संजीव उर्वशी, रितेश कुमार, राजीव कुमार, विजय सोनी, शंभू नारायण चौरसिया, द्वारिका मिश्रा सुमन, राजेश गुप्ता, दीपू खंडेलवाल आदि उपस्थित थे.

वहीं लोक आस्था का महापर्व छठ को लेकर बाजार में खरीददारी धीरे-धीरे आरंभ हो गई है. गुरुवार को गुमला के मेन रोड में सूप व डलिया की दुकानें लगी थी. दुकानदारों के अनुसार सूप दो सौ से दो सौ बीस रुपये, एक खरिया डलिया पचास से तीन सौ रुपये, डबल खरिया दौरा तीन से साढ़े तीन सौ रुपये बेच रहा था. इसके अलावे बर्तन दुकान में भी पीतल के बर्तनों की सजावट की गई थी. छठ पर्व में पीतल के बर्तन, सूप, परात आदि का उपयोग होता है. इसके अलावे पूजन सामग्री की भी दुकानें सजने लगी है. विशाल क्लब की ओर से छठ व्रतियों को लागत मूल्य में फल प्रदान करने की भी व्यवस्था की गई है.

छठ पर्व को लेकर चारों ओर उत्साह देखा जा रहा है. श्रद्धालु अपने सामर्थ्य के अनुसार छठ घाट का चयन कर रहे हैं तो जिनके पास साधन नहीं है वे अपने नजदीक के छठ घाटों की साफ सफाई की चिंता कर रहे हैं. गुमला शहर में मुख्य रूप से सिसई रोड तालाब, वन तालाब और मुरली बगीचा तालाब छठ घाट हैं, इसके बावजूद लोग अपने नजदीक के तालाब नदी आदि में भी अर्घ्य दान करते हैं. गुमला शहर में एक तालाब करमटोली में हैं जहां साफ सफाई नहीं होती है. इसके बावजूद एक दो परिवार वहां भी छठ घाट बनाते हैं. तालाब की समुचित साफ सफाई हो तो निश्चित रूप से यह तालाब भी बेहतर छठ घाट बन सकता है. पूर्व वार्ड पार्षद राजेंद्र गुप्ता ने तालाब को साफ सफाई करने की मांग की है.

कार्तिक उरांव ने शिक्षा व विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन हैं: चमरा लिंडा

गुमला। घाघरा प्रखंड के बदरी खेल मैदान में गुरुवार को स्व कार्तिक उरांव स्मृति जतरा का आयोजन किया गया. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड सरकार के एसटी एससी ओबीसी कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने कार्तिक उरांव के मूर्ति पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया. गांव-गांव से आए खोड़हा दल पारंपरिक वेशभूषा में गीत व नृत्य प्रस्तुत कर अपने कला क्षमता प्रतिभा का प्रदर्शन कर संस्कृति व परंपरा को अक्षुण्ण रखने का संदेश दिया. मंत्री चमरा लिंडा ने कहा कि कार्तिक उरांव न केवल एक महान नेता थे, बल्कि आदिवासी समाज के उत्थान के लिए जीवनभर संघर्ष करने वाले प्रेरणास्रोत थे. उन्होंने शिक्षा, समाज सुधार और विकास के क्षेत्र में जो कार्य किए, वह आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शन हैं. मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार उनकी सोच और आदर्शों पर चलकर आदिवासी समाज को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है. उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता. उनके नाम से उक्त कार्यक्रम का आयोजन और जतरा लगाया जाना निश्चित तौर पर उनको याद करने का नमन करने और उनके विचारों को बताने का एक बड़ा माध्यम है. इसके पूर्व अतिथियों को पारंपरिक रीति रिवाज के साथ स्वागत करते हुए मंच तक लाया गया. जहां बैच पहनाकर और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया. मौके उपस्थित लोगों में एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव, बीडीओ दिनेश कुमार, सीओ ख़ाखा सुशील कुमार, मानती उरांव, तेम्बू उरांव,लालदेव भगत,संजीव उरांव, विनोद उरांव, कमख्या भगत, कमल कुजूर,मारवाड़ी भगत, प्रदीप उरांव, हीरालाल उरांव, बबलू खान, सुखराम सहित कई लोग उपस्थित थे.

कुर्मी और आदिवासी के बीच चल रहे आंदोलन का यह खेल भाजपा और आरएसएस के इशारे पर चल रहा है: तरुण उरांव

गुमला। ऑल झारखंड आदिवासी छात्र संघ की बैठक गुरुवार को ओ कालेज गुमला के मुख्य छात्रावास में हुई, जिसकी अध्यक्षता छात्रावास प्रमुख तरुण उरांव ने की. बैठक में कुर्मी समाज द्वारा अनुसूचित जनजाति (एसटी) सूची में शामिल किए जाने की मांग के विरोध में 31 अक्टूबर को प्रस्तावित आदिवासी जन आक्रोश चेतावनी रैली को स्थगित करने का निर्णय लिया गया. बैठक में यह भी साफ किया गया कि कुर्मी और आदिवासी के बीच चल रहे आंदोलन का खेल भाजपा और आरएसएस के इशारे पर चल रहा है. तरुण उरांव ने कहा कि झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास कुर्मी और आदिवासी समाज के बीच विभाजन पैदा करने की साजिश रच रहे हैं. उनका कहना था कि रघुवर दास और उनके सहयोगी आदिवासी समाज को भटका कर अपने राजनीतिक फायदे के लिए ऐसे विवाद खड़े कर रहे हैं. आदिवासी छात्र संघ इस तरह की गतिविधियों का पुरजोर विरोध करेगा और समाज के हित में संघर्ष करता रहेगा. बैठक में यह भी कहा गया कि तेली समुदाय लंबे समय से अनुसूचित जनजाति सूची में शामिल होने के लिए आंदोलन कर रहा है, लेकिन आदिवासी छात्र संघ इसे कतई स्वीकार नहीं करेगा. संघ ने साफ किया कि एसटी सूची में बदलाव कर आदिवासी समाज की जगह देना किसी भी स्थिति में सहन नहीं किया जाएगा.

तरुण उरांव ने बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि आदिवासी छात्र संघ पूरी तरह से आदिवासी समाज के हितों के लिए प्रतिबद्ध है. वह किसी भी राजनीतिक दल या संगठन को आदिवासी समाज के बीच दरार डालने की अनुमति नहीं देगा. उन्होंने कुर्मी और तेली समुदाय के आंदोलन को राजनीतिक साजिश करार दिया और इसे रोकने के लिए चेतावनी दी. बैठक में अरुण उरांव, सुरेंद्र उरांव, जोकर खड़िया, मनोज उरांव, चरवा उरांव, अनमोल उरांव, दशरथ उरांव, सूरज उरांव, रोहित उरांव, सुभाष मुंडा, सुखार खड़िया, केशव मुंडा, रोशन किंडो, अमन उराव, महावीर मिंज और अशोक कुमार भगत समेत कई वरिष्ठ आदिवासी छात्र नेताओं ने भाग लिया. सभी ने मिलकर आगामी समय में आदिवासी हितों की रक्षा और समाज में सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया. इस बैठक से साफ हो गया है कि आदिवासी छात्र संघ किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव या राजनीतिक साजिश के आगे नहीं झुकेगा और आदिवासी समाज के हितों की रक्षा के लिए सशक्त संघर्ष जारी रखेगा. 31 अक्टूबर की रैली को स्थगित करने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है ताकि आंदोलन में एकता बनी रहे और समाज में दरार न आए.

हर छठ घाट पर पूरी तरह से व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि किसी प्रकार की कोई अप्रिय घटना न हो: उपायुक्त

शुभम संदेश। लोहरदगा

आगामी छठ महापर्व को लेकर उपायुक्त डॉ. कुमार ताराचंद ने नगर के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को लेकर कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए. उपायुक्त ने कहा कि 27 और 28 अक्टूबर को सूर्यास्त एवं सूर्योदय के अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु घाटों पर पहुंचेंगे, इसलिए सुरक्षा, स्वच्छता और यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की खास आवश्यकता है. इस दौरान उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने विक्टोरिया तालाब, ठकुराइन तालाब, शंख नदी घाट, सिठियो स्थित कोयल नदी घाट और भक्सो घाट का जायजा लिया. उन्होंने कहा कि हर घाट पर व्यवस्थाएं पूरी तरह से सुनिश्चित की जाएं ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो. उन्होंने छठ पूजा समितियों को निर्देश दिया कि वे स्वयंसेवकों (वॉलंटियर्स) की तैनाती करें, जो अर्घ्य देने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर विशेष नजर रखें. साथ ही गहरे पानी में किसी व्रती के उतरने पर सख्त निगरानी रखी जाए. उपायुक्त ने नगर परिषद प्रशासक को निर्देश दिया कि घाटों की साफ-सफाई समय पर की जाए, प्रकाश व्यवस्था को सुनिश्चित किया जाए तथा आवश्यक गोताखोर तैनात किए जाएं. उन्होंने बताया कि घाटों पर बैरिकेडिंग, रोशनी और वैकल्पिक मार्गों की व्यवस्था को भी प्राथमिकता के साथ पूरा किया जाए ताकि भीड़ को नियंत्रण में रखा जा सके और श्रद्धालुओं को घाट तक पहुंचने में कोई समस्या न हो.

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी, अपर समाहर्ता जितेंद्र मुंडा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी श्रद्धा केरकेट्टा, नगर परिषद के प्रशासक मुक्ति किड़ो, छठ पूजा समिति के सदस्य, समाजसेवी तथा स्थानीय नागरिक भी मौजूद थे. सभी अधिकारियों ने मिलकर छठ पर्व के दौरान शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल बनाने के लिए पूरी तैयारी करने का संकल्प लिया. उपायुक्त ने यह भी कहा कि श्रद्धालुओं के लिए प्राथमिक चिकित्सा एवं आपातकालीन सेवाएं भी घाटों पर उपलब्ध होनी चाहिए. इसके लिए मेडिकल टीम एवं एम्बुलेंस की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए. उन्होंने नगर प्रशासन और पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वे यातायात व्यवस्था को प्रभावी बनाएं ताकि श्रद्धालु बिना किसी बाधा के घाटों तक पहुंच सकें. इस प्रकार प्रशासन ने छठ महापर्व को सफल और सुरक्षित बनाने के लिए सभी आवश्यक प्रबंधों को समय रहते पूरा करने का संकल्प लिया है. उपायुक्त डॉ. ताराचंद ने सभी संबंधित अधिकारियों और समाज के लोगों से सहयोग की अपील की है ताकि यह पर्व श्रद्धालुओं के लिए यादगार और सुरक्षित हो सके.

कार्रवाई चैनपुर में गर्भवती महिला से अवैध वसूली मामले में उपायुक्त ने की कड़ी कार्रवाई

एंबुलेंस चालक को किया पदमुक्त, नर्स से स्पष्टीकरण

शुभम संदेश। गुमला

गुमला जिले के चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में गर्भवती महिला से 108 एंबुलेंस कर्मियों द्वारा अवैध राशि वसूलने के मामले में उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने सख्त कदम उठाते हुए एंबुलेंस चालक को तत्काल प्रभाव से पदमुक्त कर दिया है. वहीं, प्रसव के बाद मिठाई के नाम पर पैसे लेने वाली नर्स से स्पष्टीकरण मांगा गया है. जानकारी के अनुसार, दतरा निवासी अनीता कुजूर को प्रसव पीड़ा होने पर उनके परिजनों ने 108 एंबुलेंस को बुलाया था. एंबुलेंस सेवा के माध्यम से उन्हें चैनपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया. इस दौरान, एंबुलेंस चालक और नर्स ने अनीता कुजूर से पांच-पांच सौ रुपये की अवैध वसूली की. मामले की सूचना गुरुवार को स्थानीय अखबारों में प्रकाशित हुई, जिसके बाद उपायुक्त ने तुरंत मामले की जांच कराई. जांच में दोषी पाए गए एंबुलेंस चालक को सेवा से हटा दिया गया, जबकि नर्सों से विस्तृत स्पष्टीकरण लिया जा रहा है.

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा कि जनसेवा केंद्रों पर किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी. उन्होंने सिविल सर्जन को भी निर्देश दिया है कि स्वास्थ्य केंद्रों में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए निगरानी तंत्र को सशक्त बनाया जाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो. साथ ही, इस मामले में एंबुलेंस चालक के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई गई है. इसी के साथ, सिविल सर्जन डॉ. शंभु नाथ चौधरी के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने गुमला के पालकोट रोड स्थित साहू नर्सिंग होम और लोहरदगा रोड स्थित अनीता नर्सिंग होम का निरीक्षण भी किया. इस निरीक्षण में औषधि अभिलेखों और लाइसेंस संबंधी दस्तावेजों में कई विसंगतियां पाई गईं. निरीक्षण दल में डिप्टी सुपरिटेंडेंट डॉ. अनुपम किशोर और कार्यालय कर्मी भी शामिल थे.

सिविल सर्जन डॉ. शंभु नाथ चौधरी ने बताया कि नर्सिंग होम संचालन के लिए आवश्यक लाइसेंस और दवाओं की गुणवत्ता की जांच उपायुक्त के निर्देश पर की गई है. उन्होंने कहा कि इस प्रकार की जांच अन्य औषधि दुकानों पर भी की जाएगी. जांच की रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपी जाएगी, जिसके आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी. इस पूरे मामले से यह स्पष्ट होता है कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही के लिए प्रशासन सतर्क है और किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. उपायुक्त की त्वरित कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि जनता की सेवा में लगे कर्मियों को जिम्मेदारी के साथ अपनी सेवाएं प्रदान करनी होंगी, अन्यथा सख्त कदम उठाए जाएंगे. इस प्रकार की घटनाओं पर प्रशासन की तेज प्रतिक्रिया से उम्मीद जताई जा रही है कि भविष्य में जन स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार होगा और मरीजों के साथ हो रहे अन्याय पर लगाम लगेगी.

छठ महापर्व के लिए बनिया टोली के केसरी नया तालाब पर स्वच्छता अभियान चलाया

इटकी। गुरुवार को छठ महापर्व को लेकर श्री शक्ति संघ के नेतृत्व में बनिया टोली स्थित केसरी नया तालाब के छठ घाट की व्यापक साफ-सफाई की गई. इस अवसर पर संघ के सदस्यों ने तालाब और उसके आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुरक्षित बनाने के लिए विशेष प्रयास किए. संघ के युवाओं ने बताया कि छठ जैसे पवित्र महापर्व पर स्वच्छता बनाए रखना उनकी प्रमुख प्राथमिकता है, इसलिए इस बार तालाब के जल और घाट दोनों की सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया. साफ-सफाई अभियान के तहत न केवल तालाब की सफाई की गई, बल्कि बनिया टोली से तालाब तक पहुंचने वाले मार्ग को भी पूरी तरह से साफ किया गया. यह सुनिश्चित किया गया कि घाट तक पहुंचने वाले सभी रास्ते साफ-सुथरे और बाधा मुक्त हों. शक्ति संघ के सदस्यों ने लोगों से अपील की कि वे तालाब और घाट के आसपास कूड़ा-कचरा न फैलाएं और स्वच्छता बनाए रखने में सहयोग करें. संघ के सदस्यों ने बताया कि छठ घाट तक पहुंच पथ पर लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी ताकि श्रद्धालु शाम के समय भी सुरक्षित और आरामदायक तरीके से घाट पहुंच सकें. इसके अलावा, दूध, आम की लकड़ी और पार्किंग की भी उचित व्यवस्था की जाएगी ताकि महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को कोई परेशानी न हो. इस स्वच्छता अभियान में शक्ति संघ के दर्जनों युवा सदस्य सक्रिय रूप से शामिल हुए और उन्होंने मिलकर घाट को छठ पर्व के लिए पूरी तरह तैयार किया. यह पहल स्थानीय लोगों के बीच भी सराही गई, जिससे यह संदेश गया कि धार्मिक आयोजनों में स्वच्छता और पर्यावरण की रक्षा दोनों जरूरी हैं.

मंथन

नक्सलवाद के अंत की ओर झारखंड के बढ़े कदम

झारखंड में नक्सल उन्मूलन के मोर्चे पर केंद्र और राज्य सरकारों की संयुक्त रणनीति निर्णायक परिणाम देती दिख रही है. राज्य में सक्रिय प्रतिबंधित नक्सली संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी (टीएसपीसी) अब लगभग समाप्ति की ओर है. कभी पलामू, चतरा, लातेहार और गढ़वा की पहाड़ियों में आतंक का पर्याय रहा यह संगठन आज सिर्फ एक नाम मात्र रह गया है. उसका आखिरी बड़ा चेहरा, शशिकांत गंझू, अब कुछ सीमित इलाकों में सक्रिय है- जबकि संगठन के ज्यादातर कमांडर मारे जा चुके हैं, गिरफ्तार हुए हैं या आत्मसमर्पण कर चुके हैं. 14 सितंबर को 5 लाख रुपये के इनामी कमांडर मुखदेव यादव की मुठभेड़ में मौत और इसके कुछ ही दिनों बाद एटीएस द्वारा नगीना की गिरफ्तारी ने टीएसपीसी की रीढ़ तोड़ दी. एक समय 200 से अधिक कैडरों वाला यह संगठन अब गिने-चुने हथियारबंद नक्सलियों तक सिमट गया है. पूर्व नक्सली सुरेंद्र यादव का यह आकलन कि टीएसपीसी पूरी तरह कमजोर हो चुका है, मौजूदा परिस्थितियों में सटीक प्रतीत होता है. यह सफलता सिर्फ सुरक्षा बलों की कार्रवाई का परिणाम नहीं, बल्कि बेहतर खुफिया नेटवर्क, विकास योजनाओं की पहुंच और स्थानीय युवाओं के जागरूक होने का प्रमाण है. जिन इलाकों में कभी नक्सल संगठन का राज था, वहां अब सड़कें, स्कूल और मोबाइल नेटवर्क तेजी से पहुंच रहे हैं. केंद्र सरकार का लक्ष्य 2026 तक देश से नक्सलवाद का पूर्ण अंत करना है. झारखंड में टीएसपीसी के पतन को इस दिशा में एक मील का पत्थर कहा जा सकता है. यह न केवल सुरक्षा दृष्टि से बल्कि सामाजिक स्थिरता और विकास की दृष्टि से भी नई उम्मीदों का संकेत है.

नजरिया

वोटर लिस्ट की शुद्धता, लोकतंत्र की विश्वसनीयता का आधार

चुनाव आयोग द्वारा देशभर में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) प्रक्रिया शुरू करने की दिशा में उठाया गया कदम लोकतंत्र की जड़ों को और मजबूत करने की पहल है. यह केवल एक प्रशासनिक कवायद नहीं, बल्कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने का राष्ट्रीय अभियान है. मतदाता सूची लोकतंत्र की रीढ़ है- यदि इसमें त्रुटि या फर्जी प्रविष्टियां हैं, तो चुनाव की निष्पक्षता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है. चुनाव आयोग का यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि देश के कई सीमावर्ती राज्यों- जैसे असम, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु-में विदेशी घुसपैठ का मुद्दा वर्षों से चिंता का विषय रहा है. एसआईआर प्रक्रिया के तहत नागरिकों के जन्मस्थान, पते और नागरिकता की दोबारा जांच कर वास्तविक मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित की जाएगी. यह न केवल अवैध मतदाताओं को हटाने में सहायक होगा, बल्कि वैध नागरिकों के अधिकारों की रक्षा भी करेगा. यह भी स्वागतयोग्य है कि आयोग इस प्रक्रिया को चरणबद्ध ढंग से लागू करने जा रहा है, जिससे प्रशासनिक संसाधनों पर अनावश्यक दबाव न पड़े. साथ ही, यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि किसी नागरिक के साथ अन्याय न हो और पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे. लोकतंत्र की मजबूती केवल मतदान से नहीं, बल्कि शुद्ध मतदाता सूची से सुनिश्चित होती है. एसआईआर अभियान उसी दिशा में एक निर्णायक कदम है - जो भारत की चुनावी विश्वसनीयता को नई ऊंचाई पर ले जा सकता है.

बिहार चुनाव और राजनीतिक साख का सवाल

मनोज कुमार मिश्र

बिहार चुनाव में धनबल, बाहुबल से लेकर नेताओं की लोकप्रियता देखी जा रही है.

नीतीश कुमार सरकार के राजगीर, नालंदा में हुए काम मील के पत्थर साबित हो रहे हैं. उम्र बढ़ने के कारण उनके स्वास्थ्य पर हो रहे असर से चुनाव में उनके गठबंधन एनडीए को कुछ नुकसान हो रहा है. बावजूद इसके एनडीए का पलड़ा भारी है.

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के शीर्ष पर पहुंचने से पहले ही राजद और कांग्रेस की अगुवाई वाला महागठबंधन बिखरने लगा. पहले भाजपा और जदयू की अगुवाई वाले गठबंधन एनडीए में भी तनातनी हुई लेकिन बड़े नेताओं ने फौरन हस्तक्षेप कर विवाद सुलझा लिया. अब सभी 243 सीटों पर राजग की तरफ से एक-एक उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में हैं. एनडीए नीतीश कुमार की अगुवाई में चुनाव लड़ रहा है. भाजपा और जदयू बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं. दूसरी तरफ महागठबंधन के सहयोगी दलों के उम्मीदवार दर्जन भर से ज्यादा सीटों पर आपस में ही लड़ रहे. इतना ही नहीं, तमाम दावों के बावजूद चुनाव प्रचार जोड़ नहीं पकड़ रहा है. हर बार की तरह इस बार भी कई अन्य दलों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है. वैसे उसके तीन उम्मीदवारों ने नाम वापस लेकर प्रशांत किशोर की परेशानी बढ़ा दी है.
बिहार के सबसे बड़े लोक महापर्व छठ के तुरंत बाद 6 और 11 नवंबर को मतदान होना है. नतीजे 14 नवंबर को आएंगे. माना जा रहा है कि छठ के लिए बड़ी तादाद में लोग अपने घर आते हैं, उनमें काफी बड़ी संख्या उन लोगों की है जो प्रवासी होने के बावजूद अभी भी बिहार के मतदाता बने हुए हैं. इनके चलते इस बार वोट का औसत बढ़ सकता है. इस बार महागठबंधन के आपसी टकराव और सरकार के सकारात्मक काम से राजग का वोट औसत बढ़ने के आसार हैं.
चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद हर चुनाव में धन-बल का भरपूर उपयोग होता है. चुनाव में वोट के लिए पैसे, शराब या सामान बांटने के मामले भी सामने आते रहे हैं. चुनाव आयोग हर चुनाव में भारी मात्रा में नकदी, शराब आदि पकड़ता है और कार्रवाई करता है. राज्यसभा और विधान परिषद की भी सीटें बिकने की खबरें आती है. यह सभी अपने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में जंग लगने जैसे हैं. कुछ सालों से चुनावी व्यवस्था में और पतन होता जा रहा है. लोकसभा और विधानसभा आदि के टिकट बिकने की खबर आने लगी और बिहार चुनाव में तो सारे रिकार्ड ध्वस्त हो गए. टिकटों की बोली लगने का आरोप लग रहे हैं. राजद से मधुबन से टिकट पाने में असफल रहे मदन साह ने राबड़ी देवी के सरकारी घर के बाहर अपने कपड़े फाड़े, दहाड़ मार कर रोते हुए कहा कि उसके 2.70 करोड़ रुपए लौटा दें. इस लेन-देन की होड़ में सारी मर्यादाएं तार-तार हो गई. सासाराम से राजद ने अपने मौजूदा विधायक का टिकट काट कर आपराधिक छवि वाले को दे दिया जो झारखंड के गढ़वा में एक डकैती में वांछित था. नामांकन भरते ही उसे झारखंड पुलिस पकड़ कर ले गई.
प्रधानमंत्री मोदी की कड़ाई से भाजपा में बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को कम से कम टिकट मिलता है और भाजपा ने बिहार में भी ऐसा ही किया. बाकी दलों में पैसे की तरह टिकट पाने की दूसरा बड़ा कारण बड़े नेताओं की रिश्तेदारी रही है. लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव तो उनके उत्तराधिकारी हैं, वे इस बार भी राघोपुर से चुनाव लड़ रहे हैं. पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी तारापुर से चुनाव लड़ रहे हैं. दबंग मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा साहाब (राजद), केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता (रालोमो), पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नितीश मिश्र (भाजपा), केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी (हम), पूर्व सीएम कर्पूरी ठाकुर की पौत्री जागृति ठाकुर (जनसुराज), पूर्व सांसद गिरिधारी यादव के पुत्र चाणक्य यादव (राजद), सांसद वीणा देवी की पुत्री कोमल सिंह (लोजपा-रा), सांसद लवली आनंद के पुत्र चेतन आनंद (लोजपा-रा), शिवानंद तिवारी के पुत्र राहुल तिवारी (राजद), बाहुबली मुन्ना शुक्ला की पुत्री शिवानी शुक्ला (राजद), बाहुबली सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी (राजद), पूर्व सांसद विजय कुमार के पुत्र ऋषि मिश्र (कांग्रेस), नवीन किशोर सिन्हा के पुत्र नितिन नवीन (भाजपा), गंगा प्रसाद चौरसिया के पुत्र संजीव चौरसिया (भाजपा) और विशेश्वर ओझा के पुत्र राकेश ओझा इत्यादि उम्मीदवार हैं. यह सूची काफी लंबी है. यानी कई बड़े दलों के टिकट या तो बाहुबली और उसके परिवार को या पैसे वाले को या किसी बड़े नेता के रिश्तेदार को मिला. पार्टी के लिए दिन रात काम करने वाला आम कार्यकर्ता को अब टिकट मिलना कठिन है.
यह माना जा रहा कि करीब 20 साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है. वे खुद एक मजबूत पिछड़ी जाति से आते हैं. तमाम विरोध के बावजूद शराबबंदी के उनके फैसले का बड़ी तादाद में गरीब महिलाओं का समर्थन आज भी उन्हें मिल रहा है. उनकी लगातार जीत का आधार महिलाएं हैं. साल 2005 में जिन बच्चियों को उन्होंने साइकिलें दीं, उनको ही चुनाव आचार संहिता लगने से पहले दस-दस हजार रुपए दिए. लालू के जंगल राज से उलट उनकी छवि सुशासन बाबू की बनी हुई है. कई उल्लेखनीय काम उनके खाते में हैं लेकिन वे बिहार को विकास की दौड़ में शामिल कराने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए. केंद्र सरकार के सहयोग से हर गांव सड़क से जुड़ा. हर गांव में बिजली पहुंची. कई योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिला. दरभंगा में एम्स बन रहा है. गंगा नदी पर 10 पुल बने. बोधगया में आईआईएम और ट्रिपल आईटी बना. 38 से ज्यादा इंजीनियरिंग कालेज बने. बिजली के चार कारखाने खुले. केन्द्र सरकार ने बिहार के लिए तीन लाख करोड़ खर्च करके बुनियादी ढांचे को मजबूत किया.
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ इस गठबंधन और खासकर भाजपा को होगा ही. नीतीश कुमार सरकार के राजगीर, नालंदा में हुए काम मील के पत्थर साबित हो रहे हैं. उम्र बढ़ने के कारण उनके स्वास्थ्य पर हो रहे असर से चुनाव में उनके गठबंधन-राजग को कुछ नुकसान हो रहा है. बावजूद इसके चुनाव में राजग का पलड़ा भारी लग रहा है. **(लेखक, जाने-माने वरिष्ठ पत्रकार हैं.)**

आज का इतिहास

1605: अकबर के निधन के बाद जहांगीर ने मुगल सल्तनत की बागडोर संभाली.
1775 : भारत के आखिरी मुगल शासक बहादुर शाह जफर का जन्म.
1914: स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मी सहगल का जन्म.
1921 : देश के सबसे सम्मानित कार्टूनिस्ट आर के लक्ष्मण का जन्म.
1945: संयुक्त राष्ट्र की स्थापना.
1954 : स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ रफी अहमद किदवई का निधन.
1984 : भारत की पहली मेट्रो रेल सेवा की शुरुआत कोलकाता से हुए.
2003 : ब्रिटेन ने सुपरसोनिक यात्री विमानों ने हीथ्रो एयरपोर्ट विदाई उड़ान भरी.
2004 : ब्राजील ने अंतरिक्ष में पहला सफल रॉकेट परीक्षण किया.
2013 : सुप्रसिद्ध पार्श्व गायक मन्ना डे का निधन.
2017 : विश्व प्रसिद्ध ठुमरी गायिका गिरिजा देवी का निधन.

चिंतन

साधारण से असाधारण बनिए, तब पहचान बनेगी

एमबी के बाद समीर की प्लेसमेंट एक मल्टीनेशनल कम्पनी में हो गयी. मैनेजर के रूप में काम करने वालों में समीर सबसे युवा था. कम्पनी के डायरेक्टरों के सामने वह खुद को साबित करना चाहता था, पर कोशिशों के बावजूद वो कुछ ऐसा नहीं कर पा रहा था जिसका एक बड़ा प्रभाव पड़े और लोग उसे नोटिस करें.
अपनी इसी परेशानी को लेकर उसने अपने प्रोफेसर कृष्णन को किया. उन्होंने समीर को रविवार को कॉलेज में बुलाया. समीर समय से पहुंच गया और दोनों बात करने लगे. प्रोफेसर बोले, चलो जरा स्वीमिंग पूल का चक्कर लगाते हैं. दोपहर का समय था, पूल खाली था. प्रोफ़ेसर बोले, चलो गेम खेलते हैं. करना ये है कि हमें इस पूल में हलचल पैदा करनी है. देखते हैं कौन अधिक हलचल पैदा करता है. सबसे पहले तुम प्रयास करो. प्रोफ़ेसर बोले. समीर ने इधर-उधर देखा और पास ही पड़ी एक रबर ट्यूब उठा कर पानी में फेंक दी. हा-हा-हा, प्रोफ़ेसर हंसते हुए बोले, इससे तो थोड़े से ही बुलबुले बने.यह सुनकर समीर ने एक चेयर उठाई और पानी में फेंक दी. प्रोफेसर बोले, ये बेहतर है. इस बार प्रभाव ज्यादा है. ठीक है सर, तो क्या अब हम चलें? समीर बोला. प्रोफ़ेसर ने कहा, नहीं, खेल ख़त्म नहीं हुआ. क्या तुम एक और प्रयास करोगे? समीर बोला, नहीं सर, अब यहां और कुछ नहीं पड़ा जो फेंकूं. क्यों नहीं आप ही प्रयास करते? प्रोफ़ेसर ने कपड़े उतारे और पानी में छलांग लगा दी. पूल में हलचल ही हलचल मच गयी.समीर भौंचक्का था.
कुछ समझे समीर,प्रोफ़ेसर पानी से निकलते हुए बोले,ये पूल हमारे काम के क्षेत्र को दर्शाता है. अगर हमें मैक्सिमम प्रभाव डालना है अपने काम से पूरे ईको सिस्टम में बुलबुले पैदा करने होंगे. हमें उस काम में डूबना होगा.हमें उसमे अपना सबकुछ लगाना होगा. जी-जान से काम को सर्वश्रेष्ठ देना होगा और तब ये दुनिया हमें नोटिस करेगी. समीर प्रोफ़ेसर की बात समझ चुका था. अब वह नए जोश के साथ वापस लौट रहा था. उसे पता था कि क्या करना है.
दोस्तों, हमे चाहे जिस क्षेत्र से हों, अगर हमें अपने काम से नाम कमाना है. प्रभाव छोड़ना है तो हमें सामान्य से ऊपर उठना होगा. और ऐसा करने के लिए हमें असाधारण काम करने होंगे. वरना हमारा काम तो होगा. लेकिन हमारा नाम नहीं होगा.

इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #INDvsAUS
2. #BhaiDooj
3. #ViratKohli
4. Rohit
5. #Fauzi
6. #भाई_दूज
7. Adelaide
8. Hitman
9. Gill
10. Shubh Sankalp

प्रभास के जन्मदिन पर मिला फैंस को तोहफा

डायरेक्टर हनु राघवपुडी संग नई फिल्म 'फौजी' का ऐलान

भारतीय सिनेमा के 'डार्लिंग' और 'रेबेल स्टार' प्रभास के जन्मदिन पर उनके फैंस के लिए खुशखबरी आ गई है. डायरेक्टर हनु राघवपुडी के साथ प्रभास की नई फिल्म का नाम और फर्स्ट लुक पोस्टर दोनों रिलीज कर दिए गए हैं. मैथ्री मूवी मेकर्स ने 23 अक्टूबर को इंस्टाग्राम पर एलान करते हुए बताया कि इस फिल्म का नाम आधिकारिक तौर पर 'फौजी' है. पोस्टर में प्रभास का दमदार लुक और भगवद्गीता की पंक्तियां देखने को मिलीं, जिसने फैंस का उत्साह दोगुना कर दिया है. पोस्टर में लिखी पंक्ति – 'पद्मव्यूह विजयी पार्थः पाण्डवपक्षे संस्थित कर्णः. गुरुविरहितः एकलव्यः जन्मनैव च योद्धा एषः॥' – यह बताती है कि फिल्म का किरदार एक जन्मजात योद्धा है, जो बिना गुरु के भी युद्ध जीतने की ताकत रखता है. मेकर्स ने कैप्शन में लिखा, "हमारे इतिहास के छिपे हुए अध्यायों से एक सैनिक की सबसे बहादुर कहानी." यह घोषणा होते ही सोशल मीडिया पर फैंस का सैलाब उमड़ पड़ा. कुछ ही मिनटों में पोस्ट को 74 हजार से ज्यादा लाइक्स मिल गए. एक यूजर ने लिखा, एक और 1000 करोड़ लोड हो रहा है, तो किसी ने कहा, प्रभास अन्ना रॉक्स. रिपोर्ट्स के अनुसार, 'फौजी' की कहानी आजादी से पहले के भारत की पृष्ठभूमि पर आधारित है. यह एक देशभक्ति से भरी वॉर ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें प्रभास एक सैनिक के किरदार में नजर आएंगे. वह स्वतंत्रता और सम्मान के लिए लड़ने वाली एक अकेली बटालियन का नेतृत्व करेंगे. फिल्म में वीरता, बलिदान और योद्धा भावना को बड़े पर्दे पर दिखाया जाएगा. फिल्म की कास्ट भी बेहद दमदार है. प्रभास के अपोजिट लीड रोल में इमानवी इस्माइल होंगी, जबकि अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती और जया प्रदा महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखेंगे. लंबे समय से इस फिल्म के नाम को लेकर अटकलें थीं, लेकिन अब 'फौजी' नाम पर मुहर लग गई है. इस खास मौके पर प्रभास की बहन प्रसीधा उप्पलपति ने भी उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं. उन्होंने इंस्टाग्राम पर भाई के साथ अनदेखी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, जन्मदिन मुबारक हो अन्नया. तुमसे बहुत प्यार करती हूं. तुम मेरे रक्षक और जीवन के मार्गदर्शक हो." वर्कफ्रंट की बात करें तो प्रभास के पास फिलहाल कई बड़े प्रोजेक्ट हैं. 'फौजी' के अलावा वह 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल में नजर आएंगे. वहीं उनकी फिल्म 'द राजा साब' अगले साल 9 जनवरी 2026 को रिलीज होगी. इसके साथ ही वह संदीप वांगा रेड्डी की 'स्परिट' की शूटिंग भी शुरू करने वाले हैं, जिसमें उनके साथ तृप्ति डिमरी दिखाई देंगी. प्रभास के जन्मदिन पर रिलीज हुआ 'फौजी' का फर्स्ट लुक उनके करियर की एक नई यादगार शुरुआत मानी जा रही है.

'एक दीवाने की दीवानियत' दो दिन का कलेक्शन 16.50 करोड़

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की रोमांटिक-ड्रामा फिल्म 'एक दीवाने की दीवानियत' ने सिनेमाघरों में रिलीज होते ही दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बना ली है. दिवाली के मौके पर रिलीज हुई इस फिल्म ने न सिर्फ लोगों का मनोरंजन किया है, बल्कि 'थामा' जैसी बड़ी रिलीज के बावजूद बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ने पहले दिन 9 करोड़ रुपये की मजबूत ओपनिंग दर्ज की थी, वहीं दूसरे दिन 7.50 करोड़ रुपये का कारोबार किया. इस तरह फिल्म का कुल दो दिन का कलेक्शन 16.50 करोड़ रुपये हो चुका है. लगभग 30 करोड़ रुपये के बजट में बनी यह फिल्म अब अपनी लागत वसूल करने के बेहद करीब पहुंच गई है और अगर यही रफ्तार बनी रही तो आने वाले दिनों में इसे हिट घोषित किया जा सकता है. फिल्म देखने के बाद दर्शक हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं. कई फैंस का कहना है कि हर्षवर्धन ने 'सनम तेरी कसम' के बाद फिर से अपने रोमांटिक और जुनूनी अंदाज़ से दर्शकों को दीवाना बना दिया है. सोशल मीडिया पर दर्शकों ने फिल्म को 'इमोशनल और पैशनेट लव स्टोरी' बताया है. इस फिल्म का निर्देशन मिलाप मिलन जावेरी ने किया है, जो अपनी इमोशनल और मसालेदार कहानियों के लिए जाने जाते हैं.

- फिल्म देखने के बाद दर्शक हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा की ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री की जमकर तारीफ कर रहे हैं.

राम चरण-उपासना के घर फिर गूंजेगी किलकारी

साउथ भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार राम चरण और उनकी पत्नी उपासना कामिनेनी कोनिडेला ने दिवाली के शुभ अवसर पर एक बार फिर से अपने फैंस को बड़ी खुशखबरी दी है. यह स्टार कपल अपने दूसरे बच्चे की उम्मीद कर रहा है. दोनों ने यह खूबसूरत खबर सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा कि इस साल की दिवाली उनके जीवन में दोगुनी खुशी लेकर आई है. राम चरण ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक प्यारा वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनके घर पर रौनक देखने लायक है. वीडियो में परिवार और करीबी दोस्त उपासना को बधाइयां देते और गले लगाते नजर आ रहे हैं. हर तरफ खुशी का माहौल है, मेहमान तोहफे और आशीर्वाद लेकर आए हैं, और उपासना के चेहरे पर मातृत्व की चमक साफ झलक रही है. वीडियो के अंत में लिखा है, नई शुरुआत जिसने फैंस के दिलों को छू लिया. कैप्शन में राम ने लिखा, यह दिवाली दोगुने जश्न, दोगुने प्यार और दोगुने आशीर्वाद के साथ थी. राम चरण और उपासना ने जून 2023 में अपनी बेटी 'क्लिन कारा कोनिडेला' का स्वागत किया था. बेटी के जन्म के बाद से ही यह कपल अपनी फैमिली मोमेंट्स फैंस के साथ शेयर करता रहा है. अब जब उन्होंने अपने दूसरे बच्चे के आने की सूचना दी है, तो फैंस के बीच उत्साह दोगुना हो गया है. राम चरण और उपासना की जोड़ी साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सबसे पसंदीदा कपल्स में गिनी जाती है.

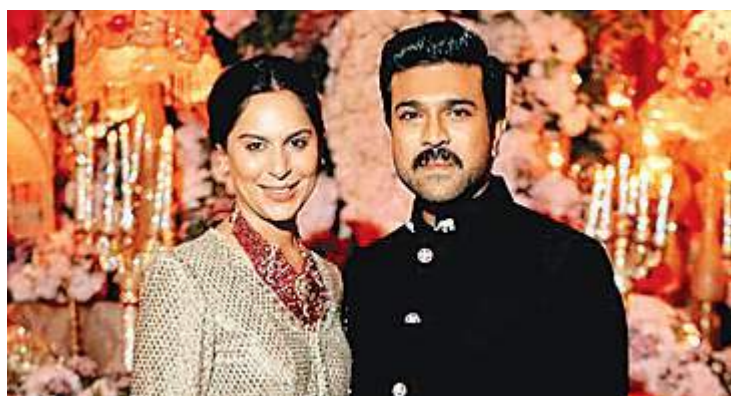

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा
मोबाइल नंबर
8210075897

मेष : कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी. व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें. पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे. व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. शुभांक-3-6-8

वृष : शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है. व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी. नौकरी में पदोन्नति की संभावना. मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है. शुभांक-4-5-6

मिथुन : शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. खान-पान में सावधानी रखें. कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. शुभांक-2-4-5

कर्क : रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी. कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. मेहमानों का आगमन होगा. शुभांक-3-6-9

सिंह : समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम को प्राथमिकता से करें. आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे है. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है. भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा. शुभांक-2-4-6

कन्या : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी. महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा. आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्घ हो रहे है. कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा. शुभांक-7-8-9

तुला : निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है. धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी. लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी. बुद्घितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा. कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी. सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी. शुभांक-6-8-9

वृश्चिक : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी. बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी. दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा. हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा. व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी. धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है. शुभांक-5-6-9

धनु : चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है. शत्रुभय, ङ्क्षचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे. संतोष रखने से सफलता मिलेगी. नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी. शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी. सब्र का फल मीठा होता है अतःधैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें. शुभांक-5-7-8

मकर : थोड़े प्रयास से कार्य सिद्घ होंगे. घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा. बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा. सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्घि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा. किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा. शुभांक-4-6-7

कुंभ : कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा. दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा. वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे. संयमित भाषा का इस्तेमाल करें. आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा. जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं. शुभांक-3-5-7

मीन : प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे. आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी. स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी. ज्ञान-विज्ञान की वृद्घि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा. शुभांक-2-4-6

बायोटैक्नोलॉजी में अवसरों की कमी नहीं

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर हैं । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं। इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है ।

क्या है बायोटैक्नोलॉजी?

बायोटैक्नोलॉजी रिसर्च आधारित विज्ञान है जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक सिद्धांतों और तकनीक का प्रयोग करते हुए बायोलॉजिकल सिस्टम में सुधार करना है । बायोलॉजी और टैक्नोलॉजी को मिलाकर बने इस फील्ड में बायोकैमिस्ट्री, जैनेटिक्स, माइक्रोबायोलॉजी, केमिस्ट्री, इम्युनोलॉजी, इंजीनियरिंग, पेड़-पौधे, हैल्थ और मैडीसिन, क्रॉपिंग सिस्टम व मैनेजमेंट, मृदा-विज्ञान और संरक्षण, इकोलॉजी, बायोस्टैटिस्टिक्स, सैल बायोलॉजी, सीड टैक्नोलॉजी, प्लांट फिजियोलॉजी आदि शामिल है। आज के दौर का सबसे विवादास्पद विषय है बायोटैक्नोलॉजी जिसे मुख्यत: शोध आधारित विज्ञान माना जाता है। यह एक विस्तृत फील्ड है जिसके विस्तृत दायरे ने इसे एक बेहतरीन करियर विकल्प बना दिया है । इसका संबंध स्वास्थ्य, चिकित्सा, कृषि, पशुपालन, उद्योग, पर्यावरण से लेकर अनुसंधान तक है ।

योग्यता

बायोटैक्नोलॉजी में स्नातक स्तर पर आप बी.एससी., बी.ई. और बी.टैक कर सकते हैं तो पोस्ट ग्रैजुएट स्तर पर एम.एससी., एम.टैक या एम.बी.ए. के विकल्प आपके लिए मौजूद हैं । बायोटैक्नोलॉजी पाठ्यक्रम में दाखिला लेने के लिए विज्ञान का अभ्यर्थी होना जरूरी होगा । बायोलॉजी, फिजिक्स, कैमिस्ट्री एवं कृषि की जानकारी जरूरी है। आई.आई.टी. संस्थानों में 5 वर्षीय इंटीग्रेटेड एम.टैक कोर्स भी उपलब्ध है जो 12वीं के बाद किया जा सकता है ।

विदेशों में भी अवसर

बायोटैक्नोलॉजी की शिक्षा प्राप्त के बाद देश के साथ-साथ विदेश में भी काम करने के ढेरों अवसर हैं । मैडीसिन एंड हैल्थकेयर, पशुपालन, कृषि तथा पर्यावरण इंडस्ट्री में आप मार्कीटिंग, रिसर्च और प्रोडक्शन के क्षेत्र में काम कर सकते हैं।

सम्भावनाएं

इस क्षेत्र में देशी-विदेशी कई कम्पनियां मौजूद हैं जो बायोटैक्नोलॉजिस्ट्स को अनुसंधान और विकास में रोजगार प्रदान करती हैं । सरकारी और निजी विश्वविद्यालयों में भी अवसरों की कमी नहीं है । लैबोरेटरीज और रिसर्च इंस्टीच्यूट्स में बतौर साइंटिस्ट और असिस्टैंट काम कर सकते हैं । कृषि और बागवानी के संस्थानों में भी इनकी मांग है ।

क्या आप कॉमर्स लेने जा रहे हैं...

अगर आप बारहवीं में कॉमर्स लेने जा रहे हैं लेकिन आपको पता नहीं कि इसके बाद आप कौन-कौन से करियर अपना सकते हैं तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं। आज हम आपको बताएंगे कि कॉमर्स के छात्रों के लिए बेहतर करियर विकल्प क्या हैं

चार्टर्ड अकाउंटेंसी

जो छात्र 10+2 में वाणिज्य लेते हैं, उनकी पहली प्राथमिकता चार्टर्ड अकाउंटेंसी होती है। आपको शायद यह जानकर हैरानी होगी कि भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी की मांग कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया सहित कई अन्य देशों में है। अंतरराष्ट्रीय अवसरों के कारण भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंसी युवाओं के लिए अग्रिम कैरियर विकल्प बन गया है। द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, जो भारत सरकार के अधीन पंजीकृत संस्था है, को भारत में इस क्षेत्र में पाठ्यक्रम चलाने का एकाधिकार प्राप्त है।

कंपनी सेक्रेटरीशिप

वाणिज्य से 10+2 पूरा करने वाले छात्रों का एक बड़ा वर्ग कंपनी सेक्रेटरी बनना चाहता है। आज हर उस कंपनी में, जिसका पेड-अप पूंजी 1 करोड़ से अधिक है, एक कंपनी सेक्रेटरी होना अनिवार्य है। तीन स्तरों में होने वाले इस पाठ्यक्रम सह परीक्षा की विस्तृत जानकारी के लिए आप इंस्टीट्यूट ऑफ कंपनी सेक्रेटरीज ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आईसीएसआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंट

फाइनेंस के क्षेत्र में एक नया क्षेत्र उभर कर आया है, जिसे कॉस्ट एंड वर्क अकाउंटेंसी के नाम से जाना जाता है। चार्टर्ड अकाउंटेंसी या कंपनी सेक्रेटरीशिप की तरह तीन स्तरों- फाउंडेशन, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षा को उत्तीर्ण कर कॉस्ट अकाउंटेंट की योग्यता प्राप्त कर सकता है। कॉस्टअकाउंटेंट किसी कंपनी का वह पदाधिकारी होता है, जिसे अपनी तकनीकी दक्षता से कंपनी की पूंजी व लागत का उचित इस्तेमाल करना होता है। विस्तृत जानकारी के लिए आप इंस्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट अकाउंटेंसी ऑफ इंडिया की वेबसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट आइसीएमएआइ डॉट इन पर संपर्क करें।

लॉ

वाणिज्य से बारहवीं के बाद छात्रों का एक बड़ा तबका लॉ के क्षेत्र में जाता है। 10+2 के बाद 5 वर्षीयइंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम पूरा करकानून के क्षेत्र में कैरियर को एक नयी दिशा दी जा सकती है। पहले इस इंटिग्रेटेड पाठ्यक्रम में केवल बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही होता था। परंतु समय की मांग को देखते हुए बीएएलएलबी के अतिरिक्त व्यापार प्रबंधन की चाह रखने वाले छात्रों के लिए बीबीएएलएलबी, विज्ञान के छात्रों के लिए बीएससीएलएलबी या कॉमर्स के छात्रों के लिए बीकॉमएलएलबी पाठ्यक्रमों की भी घोषणा कर दी गयी है।इस पाठ्यक्रम में दाखिले के लिए आपको एक विशेष प्रवेश जांच परीक्षा देनी होगी, जिसे कॉमन लॉ एडमिशन टेस्ट यानी क्लैट कहा जाता है। इस प्रवेश जांच परीक्षा के माध्यम से आपको देश के प्रतिष्ठित लॉ विश्वविद्यालय में दाखिले का अवसर प्राप्त होगा।

बैंकिंग

यदि हम यह कहें कि आनेवाले कुछ वर्ष बैंकिंग के क्षेत्र मे नयी नौकरियों की चाह रखने वाले छात्रों के नाम होंगे, तो कुछ गलत न होगा। आगामी कुछ वर्षों में लगभग 1 लाख से अधिक छात्रों के लिए बैंकिंग सेक्टर के दरवाजे खुले रहेंगे। यदि आप 10+2 के बाद इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो क्लर्क लेवल के लिए आवेदन करें। हालांकि कई बैंकों में अब क्लर्क के लिए भी स्नातक आवश्यक योग्यता के रूप में मांगी जाती है। परंतु कुछ विकल्प अभी भी 10+2 के बाद इस पद के लिए उपलब्ध हैं। यदि आप प्रोबेशनरी ऑफिसर के रूप में इस क्षेत्र में प्रवेश करना चाहते हैं, तो वाणिज्य से स्नातक करें और प्रवेश जांच परीक्षा में बैठने की रणनीति बनायें।

बिजनेस मैनेजमेंट

भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था ने जहां एक ओर कॉरपोरेट दुनिया को नया आयाम प्रदान किया, वहीं दूसरी ओर बिजनेस मैनेजरों की भारी मांग ने युवाओं के लिए कैरियर द्वार खोल दिया। 10+2 वाणिज्य के बाद 3 वर्षीय डिग्री पाठ्यक्रम आपको बिजनेस मैनेजमेंट की दुनिया में प्रवेश दिलासकते हैं। इन पाठ्यक्रमों को अलग-अलग विश्वविद्यालय में कई बार अलग-अलग नाम से जाना जाता है, परंतु इनके कोर्स कंटेंट लगभग एक जैसे होते हैं। कहीं इसे बीबीए यानी बैचलर इन बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन कहा जाता है, तो कहीं इसे बीबीएमकहीं बैचलर इन बिजनेस मैनेजमेंट कहा जाता है। दिल्ली विश्वविद्यालय में इसे बैचलर इन बिजनेस स्टडीज का नाम दिया गया है। इन पाठ्यक्रमों में स्नातक करने के बाद किसी अच्छे संस्थान से एमबीए करने वाले छात्रों को पीछे मुड़ कर देखने की जरूरत नहीं पड़ती।

पत्रकारिता

वाणिज्य से पढ़ाई करने के बाद पत्रकारिता के क्षेत्र में कैरियर बनाने का सपना देखने वाले छात्र बिजनेस स्टैंडर्ड, इंडियन इकनोमी, सीएनबीसी आवाज जैसे चैनलों में रोजगार खोज सकते हैं। इन चैनलों में वाणिज्य के जानकार को आर्थिक या बिजनेस पेज या प्रोग्राम का उत्तरदायी बनाया जाता है।

कंप्यूटर साइंस

एक समय था जब केवल गणित के छात्र ही इस क्षेत्र में प्रवेश करते थे। समय के साथ बढ़ती मांग को देखते हुए कई विश्वविद्यालय वाणिज्य या आर्ट्स के छात्र को भी इस क्षेत्र में प्रवेश देते है। बीसीए यानी बैचलर इन कंप्यूटर अप्लीकेशन के लिए 10+2 पर आर्ट्स, साइंस या कॉमर्स की कोई बाध्यता नहीं है, लेकिन इसी प्रकार के अन्य पाठ्यक्रम जैसे बीएससी (कंप्यूटर साइंस) या बीएचसी (आइटी) में प्रवेश के लिए ज्यादातर विश्वविद्यालय 10+2 में गणित मांगते हैं। यदि आपकी रुचि कंप्यूटर साइंस में है, तो निःसंकोच बीसीए पाठ्यक्रम को चुन सकते हैं। केवल एक बात का ध्यान रखें कि उक्त पाठ्यक्रम रेग्युलर हो, दूरशिक्षा के अंतर्गत नहीं, अन्यथा आपको पूरा व्यावहारिक ज्ञान नहीं मिल पायेगा, जो इस क्षेत्र में सफल होने का आधार है।

कॉलेज की ये डिग्रियां आपको दिला सकती हैं सबसे ज्यादा सैलरी

हम सब एक बेहतर नौकरी की तलाश में रहते हैं। जहां हमारी सैलरी बेहतर हो और हमें एक अच्छा लिविंग स्टैंडर्ड मिले, इतना ही नौकरी पाने के बाद हमारा सोसाइटल स्टेटस भी बढ़ जाए। इन सभी बेहतर चीजों के लिए हमें जरूरत होती है, एक बेहतर सैलरी वाली नौकरी। ऐसे में हमें स्कूल पास करते ही यह सोच लेना चाहिए कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। ताकि उसी के मुताबिक हम अपने ऊपर काम कर सकें। ऐसे में हमें कॉलेज से उस डिग्री की पढ़ाई करनी चाहिए, जिससे कॉलेज के बाद नौकरी के लिए ज्यादा भटकना ना पड़े। खैर भारत में बेरोजगारी के हालात को देखते हुए यह दावा नहीं किया जा सकता कि कोई कोर्स करके आप निश्चित ही नौकरी पा सकते हैं। पर आप इन कोर्सों को करने के बाद थोड़े ही एफर्ट में एक अच्छी सैलरी वाली नौकरी पा सकते हैं तो आइए जानते हैं, कि आखिर कौन से हैं वो कोर्सेज।

एमबीबीएस, मेडिकल

मेडिकल की शिक्षा को लेकर भारत में सबसे ज्यादा मुकाबला है। एमबीबीएस का फुल फॉर्म बैचलर ऑफ मेडिसिन एंड बैचलर ऑफ सर्जरी है'। मुट्ठी भर कॉलेजों के लिए लाखों बच्चे परीक्षा में बैठते हैं। यह डिग्री पूरी कर लेना अपने आप में ही बड़ी बात होती है, क्यों कि आधे से ज्यादा बच्चे कॉलेज के लिए परीक्षा क्वालीफाई ही नहीं कर पाते। यह कोर्स 5.5 साल का होती है मगर इसे पास करने में और भी साल लग जाते हैं। इसके लिए आपको नीट की परीक्षा देनी पड़ती है, अगर आप क्वालिफाई होते हैं तब ही आपको कॉलेज मिलेंगे।

बीबीए, मैनेजमेंट

ज्यादातर कॉमर्स स्टूडेंट बीबीए का ऑप्शन चुनते हैं। इस कोर्स के साथ करियर बनाने के लिए आपकी मैनेजमेंट की स्किल बहुत अच्छी होनी चाहिए। आज के इस कॉम्पिटेटिव माहौल में हर कंपनी मैनेजर रखना चाहती है, जिस कारण इस कोर्स को पढ़ने से आपकी अच्छी खासी जॉब लग सकती है। यह कोर्स करने के बाद आपको बिजनेस और मैनेजमेंट से जुड़ी हर अहम बात बताई जाती हैं। बीबीए तीन साल का कोर्स होता है, आप को बता दें कि ये कोर्स काफी महंगा है, अगर आप सरकारी कॉलेज निकालते हैं तब तो बजट फेंडली है, मगर प्राइवेट कॉलेज में ये फीस और भी ज्यादा है। पर अगर आपको यहां एक अच्छी प्लेसमेंट मिल जाए, तो आपका करियर सेट हो जाएगा।

बीटेक, इंजीनियरिंग

आज हर फील्ड में आधुनिकता की जरूरत है, जिस कारण इंजीनियर्स के लिए जॉब हमेशा रहेगी। देश में ही नहीं बल्कि विदेशी मुल्कों में भी भारतीय इंजीनियर्स बड़े-बड़े पदों पर काम करते हैं। अगर आप टेक्निकल फील्ड में इंटरेस्ट रखते हैं तो आपको बीटेक करने के बारे में सोचना चाहिए, हालांकि पिछले कई सालों से प्राइवेट कॉलेज के चलन के कारण इसमें जॉब के लिए और भी ज्यादा कॉम्पिटिशन बढ़ता जा रहा है। अगर आपको आईआईटी या एनआईटी के कॉलेज में पढ़ने का मौका मिलता है, तो ये कोर्स करना आप के लिए फायदेमंद है।

मर्चेंट नेवी

समुद्र के बीच बड़ी बड़ी नावों में आने जाने वाले समान को सुरक्षित रखने का काम मर्चेंट नेवी का होता है। यह वैश्विक व्यापार की रीढ़ के रूप में काम करता है। यह प्राइवेट कंपनियों और सरकार दोनों के लिए ही काम करता है। आप चाहें तो बारहवीं या ग्रेजुएशन के बाद ही इस जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं। यहां शुरुआती पोस्ट की भी सैलरी 50000 के ऊपर है, जो कई अन्य नौकरियों के मुकाबले काफी ज्यादा है।

एलएलबी

अगर आपको देश विदेशों के नियम-कानून के बारे में जानने में दिलचस्पी है तो आप लॉ की पढ़ाई कर सकते हैं। जिसके लिए भारत में कई सरकारी और प्राइवेट दोनों तरह के कॉलेज मौजूद हैं, इस डिग्री को अगर अच्छे कॉलेज से किया जाए, तो सैलरी का पैकेज 8,00,000 सालाना हो। अगर आप एलएलबी कर रहें हैं तो मन लगाकर करें, जिससे जल्द से जल्द नौकरी लगने आसार हो।

रणजी ट्रॉफी में नजर आएंगे रवींद्र जडेजा

नई दिल्ली । अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा रणजी ट्रॉफी 2025-26 के दूसरे दौर में सौराष्ट्र की ओर से खेलते हुए नजर आएंगे. 25 अक्टूबर से राजकोट के निरंजन शाह स्टेडियम में सौराष्ट्र और मध्य प्रदेश के बीच मुकाबला होगा. जडेजा के शामिल होने से सौराष्ट्र की टीम को मध्य प्रदेश के खिलाफ मजबूती मिलेगी. यह वही पिच है जहां पिछले हफ्ते सौराष्ट्र और कर्नाटक के बीच हुए मैच में स्पिनरों ने 35 में से 31 विकेट लिए थे. हाल ही में वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए टेस्ट मैच में जडेजा ने नाबाद 104 रन बनाए थे और 4 विकेट लिए थे. इसके बाद दिल्ली टेस्ट में भी उन्होंने गेंदबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया, हालांकि बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला. भारत की टीम फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है और जडेजा ब्रेक पर हैं. पिछले रणजी सीजन में जडेजा ने दो मैचों में 12 विकेट लिए थे.

इज़राइल के जिम्नास्टों को वीज़ा न देने पर आईओसी ने कड़ी फटकार लगायी

इंडोनेशिया पर भविष्य की मेजबानी करने से रोक

एजेंसियां । लुसाने

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने बुधवार को इंडोनेशिया को कड़ी फटकार लगाते हुए चेतावनी दी है कि इज़राइली खिलाड़ियों को वीज़ा न देने की घटना के बाद अब भविष्य में किसी भी ओलंपिक या उससे जुड़े आयोजन की मेजबानी को लेकर इंडोनेशिया से कोई वार्ता नहीं की जाएगी.

दरअसल, जकार्ता में 19 से 25 अक्टूबर तक आयोजित वर्ल्ड आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक चैंपियनशिप में इज़राइल के खिलाड़ियों को हिस्सा लेने के लिए वीज़ा नहीं दिया गया. इज़राइल जिम्नास्टिक फेडरेशन ने इस फैसले के खिलाफ स्पोर्ट्स मध्यस्थता न्यायालय (सीएएस) में अपील की थी, लेकिन न्यायालय ने अपील को खारिज कर दिया. इसके परिणामस्वरूप इज़राइल के खिलाड़ी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सके.

आईओसी की कार्यकारी बोर्ड ने स्पष्ट कहा कि किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन की मेजबानी करने वाले देश की जिम्मेदारी है कि वह सभी पात्र खिलाड़ियों, टीमों और अधिकारियों को बिना किसी भेदभाव के भाग लेने की अनुमति दे.

आईओसी ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, "भविष्य में इंडोनेशिया की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति के साथ ओलंपिक, यूथ ओलंपिक या किसी भी ओलंपिक आयोजन या सम्मेलन की मेजबानी पर तब तक कोई बातचीत नहीं की जाएगी, जब तक इंडोनेशियाई सरकार यह सुनिश्चित न करे कि वह सभी देशों के खिलाड़ियों और अधिकारियों को प्रवेश की अनुमति देगी."

इसके साथ ही, आईओसी ने सभी अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों को भी सलाह दी है कि जब तक इंडोनेशिया सरकार आवश्यक गारंटी नहीं देती, तब तक वहां किसी भी अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन या बैठक का आयोजन न किया जाए.

आईओसी ने इस मुद्दे पर चर्चा के लिए इंडोनेशिया की राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (एनओसी) और इंटरनेशनल जिम्नास्टिक फेडरेशन को अपने लुसाने स्थित मुख्यालय में बुलाया है. इंडोनेशियाई सरकार ने कहा कि उसने फिलिस्तीन के समर्थन में इज़राइली जिम्नास्टों को वीज़ा देने से इनकार किया. यह पहली बार नहीं है जब इज़राइल से जुड़े आयोजनों में विवाद हुआ हो. जुलाई 2023 में इंडोनेशिया ने वर्ल्ड बीच गेम्स की मेजबानी से हाथ खींच लिया था, जबकि मार्च 2023 में दो प्रांतीय गवर्नरों के विरोध के बाद फीफा अंडर-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी भी उससे छीन ली गई थी.

अभिनव बने 2026 शीतकालीन ओलंपिक के मशालवाहक

एजेंसियां । नई दिल्ली

भारत के एकमात्र व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा को वर्ष 2026 में होने वाले शीतकालीन ओलंपिक के लिए मशालवाहक चुना गया है. यह प्रतिष्ठित आयोजन 6 से 22 फरवरी 2026 तक मिलान और कोर्टिना डी'अमपेत्जो (इटली) में आयोजित किया जाएगा.

अभिनव बिंद्रा ने इस अवसर पर अपनी खुशी सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्त की. उन्होंने लिखा, "मिलानो कोर्टिना 2026 ओलंपिक टॉर्च रिले के लिए मशालवाहक के रूप में चुना जाना मेरे लिए अत्यंत सम्मान की बात है. ओलंपिक मशाल हमेशा मेरे दिल के करीब रही है — यह सपनों, दृढ़ता और खेलों के माध्यम से वैश्विक एकता का प्रतीक है. इसे फिर से लेकर चलना मेरे लिए गर्व और प्रेरणा दोनों है. इस अद्भुत सम्मान के लिए मिलानो कोर्टिना 2026 का आभार."

बिंद्रा ने 2008 बीजिंग ओलंपिक में 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का गौरव बढ़ाया था. उनकी इस ऐतिहासिक उपलब्धि ने भारतीय खेल इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में नाम दर्ज कराया.

शीतकालीन ओलंपिक 2026 इटली में आयोजित होने वाला चौथा संस्करण होगा.

भारत बना कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज ब्यूरो का उपाध्यक्ष

पेरिस । भारत को अंतरराष्ट्रीय खेलों में डोपिंग विरोधी यूनेस्को कन्वेंशन के कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज के ब्यूरो में एशिया-प्रशांत क्षेत्र (ग्रुप IV) का उपाध्यक्ष चुना गया है. यह बैठक 20 से 22 अक्टूबर 2025 तक पेरिस स्थित यूनेस्को मुख्यालय में संपन्न हुई, जिसमें इस कन्वेंशन की 20वीं वर्षगांठ भी मनाई गई. यह कन्वेंशन खेलों में निष्पक्षता और स्वच्छता को बढ़ावा देने वाला एकमात्र कानूनी रूप से बाध्यकारी अंतरराष्ट्रीय मंच है. भारतीय प्रतिनिधिमंडल में खेल सचिव हरि रंजन राव और राष्ट्रीय डोपिंग-रोधी एजेंसी (नाडा) के महानिदेशक अनंत कुमार शामिल थे. बैठक में 190 से अधिक सदस्य देशों के प्रतिनिधि, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति, विश्व डोपिंग-रोधी एजेंसी सहित अन्य संगठनों ने भाग लिया. इस सत्र में अज़रबैजान को ब्यूरो अध्यक्ष चुना गया, जबकि ब्राजील, ज़ाम्बिया और सऊदी अरब को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया. भारत ने सम्मेलन में डोपिंग-रोधी कन्वेंशन की यात्रा दिखाने वाले इंटरएक्टिव बोर्ड्स की सुविधा भी प्रदान की.

ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज कब्जाई, रोहित-श्रेयस की मेहनत पर फिरा पानी

रोमांचक मैच में टीम इंडिया को मिली 2 विकेट से शिकस्त

एजेंसियां । एडिलेड

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए वनडे सीरीज के दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 2 विकेट से शिकस्त दी. भारत द्वारा निर्धारित 265 रन के लक्ष्य को ऑस्ट्रेलिया ने 46.2 ओवर में 8 विकेट गंवाकर पूरा कर लिया. इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है. ऑस्ट्रेलिया के लिए मैट शॉर्ट ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया. उन्होंने 78 गेंदों पर 2 छक्के और 4 चौकों की मदद से 74 रन बनाए. कूपर कोनोली ने 53 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली, जो टीम की जीत में निर्णायक साबित हुई. इसके अलावा मैट रेनशॉ ने 30 और मिचेल ओवन ने 36 रन की महत्वपूर्ण पारियां खेलीं. भारत की गेंदबाजी ने शुरूआत में अच्छी पकड़ बनाई. 54 के स्कोर पर ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मिशेल मार्श और ट्रेविस हेड को आउट किया गया. इस मौके पर भारतीय टीम को मैच पर पूरी पकड़ बनाने का अवसर मिला था, लेकिन गेंदबाज विकेट नहीं ले पाए. ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों ने छोटे-छोटे साझेदारियां बनाकर लक्ष्य को पूरा किया.

भारत की ओर से हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, और वाशिंगटन सुंदर ने दो-दो विकेट लिए. वहीं अक्षर पटेल और मोहम्मद सिराज को एक-एक सफलता मिली. इससे पहले टॉस जीतकर

ऑस्ट्रेलिया ने गेंदबाजी का फैसला किया था. भारतीय टीम ने अपनी पारी में रोहित शर्मा और श्रेयस अय्यर की अहम साझेदारी की मदद से 9 विकेट पर 264 रन बनाए. रोहित शर्मा ने 97 गेंदों में 2 छक्के और 7 चौकों की मदद से 73 रन बनाए, जबकि श्रेयस अय्यर ने 77 गेंदों में 7 चौकों की मदद से 61 रन बनाए. दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 118 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी हुई. अक्षर पटेल ने 44 और हर्षित राणा ने नाबाद 18 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर दिलाया.

ऑस्ट्रेलिया की ओर से एडम जांपा ने चार, जेवियर बार्टलेट और मिचेल स्टार्क ने दो-दो विकेट लिए.

चैंपियंस लीग : रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने दर्ज की धमाकेदार जीत

एजेंसियां । मैड्रिड

चैंपियंस लीग फुटबॉल में मंगलवार की रात यूरोपीय दिग्गज क्लबों रियल मैड्रिड, लिवरपूल और चेल्सी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर शानदार प्रदर्शन किया. रियल मैड्रिड ने जुवेंटस को 1-0 से हराया, लिवरपूल ने फ्रैंकफर्ट को 5-1 से मात दी, जबकि चेल्सी ने अजाक्स पर 5-1 से बड़ी जीत दर्ज की. रियल मैड्रिड ने अपने अभियान में लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए ग्रुप में नौ अंक हासिल कर लिए. पहले हाफ में मैड्रिड ने खेल पर नियंत्रण बनाए रखा, लेकिन गोल नहीं कर सका. 40वें मिनट में किलियन एम्बाप्पे का शानदार शॉट जुवेंटस के गोलकीपर डि ग्रेगोरियो ने रोक लिया.

दूसरे हाफ में जूड बेलिंगहैम ने 57वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई, जो अंत तक कायम रही. दूसरे मैच में लिवरपूल ने अपने आक्रामक खेल की झलक दिखाते हुए फ्रैंकफर्ट को 5-1 से पराजित किया. शुरुआती बढ़त रासमस क्रिस्टेंसन (26वें मिनट) ने फ्रैंकफर्ट को दिलाई, लेकिन जल्द ही ह्यूगो एकिटिके (33वें मिनट) ने बराबरी कर ली. इसके बाद वर्जिल वैन डाइक (39वें मिनट) और इब्राहिमा कोनाटे (44वें मिनट) ने लगातार गोल कर लिवरपूल को 3-1 की बढ़त दिला दी.

दूसरे हाफ में कोडी गाकपो (66वें मिनट) और डोमिनिक सोबोस्जलाई (70वें मिनट) के गोलों ने टीम की बड़ी जीत सुनिश्चित की. वहीं, चेल्सी ने अजाक्स को 5-1 से मात दी. 18वें मिनट में मार्क गुइय्यू ने गोल कर खाता खोला, जबकि 27वें मिनट में मोइसेस कैसेडो ने स्कोर 2-0 कर दिया. अजाक्स के वाउट वेघोर्स्ट ने पेनाल्टी से एक गोल (33वें मिनट) दागा, लेकिन चेल्सी ने हाफ टाइम तक 4-1 की बढ़त बना ली.

फीफा टूर्नामेंट यूएई से मोरक्को स्थानांतरित

एजेंसियां । मोरक्को

विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा द्वारा आयोजित एक चार टीमों के मैत्री टूर्नामेंट को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से मोरक्को स्थानांतरित कर दिया गया है. फीफा ने इस बात की पुष्टि करते हुए बताया कि यह टूर्नामेंट रविवार से मोरक्को में शुरू होगा. यह प्रतियोगिता "फीफा यूनाइट्सः विमेंस सीरीज़" नाम से जानी जाती है, जो मूल रूप से 23 से 29 अक्टूबर तक दुबई में आयोजित होनी थी. इस टूर्नामेंट में यूएई, चाड, लीबिया और अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम भाग ले रही हैं.

अफगानिस्तान की महिला शरणार्थी टीम का गठन 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद महिलाओं पर लगाए गए खेल प्रतिबंधों के कारण किया गया था. उस समय कई महिला खिलाड़ी उत्पीड़न के डर से अपने देश को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर गईं.

फीफा ने एक आधिकारिक बयान में मोरक्को फुटबॉल फेडरेशन का धन्यवाद किया और सफल टूर्नामेंट के आयोजन की उम्मीद जताई. फीफा ने यह भी पुष्टि की कि अफगान महिला शरणार्थी टीम ने परामर्श के बाद अपना आधिकारिक नाम 'अफगान वुमन यूनाइटेड' रखा है.

तालिबान शासन से पहले अफगानिस्तान की महिला फुटबॉल टीम में 25 अनुबंधित खिलाड़ी थीं, जिनमें से अधिकांश अब ऑस्ट्रेलिया में बस चुकी हैं. दूसरी ओर, अफगानिस्तान की पुरुष फुटबॉल टीम सामान्य रूप से खेलना जारी रखे हुए है. इस बदलाव से टूर्नामेंट की सुरक्षा और सुचारू संचालन सुनिश्चित होने की उम्मीद जताई जा रही है. मोरक्को में होने वाले इस आयोजन से महिलाओं के खेल को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी और शरणार्थी खिलाड़ियों को वैश्विक मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा.

25 अक्टूबर से अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन

मुरादाबाद । मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन और चड्ढा लाइफस्टाइल के संयुक्त प्रयास से 25 अक्टूबर से 1 नवंबर तक डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी के टेनिस कोर्ट पर अंतरराष्ट्रीय टेनिस टूर्नामेंट आयोजित किया जाएगा. यह टूर्नामेंट सुबह 7 बजे से रात्रि 8 बजे तक चलेगा. टूर्नामेंट संयोजक और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अवनीश रस्तोगी ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी. प्रतियोगिता में 35 से 75 वर्ष तक के खिलाड़ी विभिन्न वर्गों में मैंस और वुमेंस मुकाबले खेलेंगे. इस टूर्नामेंट को अंतरराष्ट्रीय टेनिस संघ (आईटीएफ) ने 'चैम्पियंस कप' के रूप में सम्मानित किया है, जो उत्तर प्रदेश में पहली बार मुरादाबाद को मिला है. इस वर्ष 207 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराया है, जिनमें सोलोवाकिया, अमेरिका, जर्मनी जैसे देशों के खिलाड़ी शामिल हैं. टूर्नामेंट में आईटीएफ रेफरी एंटोन डिसूजा और उनकी अम्पायर टीम न्यायाधीश की भूमिका निभाएगी. खिलाड़ियों के लिए प्रतिदिन अल्पाहार, लंच, फिजियोथेरेपी की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. मैचों का लाइव कवरेज 56 इंच की स्क्रीन पर किया जाएगा. मुरादाबाद टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजीव जैन ने बताया कि सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं. यह टूर्नामेंट स्वर्गवासी हरभजन सिंह चड्ढा की स्मृति में आयोजित किया जाता है और यह इसका 11वां संस्करण है.

डुप्लांटिस, ट्रोसचियांका, यान व झांग के विश्व रिकॉर्ड को दी आधिकारिक मान्यता

एजेंसियां । नई दिल्ली

वर्ल्ड एथलेटिक्स ने स्वीडन के मोंडो डुप्लांटिस के नवीनतम पोल वॉल्ट विश्व रिकॉर्ड और तीन अंडर-20 विश्व रिकॉर्ड्स को आधिकारिक मान्यता प्रदान की है. बुधवार को जारी बयान में संस्था ने इन चारों एथलीटों की ऐतिहासिक उपलब्धियों की पुष्टि की. टोक्यो में हुई विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मोंडो डुप्लांटिस ने 6.30 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए अपना ही विश्व रिकॉर्ड तोड़ा. इससे पहले उन्होंने 12 अगस्त 2025 को बुडापेस्ट में 6.29 मीटर का रिकॉर्ड बनाया था. यह उनके करियर का 14वां विश्व रिकॉर्ड और लगातार तीसरा विश्व चैंपियनशिप खिताब है. डुप्लांटिस ने कहा, "यह मेरी कल्पना से भी बढ़कर है. इतनी शानदार भीड़ के सामने विश्व रिकॉर्ड बनाना अविश्वसनीय अनुभव है." इस प्रतियोगिता में पहली बार इतिहास में सात खिलाड़ियों ने 5.90 मीटर या उससे अधिक ऊंचाई पार की, जबकि 5.95 मीटर की छलांग भी इस बार पदक के लिए पर्याप्त नहीं रही. चीन की झांग जियाले और यान ज़ियी ने क्वुझो में अगस्त में हुई चीनी राष्ट्रीय चैंपियनशिप में क्रमशः महिला अंडर-20 हैमर थ्रो और भाला फेंक में विश्व रिकॉर्ड बनाए.

18 वर्षीय झांग ने 2 अगस्त को 77.24 मीटर का थ्रो कर न केवल अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ सुधारा, बल्कि 2021 में फिनलैंड की सिल्जा कोसोनेन के 73.43 मीटर के रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया. उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में 76.15 मीटर फेंका और बाद में टोक्यो विश्व चैंपियनशिप में 77.10 मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक जीता. 17 वर्षीय यान ज़ियी ने 3 अगस्त को 65.89 मीटर का थ्रो कर महिला अंडर-20 भाला फेंक में नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने अपने ही पिछले रिकॉर्ड — 64.41 मीटर (क्वुझो 2024) और 64.83 मीटर (चेंगदू 2025) — को पार किया.

पोलैंड के ह्यूबर्ट ट्रोसचियांका ने 8 अगस्त को यूरोपीय अंडर-20 चैंपियनशिप (टाम्पेरे, फिनलैंड) में पुरुषों की डेकैथलन स्पर्धा में 8514 अंकों के साथ नया विश्व रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने जर्मनी के निक्लास काउल के 2017 के 8435 अंकों के रिकॉर्ड को तोड़ा और इतिहास में पहली बार किसी अंडर-20 एथलीट ने 8500 अंकों का आंकड़ा पार किया.

उनके प्रदर्शन में 100मी (10.74 सेकंड), लंबी कूद (7.26मी), गोला फेंक (15.48मी), ऊंची कूद (1.94मी), 400मी (46.21 सेकंड), 110मी बाधा दौड़ (14.23 सेकंड), डिस्कस (43.36मी), पोल वॉल्ट (4.80मी), भाला फेंक (68.87मी) और 1500मी (4:28.59 मिनट) शामिल रहे.

बहुतुले बने पंजाब किंग्स के स्पिन गेंदबाजी कोच

एजेंसियां । चंडीगढ़

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइज़ी पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने बुधवार को पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अनुभवी कोच सैराज बहुतुले को आगामी सीज़न के लिए टीम का स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त करने की घोषणा की. उन्होंने सुनील जोशी की जगह ली है, जो 2023 से 2025 तक इस पद पर कार्यरत थे. बहुतुले भारतीय घरेलू क्रिकेट के दिग्गज खिलाड़ियों में गिने जाते हैं और एक अनुभवी कोच के रूप में भी उनकी विशेष पहचान है. वह पहले केरल, गुजरात, विदर्भ और बंगाल जैसी टीमों के साथ कोचिंग कर चुके हैं. इसके अलावा, उन्होंने राजस्थान रॉयल्स (आईपीएल फ्रेंचाइज़ी) के साथ भी काम किया है, जहाँ उन्होंने युवा स्पिनरों के कौशल विकास और गेंदबाजी रणनीतियों को निखारने पर ध्यान केंद्रित किया.

पंजाब किंग्स के सीईओ सतीश मेनन ने बहुतुले का स्वागत करते हुए कहा, "हम सुनील जोशी को उनके समर्पण और योगदान के लिए धन्यवाद देते हैं. अब हमें सैराज बहुतुले को हमारे कोचिंग स्टाफ में शामिल करने की खुशी है. उनका अनुभव और खेल की गहरी समझ हमारी टीम की रणनीति को मजबूत बनाएगी. उनका ध्यान घरेलू गेंदबाज़ों को निखारने और एकजुट गेंदबाज़ी इकाई बनाने पर रहेगा." बहुतुले ने भी इस नई भूमिका पर अपनी उत्सुकता व्यक्त की. उन्होंने कहा, "मैं पंजाब किंग्स में स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल होकर बेहद रोमांचित हूं. यह टीम आक्रामक और आधुनिक क्रिकेट खेलने के लिए जानी जाती है. मैं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के साथ काम करने, उनके कौशल को और निखारने और टीम को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए उत्सुक हूं."

यह नियुक्ति आगामी आईपीएल नीलामी और नए सीज़न से पहले टीम की रणनीतिक तैयारियों को मजबूती देने की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है.

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका -पाकिस्तान टेस्ट : श्रृंखला 1-1 से की बराबर

दक्षिण अफ्रीका ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया

एजेंसियां । रावलपिंडी

दक्षिण अफ्रीका ने रावलपिंडी में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में पाकिस्तान को 8 विकेट से पराजित कर दो मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली. टीम की जीत में स्पिन जोड़ी केशव महाराज और साइमन हार्मर का अहम योगदान रहा. महाराज ने मैच में 9 विकेट (9/136) और हार्मर ने 8 विकेट (8/125) अपने नाम किए.

पाकिस्तान ने पहली पारी में 333 रन बनाए, जिसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने 404 रन बनाकर 71 रनों की बढ़त हासिल की. इसके बाद मेज़बान टीम दूसरी पारी में स्पिनरों के सामने टिक नहीं पाई और चौथे दिन उसकी पारी 138 रन पर सिमट गई.

दिन की शुरुआत में पाकिस्तान का स्कोर 94/4 था. कप्तान बाबर आज़म (50) ने पचासा पूरा किया, लेकिन जल्द ही हार्मर की गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हो गए. इसके बाद मोहम्मद रिज़वान शॉर्ट लेग पर कैच दे बैठे और हार्मर ने अपनी पारी की पांचवीं सफलता हासिल की.

नोमान अली ने विकेटकीपर को कैच थमाया, जिससे हार्मर ने अपने फ़र्स्ट-क्लास करियर का 1000वां विकेट पूरा किया.

शाहीन अफरीदी लगातार तीसरी बार शून्य पर आउट हुए. सलमान अली आगा (28) ने कुछ आक्रामक शॉट खेले, लेकिन अंततः महाराज ने उन्हें बोल्ड किया और फिर साजिद खान को स्टंप कराकर पाकिस्तान की पारी समाप्त की.

छोटे लक्ष्य 68 रन का पीछा करते हुए एडन मार्करम (42) और रयान रिकेलटन (25)* ने टीम को आसान जीत दिलाई. मार्करम ने शानदार बल्लेबाज़ी करते हुए साजिद खान और नोमान अली को निशाना बनाया. मार्करम और ट्रिस्टन स्टब्स के आउट होने के बाद रिकेलटन ने छक्के के साथ मैच समाप्त किया.

संक्षिप्त स्कोर:
पाकिस्तानः 333 और 138 (बाबर 50; हार्मर 6/50, महाराज 2/34)
दक्षिण अफ्रीकाः 404 और 73/2 (मार्करम 42, रिकेलटन 25*)

'व्हाइट बॉल सीरीज' के लिए पाक टीम का ऐलान, बाबर आजम व नसीम की वापसी

एजेंसियां । लाहौर

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने साउथ अफ्रीका और श्रीलंका के खिलाफ होने वाली आगामी 'व्हाइट बॉल सीरीज' तथा श्रीलंका-जिम्बाब्वे के साथ होने वाली टी20 त्रिकोणीय सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है. टी20 टीम में 15, जबकि वनडे टीम में 16 खिलाड़ियों को शामिल किया गया है. सलमान आगा को टी20 टीम का कप्तान बरकरार रखा गया है, वहीं तेज़ गेंदबाज़ शाहीन शाह अफरीदी को वनडे टीम की कमान सौंपी गई है. इस बार बाबर आजम, अब्दुल समद और नसीम शाह की टीम में वापसी हुई है. इसके अलावा, फैसल अकरम, हारिस रऊफ और हसीबुल्लाह को भी वनडे टीम में जगह दी गई है. टी20 टीम में उस्मान तारिक एकमात्र अनकैप्ड खिलाड़ी हैं. बाबर आजम ने आखिरी बार दिसंबर 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 मैच खेला था, जबकि नसीम शाह आखिरी बार नवंबर 2024 में टी20 और अगस्त 2025 में वनडे मैच में नजर आए थे. टी20 टीम में फखर जमान, हारिस रऊफ और सुफियान मुकीम को रिज़र्व खिलाड़ियों के रूप में चुना गया है. वर्तमान में पाकिस्तान साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेल रहा है, जिसके बाद दोनों देशों के बीच तीन टी20 और तीन वनडे मैच होंगे. इसके बाद पाकिस्तान 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ तीन वनडे मैचों की मेजबानी करेगा. टी20 विश्व कप की तैयारी के तहत 19 नवंबर से पाकिस्तान, श्रीलंका और जिम्बाब्वे के बीच त्रिकोणीय टी20 सीरीज खेली जाएगी.

न्यूज अपडेट

दरियासराय के पास पंचाने नदी में दो चचेरे भाइयों की डूबने से हुई मौत

नालंदा। सिलाव थाना क्षेत्र के दरियासराय गांव के पास पंचाने नदी में बुधवार दोपहर दो चचेरे भाइयों की डूबने से मौत हो गई. मृतकों की पहचान शशिभूषण प्रसाद के 15 वर्षीय पुत्र अमन कुमार और पप्पू प्रसाद के 13 वर्षीय पुत्र हिमांशु कुमार के रूप में हुई है. दोनों बिहारशरीफ में रहकर पढ़ाई करते थे और दीपावली मनाने के लिए अपने गांव आए थे. परिवार के अनुसार, दोनों दोपहर करीब तीन बजे स्नान करने के लिए घर से निकले थे, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटे. खोजबीन के बावजूद कोई सुराग नहीं मिला. गुरुवार सुबह ग्रामीणों ने नदी किनारे दो जोड़ी चप्पल और कपड़े देखे, जिससे आशंका हुई कि कोई हादसा हुआ है. परिजनों ने मौके पर पहुंचकर कपड़ों और चप्पलों से बच्चों की पहचान की. ग्रामीणों की मदद से नदी में खोजबीन के दौरान दोनों के शव बरामद किए गए. ग्रामीणों का आरोप है कि पंचाने नदी में अवैध बालू खनन के चलते गहरे गड्ढे बन गए हैं, जिनमें अक्सर लोग डूब जाते हैं.

उमेशनगर स्टेशन : ट्रेन की चपेट में आने से चार रिश्तेदारों की मौत

बेगूसराय। जिले के बरौनी-कटिहार रेल खंड के साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के उमेशनगर स्टेशन के ढाला के पास बुधवार देररात डाउन आम्रपाली एक्सप्रेस की चपेट में आने से चार रिश्तेदारों की मौत हो गई. साहेबपुर कमाल थानाध्यक्ष सिंटू कुमार ने इसकी पुष्टि की है. मृतकों की पहचान साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के रहुआ गांव के निवासी किशुन महतो के 40 वर्षीय पुत्र धर्मदेव महतो, मदन महतो की 35 वर्षीय पत्नी रीता देवी, उनकी 14 वर्षीय बेटी रौशनी कुमारी और नीतीश कुमार की सात वर्षीय बेटी आरोही कुमारी के रुप में हुई है. सभी एक ही घर में रहते थे. यह लोग रघुनाथपुर गांव के काली पूजा के मेले में शामिल होने के बाद अपने गांव रहुआ लौट रहे थे. रहुआ जाने के लिए लोग आमतौर पर रेलवे ट्रैक के किनारे के रास्ते का उपयोग करते हैं. इस मार्ग पर यह लोग आम्रपाली एक्सप्रेस की चपेट में आ गए. सूचना पाकर पहुंची साहेबपुर कमाल थाना की पुलिस ने शवों को बेगूसराय सदर अस्पताल पहुंचाया.

जिलाधिकारी ने राजकीय पॉलिटेक्निक बरारी वज्रगृह का किया निरीक्षण

भागलपुर। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन के अंतर्गत भागलपुर में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण वातावरण में चुनाव संपन्न कराने को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉक्टर नवल किशोर चौधरी ने गुरुवार को 154- पीरपैंती के सामान्य प्रेक्षक आर लीली, 155- कहलगांव के सामान्य प्रेक्षक पंकज, 156- भागलपुर के सामान्य प्रेक्षक अनिल मेशराम, 158- नाथनगर के सामान्य प्रेक्षक अबू तायंग के साथ राजकीय पॉलिटेक्निक बरारी में बनाए गए संग्रहण केंद्र सह वज्रगृह का निरीक्षण किया. उन्होंने अलग-अलग विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए बनाए गए वज्रगृह के कमरों को दिखलाते हुए बताया कि कहां कहां ईवीएम रखा जाएगा, कहां-कहां मतगणना होगी. कहां पर निर्वाची पदाधिकारी और प्रेक्षक बैठेंगे. वहां के रिसीविंग सेंटर तथा वाहनों के लिए वाहन पार्किंग स्थल के संबंध में भी अवगत कराया. उन्होंने कहा कि वज्रगृह में सीसीटीवी कैमरा लगा रहेगा साथ ही सीआरपीएफ के जवान 24 घंटे निगरानी रखेंगे.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद के काल को जंगलराज बताते हुए करारा प्रहार किया, कहा-

आज बिहार में अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है

शुभम संदेश। गोपालगंज

जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गोपालगंज जिले के भोरे और बरौली विधानसभा क्षेत्रों में आयोजित जनसभाओं के दौरान राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी पर करारा प्रहार किया. नीतीश ने बिना नाम लिए लालू यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि "जब उसको हटना पड़ा तो अपनी पत्नी को मुख्यमंत्री बना दिया. हमने अपने घर से किसी को राजनीति में लाया क्या? ये सब अपने घर में ही करते हैं, क्या ये ठीक है?" मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में लालू यादव के शासनकाल को "जंगलराज का दौर" बताते हुए कहा कि 2005 से पहले बिहार में अपराध अपने चरम पर था. "तब लोग शाम के बाद घरों से बाहर निकलने से डरते थे. आज किसी भी समय कोई बाहर जा सकता है, क्योंकि अब बिहार में कानून का राज है, अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है." उन्होंने दावा किया कि उनकी सरकार ने राज्य में अमन और शांति का माहौल कायम किया है.

नीतीश कुमार ने जनता से अपील करते हुए कहा कि बिहार अब जाति और धर्म की राजनीति से आगे बढ़ चुका है. "हमने हमेशा सबका साथ और सबका विकास किया है. पहले कितने हिंदू-मुस्लिम झगड़े होते थे, लेकिन अब सब शांति से रहते हैं." उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता बिहार का विकास है, न कि परिवारवाद या तुष्टिकरण की राजनीति. मुख्यमंत्री ने जनसभाओं में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य की एनडीए सरकार की उपलब्धियों को गिनाया. उन्होंने कहा कि दोनों सरकारों ने मिलकर बिहार को विकास की नई राह पर आगे बढ़ाया है. "सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जितना काम पिछले दो दशकों में हुआ, उतना पहले कभी नहीं हुआ." उन्होंने जनता से अपील की कि गोपालगंज की सभी छह विधानसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों को जिताएं ताकि "विकास की गति थमने न पाए."

नीतीश कुमार ने कहा कि जिन लोगों ने बिहार पर लंबे समय तक शासन किया, उन्होंने राज्य को लूटा और विकास को रोका. उन्होंने राजद पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए कहा कि उनका पूरा राजनीतिक ढांचा केवल एक परिवार के इर्द-गिर्द घूमता है.

उधर, महागठबंधन की ओर से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में तेजस्वी यादव ने दावा किया कि उनका मुस्लिम-यादव (एमवाई) समीकरण कुल वोटों का लगभग 32 प्रतिशत है, जो उनकी जीत की मजबूत नींव बनेगा. इसके जवाब में एनडीए खेमे का मानना है कि "जंगलराज और परिवारवाद" की चर्चा होते ही सवर्ण और वैश्य वर्ग एकजुट होकर एनडीए के साथ खड़े हो जाते हैं, जिनकी हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत मानी जाती है. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नीतीश कुमार का सामाजिक समीकरण – कुर्मी, कुशवाहा, धानुक, दलित और अतिपिछड़ा वर्ग – अभी भी उनकी सबसे बड़ी ताकत है. इसके साथ ही विकास और सुशासन की छवि उन्हें बुद्धिजीवी वर्ग का समर्थन भी दिलाती है. यही संतुलन उन्हें आगामी विधानसभा चुनावों में फिर से जीत की राह पर ले जा सकता है.

आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को ले पुलिस ने जब्त किए 2.40 लाख

कटिहार। बिहार विस चुनाव-2025 के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता के अनुपालन और विधि-व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में निरंतर सघन वाहन जाँच की जा रही है. इसी क्रम में मुफ्फसिल क्षेत्र में फ्लाइंग स्क्वाड टीम के द्वारा 2,40,000 रुपये नगद राशि बरामद की गई. बरामद राशि के संबंध में जब पकडे गए सम्बंधित व्यक्ति से वैध कागजात व प्रमाण प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया, तो वे ना तो कोई दस्तावेज दिखा सके और ना ही कोई संतोषजनक उत्तर दे पाए. तत्पश्चात् बरामद नगद राशि को विधिसम्मत प्रक्रिया के अंतर्गत जब्ती सूची बनाकर जब्त किया गया. पुलिस ने बताया कि यह कार्रवाई आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन को रोकने और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए की जा रही है.

सैलरी बढ़ाए जाने के तेजस्वी के चुनावी वादे पर जीविका दीदियों ने कहा

नीतीश के शासन में हम सुरक्षित महसूस करते हैं

शुभम संदेश। पश्चिम चंपारण

बिहार विधानसभा चुनावी सरगर्मी के बीच राजनीति अपने चरम पर है. ऐसे में पूर्व उपमुख्यमंत्री और राजद नेता तेजस्वी यादव ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अगर उनकी पार्टी को सत्ता मिलती है, तो राज्य की जीविका दीदियों को हर महीने 30 हजार रुपए सैलरी दी जाएगी और सरकारी कर्मचारी का दर्जा भी प्रदान किया जाएगा. तेजस्वी का यह चुनावी दांव महिलाओं को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास माना जा रहा था, लेकिन यह दांव सफल होता नजर नहीं आ रहा है. तेजस्वी यादव के इस वादे के बावजूद जीविका दीदियों ने एनडीए सरकार पर ही भरोसा जताया है.

कई जीविका समूह की महिलाओं ने खुलकर कहा है कि वे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों से संतुष्ट हैं और उन्हीं को समर्थन देंगी. जीविका समूह से जुड़ी मंजू देवी ने कहा कि "हम लोगों को एनडीए सरकार पर ज्यादा भरोसा है. तेजस्वी यादव पर भरोसा नहीं है. चुनाव के समय बहुत लालच दिया जाता है, लेकिन उसका कोई फायदा नहीं होता.

लालू प्रसाद के समय सिर्फ वादे हुए, मिला जंगल राज." वहीं, निर्मला देवी ने कहा कि तेजस्वी यादव पर भरोसा नहीं किया जा सकता. उनके अनुसार, "एनडीए सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की है. नीतीश कुमार के शासन में हम सुरक्षित महसूस करते हैं." रामवती देवी ने बताया कि "सीएम नीतीश कुमार ने हमारे लिए बहुत काम किया है. तेल, राशन से लेकर समूह की सुविधाएं तक सबकुछ मिल रहा है. जीविका से जुड़ने के बाद आमदनी बढ़ी है और आत्मनिर्भरता भी मिली है."

एक अन्य जीविका दीदी बिंदु देवी ने कहा कि "पैसा पीएम मोदी और सीएम नीतीश ने दिया है, इसलिए हम इन्हीं को वोट देंगे. इस साल जीविका से जुड़ी हूं और 10,000 रुपए रोजगार के लिए मिले हैं." उषा देवी ने भी एनडीए सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि "मोदी और नीतीश दोनों पर भरोसा है. जीविका से 10,000 रुपए मिले हैं, सुविधाएं बढ़ी हैं और बिजली भी फ्री मिली है. तेजस्वी पर भरोसा नहीं है." वहीं, अनीता देवी ने कहा कि "सीएम नीतीश कुमार ने हमें आर्थिक सहायता दी है, जबकि तेजस्वी यादव ने अब तक कुछ नहीं किया." आभा देवी ने स्पष्ट कहा कि "हम तेजस्वी यादव को सपोर्ट नहीं करेंगे. हमारे बच्चों और महिलाओं के हित में नीतीश कुमार ही ठीक हैं." स्पष्ट है कि तेजस्वी यादव का यह चुनावी वादा जीविका दीदियों को प्रभावित करना मुश्किल लग रहा है.

पटना के बेऊर जेल में बड़ी कार्रवाई, 15 कुख्यात अपराधी शिफ्ट किए गए

पटना। बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए प्रशासन ने बेऊर जेल में बंद वांछित और कुख्यात अपराधियों की सूची तैयार कर उनके स्थानांतरण की प्रक्रिया शुरू कर दी है. सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से पटना जिले के 15 कुख्यात अपराधियों को अन्य जेलों में शिफ्ट किया गया है. पटना के एसएसपी ने बताया कि यह कदम इसलिए उठाया गया है ताकि ये अपराधी जेल से चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित न कर सकें. अन्य अपराधियों के ट्रांसफर की प्रक्रिया भी जारी है और यह अभियान निरंतर चलेगा. चुनाव को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए लगातार सख्ती बरत रही है. इसी क्रम में गुरुवार सुबह बेऊर जेल में वरीय अधिकारियों की मौजूदगी में औचक छापेमारी की गई. छापेमारी के दौरान जेल परिसर से पांच कीपैड मोबाइल, सिम कार्ड और ईयरबड बरामद किए गए. अधिकारियों ने कहा कि जेल के अंदर से आपराधिक गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए यह अभियान आगे भी जारी रहेगा. गौरतलब है कि बुधवार को पत्रकार नगर और चित्रगुप्त नगर थाना क्षेत्र में निजी स्कूल संचालक और बैंक अधिकारी को धमकी देने के मामले में दो अपराधियों की गिरफ्तारी के बाद जेल कनेक्शन का खुलासा हुआ था.

सेब के निशान पर मैदान में उतरे रणविजय सिंह

आरा। बड़हरा विधानसभा क्षेत्र से चुनावी मैदान में उतरने वाले पूर्व विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) रणविजय सिंह को चुनाव आयोग ने उनका चुनाव चिन्ह 'सेब' प्रदान किया है. चुनाव प्रतीक मिलने के बाद उन्होंने बुधवार को अपने आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर औपचारिक रूप से चुनाव प्रचार की शुरुआत की. प्रेस वार्ता के दौरान रणविजय सिंह ने कहा कि अब वे सेब के निशान पर जनता के बीच जाएंगे और क्षेत्र के सर्वांगीण विकास को चुनाव का मुख्य मुद्दा बनाएंगे. उन्होंने कहा, "मैं बड़हरा की जनता से अपील करता हूं कि विकास और सम्मान के लिए सेब के निशान पर बटन दबाएं." उन्होंने वर्तमान विधायक पर निशाना साधते हुए कहा कि कई वर्षों से प्रतिनिधित्व के बावजूद बड़हरा आज भी विकास की राह खोज रहा है. गांवों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसी बुनियादी सुविधाएं बदहाल हैं. जनता को केवल वादे मिले, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई ठोस काम नहीं हुआ. रणविजय सिंह ने यह भी स्पष्ट किया कि यह चुनाव पार्टी आधार पर नहीं, बल्कि उम्मीदवार की कार्यशैली और जनता से जुड़ाव पर होना चाहिए.

राजद जिलाध्यक्ष की जिम्मेवारी अविनाश के कंधे पर

अररिया। राजद जिलाध्यक्ष के पद पर अविनाश आनंद का मनोनयन किया गया है.राजद प्रदेश अध्यक्ष मंगनी लाल मंडल ने पत्र जारी कर अररिया राजद जिलाध्यक्ष के खाली पद पर अविनाश आनंद का मनोनयन किया है.प्रदेश अध्यक्ष ने पत्र जारी करते हुए आशा व्यक्त की कि अविनाश आनंद के नेतृत्व में जिला का सांगठनिक आधार अत्यधिक सुदृढ़ होगा तथा आमजनों के बीच राष्ट्रीय जनता दल की भूमिका का प्रभावकारी विस्तार होगा. अविनाश आनंद के जिलाध्यक्ष मनोनयन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें बधाई दी है.अविनाश आनंद वर्तमान समय राजद अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष के पद पर थे.राजद से फारबिसगंज विधानसभा क्षेत्र से टिकट के प्रबल दावेदार थे.लेकिन फारबिसगंज की सीट कांग्रेस के खाते में चले जाने के कारण टिकट से उन्हें वंचित होना पड़ा.जिला से लेकर प्रदेश स्तर के कई पदों पर आसीन रहते हुए लगातार जिला से प्रदेश स्तर के कार्यक्रमों में शिरकत कर पार्टी को मजबूती प्रदान करने का काम किया है. अविनाश आनंद के जिलाध्यक्ष मनोनयन पर राजद नेता शाहनवाज आलम, लवली नबाब, अरुण यादव, डॉ क्रांति कुंवर, प्रो.उद्यानंद यादव,प्रो. साबिर इदरीश,राजा अली, इंजीनियर आयुष अग्रवाल, महानंद और कार्यकर्ताओं ने बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में पार्टी को मजबूती मिलेगी और आगामी विधानसभा चुनाव में अररिया जिला से राजद समेत महागठबंधन दल के प्रत्याशियों को सफलता मिलेगी.

कारोबार

चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था में 6.7-6.9% वृद्धि का अनुमान लगाया

नयी दिल्ली। डेलॉयट इंडिया ने गुरुवार को जारी अपनी रिपोर्ट में बताया कि चालू वित्त वर्ष में भारत की अर्थव्यवस्था 6.7 से 6.9 प्रतिशत की दर से बढ़ सकती है. अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.8 प्रतिशत बढ़ चुकी है. डेलॉयट की 'भारत का आर्थिक परिदृश्य' रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद की औसत वृद्धि दर 6.8 प्रतिशत रहने की संभावना है, जो उनके पिछले अनुमान से 0.3 प्रतिशत अंक अधिक है. यह आर्थिक प्रदर्शन भारत की लचीलेपन और मजबूती को दर्शाता है, जो अधिकांश अन्य देशों की तुलना में बेहतर उभर रहा है. अगले वर्ष भी इसी तरह की वृद्धि की उम्मीद जताई गई है.

भाई दूज के दिन चार से छह हजार रुपये तक सस्ती हुई चांदी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार मे चांदी के भाव में लगातार गिरावट का रुख बना हुआ है. आज भाई दूज के दिन भी इस चमकीली धातु की कीमत में 4 हजार से 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट दर्ज की गई है. दिल्ली में चांदी 4 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूटा है, तो चेन्नई में इसकी कीमत में 6 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक गिरावट दर्ज की गई है. दिल्ली में आज चांदी की कीमत गिर कर 1,59,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है. इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,59,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है. वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,60,000 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में 1,59,400 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है.

रिलायंस इंडस्ट्रीज रूस से कच्चे तेल की खरीदारी में कमी कर सकती है

अमेरिका-यूरोप के नए प्रतिबंधों का असर

एजेंसी। नयी दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने रूस से कच्चे तेल की खरीदारी में संभावित कमी के संकेत दिए हैं. कंपनी ने कहा है कि वह रूस से तेल का आयात भारत सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार ही करेगी. यह निर्णय अमेरिका और यूरोप द्वारा रूस पर लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद आया है, जो वैश्विक ऊर्जा बाजार और भारत की तेल आपूर्ति रणनीति दोनों पर असर डाल सकते हैं. रिलायंस रूस से सबसे अधिक कच्चा तेल खरीदने वाली भारतीय कंपनी है. हाल ही में अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है. जब रिलायंस से पूछा गया कि क्या वह रूस से तेल की खरीद कम करने की योजना बना रही है, तो कंपनी ने स्पष्ट किया कि वह रूस से तेल आयात को धीरे-धीरे बदल रही है और पूरी प्रक्रिया भारत सरकार के नियमों के तहत होगी. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर पहली बार कड़े प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें रूसी तेल कंपनियों लुकोइल और रोसनेफ्ट को निशाना बनाया गया है. इसके अलावा, यूरोपीय संघ ने रूस पर 19वें चरण के प्रतिबंध लागू किए हैं, जिनमें रूसी एलएनजी (तरल प्राकृतिक गैस) के आयात पर भी रोक शामिल है. ब्रिटेन ने भी हाल ही में लुकोइल और रोसनेफ्ट पर प्रतिबंध लगाए हैं.

इन प्रतिबंधों के बाद, भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियां रूस के साथ किए गए तेल खरीद समझौतों की समीक्षा कर रही हैं, ताकि सुनिश्चित किया जा सके कि कोई भी सप्लाई सीधे तौर पर इन प्रतिबंधित कंपनियों से न हो. भारत रूस से लगभग 34% कच्चा तेल आयात करता है, जो उसे रूस का सबसे बड़ा कस्टमर बनाता है. हालांकि, हाल के दिनों में रूस से तेल की खरीद में कमी आई है, जबकि अमेरिका से तेल और गैस की सप्लाई बढ़ी है. वर्तमान में भारत की कुल तेल और गैस की जरूरत का लगभग 10% अमेरिका से आता है. ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, रूसी तेल पर मिलने वाली छूट और अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल के बेंचमार्क मूल्य के बीच का अंतर काफी कम हो गया है. 2023 में यह अंतर प्रति बैरल 23 डॉलर से अधिक था, लेकिन अक्टूबर 2025 तक यह केवल 2-2.5 डॉलर रह गया है. इस कारण मिडिल ईस्ट और अमेरिकी कच्चे तेल बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धा बढ़ी है.

रूसी तेल पर मिलने वाली छूट के कारण भारत ने वित्तीय वर्ष 2025 में लगभग 3.8 अरब डॉलर की बचत की है. हालांकि, अमेरिका द्वारा रूस पर लगाए गए नए प्रतिबंधों और तेल की कीमतों में वृद्धि के बाद, ब्रेंट क्रूड की कीमत लगभग 64 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है, जिससे तेल की खरीद महंगी हो गई है. अमेरिका-यूरोप के प्रतिबंधों और बाजार की बदलती परिस्थितियों के बीच, भारत अपनी तेल आपूर्ति में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है. रूस से कच्चे तेल की खरीद में कमी और अमेरिका से सप्लाई बढ़ाना इसका संकेत है. रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे बड़े तेल आयातक भी अपनी खरीद रणनीति को सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार बदल रहे हैं.

भारत में ऑनलाइन खरीदारी की निर्भरता अब त्योहारी मौसम तक सीमित ही नहीं रह गयी

नयी दिल्ली। परामर्शदाता कंपनी रेडसीर की ताज़ा रिपोर्ट के अनुसार, भारत में ऑनलाइन खुदरा क्षेत्र अब पूरे वर्ष में संतुलित मांग के साथ बढ़ रहा है. पहले जहां ऑनलाइन खरीदारी मुख्य रूप से त्योहारी मौसम पर केंद्रित होती थी, वहीं अब लोग साल भर ऑनलाइन खरीदारी कर रहे हैं. हालांकि, मोबाइल और इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की बिक्री अभी भी त्योहारी सीजन के दौरान चरम पर पहुंचती है और ये श्रेणियां बिक्री के उतार-चढ़ाव में सबसे अधिक प्रभावित होती हैं. रिपोर्ट में मोबाइल श्रेणी का मौसमी सूचकांक 1.7 बताया गया है, जो दर्शाता है कि यह क्षेत्र त्योहारी सीजन के प्रभाव को सबसे ज्यादा महसूस करता है. इलेक्ट्रॉनिक्स की मांग का सूचकांक 1.3 है, जो दूसरे स्थान पर है. मोबाइल फोन की मासिक मांग का सूचकांक 2.3 के करीब है, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स का लगभग 2.0 रहता है. ये आंकड़े सितंबर और अक्टूबर के महीनों में इन उत्पादों की मांग के अधिकतम स्तर को दर्शाते हैं. रेडसीर ने सुझाव दिया है कि ब्रांडों को त्योहारी सीजन पर निर्भरता कम करने के लिए साल की पहली तिमाही में विशेष ऑफ़र और प्रचार अभियान चलाना चाहिए. इससे न सिर्फ बिक्री के सुस्त महीनों में मांग बढ़ेगी, बल्कि कंपनियां पूरे साल स्थिरता से कारोबार कर सकेंगी. रिपोर्ट में कहा गया है कि भविष्य में वे कंपनियां बाज़ार की अग्रणी बनेंगी, जो त्योहारों के दौरान उच्च मांग के साथ-साथ अन्य महीनों में भी उपभोक्ताओं की जरूरतों को पूरा करने में सफल होंगी.

देश के इस्पात क्षेत्र को सस्ते आयात व डंपिंग से चुनौती

नयी दिल्ली। देश के इस्पात क्षेत्र ने 2023-24 और 2024-25 के दौरान प्रमुख वैश्विक स्टील उत्पादकों के सस्ते आयात और डंपिंग के चलते गंभीर चुनौतियों का सामना किया है. आरबीआई के अक्टूबर बुलेटिन में प्रकाशित एक लेख के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस्पात की कीमतों में गिरावट के कारण भारत में इस्पात आयात में 2023-24 में 22 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जिससे घरेलू उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा. इस वृद्धि ने घरेलू इस्पात क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता को प्रभावित किया है और इसके लिए नीतिगत समर्थन की आवश्यकता है. स्टील अंडर सीजः अंडरस्टैंडिंग द इम्पैक्ट ऑफ डंपिंग ऑन इंडियाह शीर्षक वाले लेख में भी बताया गया है कि वैश्विक स्तर पर सस्ते इस्पात की डंपिंग से भारत के घरेलू इस्पात उद्योग को गंभीर खतरा है, जिसे उचित नीतिगत उपायों से कम किया जा सकता है. हाल ही में भारत ने इस्पात आयात पर सुरक्षा शुल्क लगाने की पहल की है, जो डंपिंग के खिलाफ एक प्रभावी कदम माना जा रहा है.

शेयर बाजार

दिवाली के बाद शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है

सेंसेक्स 800 अंक से ऊपर, निफ्टी 26,000 के पार

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिवाली के बाद शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी देखी जा रही है. बीएसई सेंसेक्स कारोबार के दौरान 800 अंक से अधिक बढ़ गया जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी50 इंडेक्स 26,000 के पार पहुंच गया. निवेशकों की बढ़ती धारणा और बाजार में सकारात्मकता की वजह से दोनों प्रमुख इंडेक्स ऑल-टाइम हाई के करीब पहुंच गए हैं. 12:38 बजे सेंसेक्स 804.33 अंक यानी 0.95% की तेजी के साथ 85,230.67 अंक पर ट्रेड कर रहा था. इसी तरह, निफ्टी 227.30 अंक या 0.88% की बढ़त के साथ 26,095.90 अंक पर था. इस तेजी के पीछे कंपनियों की बेहतर कमाई की उम्मीद और विदेशी निवेशकों के वापस लौटने का बड़ा योगदान है. फेस्टिव सीजन में उपभोक्ता मांग में बढ़ोतरी के साथ-साथ हाल की टैक्स और पॉलिसी सपोर्ट के चलते वित्तीय वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनियों के मुनाफे में बढ़ोतरी की उम्मीद है. इसी कारण बाजार में निवेशकों का विश्वास बढ़ा है, जिससे शेयरों में खरीदारी हुई है. सेक्टोरल प्रदर्शन की बात करें तो निफ्टी आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 1.84% की तेजी दर्ज की गई, जबकि निफ्टी रियल्टी इंडेक्स में मामूली गिरावट 0.08% आई. ब्रॉडर मार्केट में भी उत्साह दिखा, निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 0.33% चढ़ा और निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 0.44% ऊपर रहा.

कंपनियों के शेयरों की बात करें तो इन्फोसिस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली. वहीं बजाज फिनसर्व, मारुति और पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट आई. निफ्टी के अन्य शेयरों में इंडिगो, आयशर मोटर्स और सन फार्मा लाइफ के शेयर कमजोर नजर आए. आज कई बड़ी कंपनियां अपनी दूसरी तिमाही के नतीजे भी जारी करेंगी, जिनमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोलगेट पामोलिव (इंडिया), लॉरस लैब्स, पीटीसी इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज, टाटा टेलीसर्विसेज (महाराष्ट्र), फैबटेक टेक्नोलॉजीज, जंबो बैग, आंध्र सीमेंट्स, सागर सीमेंट्स, साउथ इंडिया पेपर मिल्स और वर्धमान टेक्सटाइल्स शामिल हैं. इन नतीजों से भी बाजार की दिशा प्रभावित हो सकती है. कुल मिलाकर, दिवाली के बाद निवेशकों की धारणा मजबूत होने से बाजार में खरीदारी का मूड बना हुआ है. कंपनियों की बढ़ती कमाई और विदेशी निवेशकों के विश्वास ने सेंसेक्स और निफ्टी को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है. आने वाले दिनों में फेस्टिव सीजन की मांग और वित्तीय नतीजों के आधार पर बाजार की दिशा तय होगी.

विदेशी निवेशकों ने आईटी शेयरों में निवेश में कटौती की

नयी दिल्ली। सितंबर तिमाही में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारत के प्रमुख आईटी शेयरों से अपने निवेश में भारी कटौती की है और अपनी पूंजी अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से जुड़ी कंपनियों में लगाना शुरू कर दिया है. इसी दौरान घरेलू म्यूचुअल फंड्स ने आईटी शेयरों में बढ़ती गिरावट को अवसर मानकर बड़ी मात्रा में खरीदारी की है. सितंबर तिमाही में इन्फोसिस, टीसीएस, एचसीएल टेक और टेक महिंद्रा जैसे शीर्ष आईटी शेयरों में विदेशी निवेशकों ने अपनी हिस्सेदारी कम की. इस दौरान 10 में से आठ कंपनियों में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली की, जबकि घरेलू म्यूचुअल फंड्स ने नौ कंपनियों में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई. विदेशी निवेशकों ने परसिस्टेंट सिस्टम में अपनी हिस्सेदारी 2.95% घटाकर 21.24% कर दी, जबकि म्यूचुअल फंड्स ने इसे 1.38% बढ़ाकर 23.71% कर लिया.

अमेरिकी टैरिफ से भारतीय चमड़ा उद्योग के राजस्व में 10-12% की गिरावट की संभावना

नयी दिल्ली। क्रिसिल रेटिंग्स की रिपोर्ट के अनुसार, इस वित्त वर्ष में अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव से भारतीय चमड़ा उद्योग और संबंधित उत्पाद कंपनियों के राजस्व में 10 से 12 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है. अमेरिका इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण निर्यात बाजार है, इसलिए इस टैरिफ का असर सीधे निर्यात मांग पर पड़ रहा है. रिपोर्ट में कहा गया है कि जीएसटी के युक्तिकरण और घरेलू मांग में मामूली सुधार के बावजूद निर्यात पर निर्भर कंपनियों की बिक्री में कमी आएगी. इसके साथ ही कम आयकर, नरम मुद्रास्फीति और कम ब्याज दर जैसे अन्य कारक भी इस गिरावट को प्रभावित करेंगे. खासकर अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत के टैरिफ से निर्यात की मात्रा में भारी कमी देखने को मिलेगी. वित्त वर्ष 2025 में भारतीय चमड़ा उद्योग ने लगभग 56,000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया, जिसमें लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा निर्यात का था. निर्यात का बड़ा भाग यूरोपीय संघ (50 प्रतिशत से अधिक) और अमेरिका (करीब 22 प्रतिशत) को जाता है. अमेरिका द्वारा अगस्त के पहले सप्ताह में 25 प्रतिशत पारस्परिक टैरिफ लागू किए जाने के बाद से ही निर्यात मांग में कमी के संकेत मिलने लगे थे. 27 अगस्त से लागू हुए अतिरिक्त 25 प्रतिशत दंडात्मक टैरिफ ने भारत को अन्य प्रमुख निर्यातक देशों जैसे कंबोडिया, इटली, वियतनाम और फ्रांस की तुलना में ज्यादा नुकसान पहुंचाया है. इन देशों पर अमेरिकी टैरिफ 15-20 प्रतिशत कम है, जिससे भारत की प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति कमजोर हुई है. इस प्रकार, अमेरिकी टैरिफ के चलते भारतीय चमड़ा उद्योग को वित्तीय वर्ष 2025-26 में गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जो इसके निर्यात और कुल राजस्व दोनों पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा.

न्यूज अपडेट

अमेरिका ने पूर्वी प्रशांत महासागर में तीन नार्को आतंकी मार गिराए

वाशिंगटन। अमेरिका ने संदिग्ध ड्रग तस्करों के खिलाफ अपना अभियान और तेज कर दिया. पूर्वी प्रशांत महासागर में लगातार दूसरे दिन बुधवार को एक जहाज पर घातक हमला कर उस पर मौजूद तीन नार्को आतंकियों को मार गिराया. ट्रंप प्रशासन ने कहा है कि इस अभियान में कोई ढील नहीं दी जाएगी. द न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने बुधवार देरशाम एक्स पोस्ट पर यह जानकारी साझा की. उन्होंने लिखा, ₹अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र में किए गए इस हमले के दौरान जहाज पर तीन पुरुष नार्को आतंकवादी सवार थे.₹ उन्होंने कहा कि अमेरिका में ड्रग पहुंचाने वालों को खोज-खोजकर मारा जाएगा.

न्यूजीलैंड में बेहतर वेतन की मांग को लेकर सड़क पर उतरे लोग

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड में सरकारी कर्मचारियों ने बेहतर वेतन, संसाधन और कार्यशैली सुधार की मांग को लेकर गुरूवार को देशभर में बड़ी हड़ताल की. इस हड़ताल में लगभग एक लाख से अधिक कर्मचारी शामिल हुए, जिनमें शिक्षक, नर्स, डॉक्टर, अग्निशमन अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी शामिल थे. वे दक्षिणपंथी सरकार की नीतियों के खिलाफ आक्रोश जताते हुए सड़कों पर उतरे और मार्च निकाला. देश के विभिन्न शहरों में कर्मचारियों ने तख्तियों व बैनरों के साथ प्रदर्शन किया और नारे लगाए. हालांकि, वेलिंगटन और क्राइस्ट चर्च में खराब मौसम के कारण विरोध प्रदर्शन रद्द करना पड़ा. यूनियनों ने इस हड़ताल को दशकों में सबसे बड़ी बताया है, जिसमें सार्वजनिक क्षेत्र के हजारों कर्मचारी शामिल हुए हैं.

पाक के बलोचिस्तान में निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों का अपहरण किया

क्वेटा। पाकिस्तान के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में एक निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों का अपहरण कर लिया गया. इस घटना से इस्लामाबाद तक हड़कंप मचा हुआ है. सेना ने सारे इलाके को घेरकर अगवा किए अधिकारियों की तलाश शुरू की है. फिलहाल इन अधिकारियों का कोई पता नहीं चल पाया है. द बलोचिस्तान पोस्ट (पश्तो भाषा) की रिपोर्ट के अनुसार, यह वारदात बुधवार को मस्तुंग जिले में हुई है. हथियारबंद लोग निर्माण कंपनी के नौ अधिकारियों को जबरन अपने साथ ले गए. इस घटना के बाद कुछ हथियारबंद लोगों ने कलात के मंगचर इलाके में क्वेटा-कराची मुख्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर वाहनों की तलाशी ली. सूत्रों के अनुसार, नाकाबंदी एक घंटे से अधिक समय तक जारी रही.

सूर्या का पलटवार, कहा- 'पूर्णिमा हो या अमावस्या, धूप खिली ही रहती है'

बेंगलुरू। भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने कर्नाटक मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ तीखा पलटवार किया है. हाल ही में सीएम सिद्धारमैया ने तेजस्वी सूर्या को अमावस्या करार देते हुए तंज कसा था, जिसका जवाब देते हुए तेजस्वी ने कहा कि मुख्यमंत्री मुझ पर निजी हमले कर रहे हैं, जो उनके पद के अनुरूप नहीं है. उन्होंने कहा, "पूर्णिमा हो या अमावस्या, धूप तो खिली रहती है. शायद यह बयान उन लोगों को खुश करने की कोशिश है जो अपनी खुशियों के लिए चांद देखते हैं." तेजस्वी सूर्या ने मुख्यमंत्री पर प्रशासनिक विफलताओं को लेकर भी सवाल उठाए.

पायलटों की मेडिकल जांच के लिए निजी मूल्यांकन केंद्रों को मंजूरी मिली

नयी दिल्ली। विमानन नियामक संस्था डीजीसीए ने पायलटों की मेडिकल जांच के लिए अब निजी एयरोमेडिकल मूल्यांकन केंद्रों को भी सूचीबद्ध करने का निर्णय लिया है. इस नए कदम का स्वागत एयरलाइंस पायलटों के संगठन एएलपीए इंडिया ने खुशी से किया है. संगठन का कहना है कि इससे अब पायलटों की नियमित मेडिकल जांच भारतीय वायु सेना के केंद्रों पर सीमित नहीं रहेगी, बल्कि निजी केंद्रों पर भी जांच संभव हो सकेगी. एएलपीए इंडिया ने बताया कि निजी केंद्रों को शामिल करने से पायलटों की मेडिकल जांच प्रक्रिया अधिक सुचारू, पारदर्शी और उच्च गुणवत्ता वाली होगी. इसके साथ ही यह कदम अंतरराष्ट्रीय विमानन मानकों के बेहतर पालन को सुनिश्चित करेगा. संगठन ने कहा कि यह फैसला निजी और सैन्य चिकित्सा मूल्यांकन प्रणालियों के बीच स्पष्ट विभाजन का एक बड़ा मील का पत्थर है.

संजय ने निकाय चुनाव से पूर्व विपक्षी एकता और मुंबई बचाने की अपील की

मुंबई। शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र में आगामी निकाय चुनावों से पहले विपक्षी दलों के बीच एकता की आवश्यकता पर जोर दिया है. उन्होंने कहा कि भाजपा को हराना और मुंबई को बचाना अब सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन गई है. राउत ने विशेष रूप से कांग्रेस के मराठी नेतृत्व से अपील की कि वे मुंबई पर मंडराते खतरे को समझें और शहर को सुरक्षित रखने के लिए आगे आएं. संजय राउत की यह टिप्पणी कांग्रेस के एमएलसी भाई जगताप के बयान के बाद आई है, जिसमें उन्होंने साफ कहा था कि कांग्रेस मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनाव में न तो शिवसेना (उद्धव गुट) और न ही राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ कोई गठबंधन करेगी.

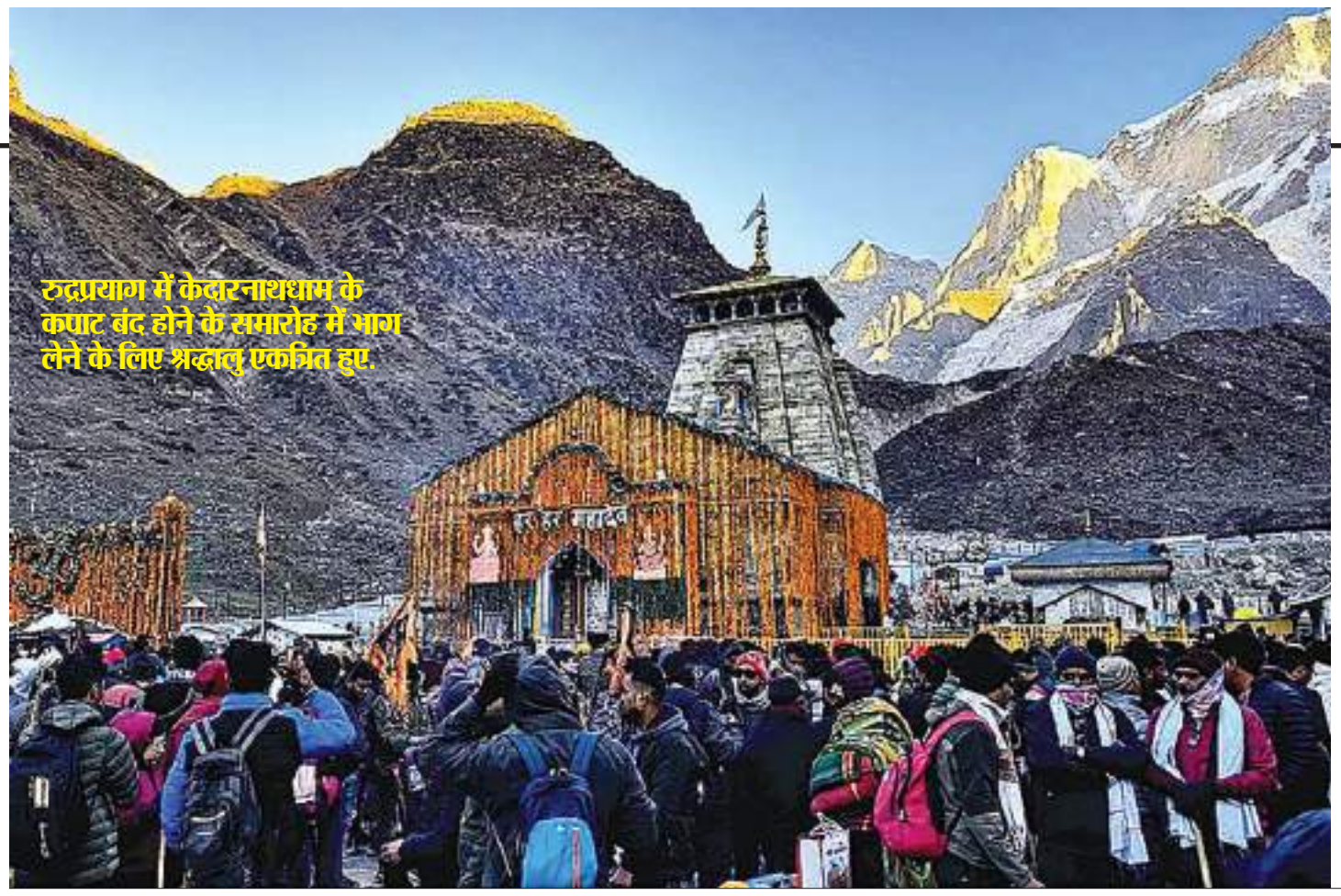

रुद्रप्रयाग में केदारनाथधाम के कपाट बंद होने के समारोह में भाग लेने के लिए श्रद्धालु एकत्रित हुए.

नेपाल में युवाओं ने संविधान संशोधन की मांग की, प्रचंड ने किया युवाओं का समर्थन

एजेंसी । काठमांडू

माओवादी पार्टी के अध्यक्ष पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' ने युवाओं की ओर से की गई निर्वाचन प्रणाली जैसे विषयों पर संविधान संशोधन की मांग का समर्थन करने की घोषणा की है. प्रचंड ने कहा कि समय पर संसदीय चुनाव सुनिश्चित करने और युवाओं की मांगों को पूरा करने के लिए संविधान संशोधन करके देश को निर्वाचन की तरफ आगे बढ़ाना चाहिए. पार्टी के एक कार्यक्रम में प्रचंड ने कहा कि देश वर्तमान में एक जटिल राजनीतिक स्थिति का सामना कर रहा है, जिसका समाधान समय पर चुनाव संपन्न करना है. उन्होंने कहा कि यह चुनाव तब तक नहीं हो सकता है, जब तक कि संविधान संशोधन न हो जाए. उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सभी राजनीतिक दलों, नागरिक समाज और युवाओं की आपसी सहमति से संविधान में संशोधन कर देश के चुनाव का माहौल बनाने की ओर आगे बढ़ना चाहिए. प्रचंड ने कहा कि संविधान के अनुसार संघीय लोकतांत्रिक गणतंत्र की व्यवस्था को कायम रखते हुए समावेशी सिद्धांत, पहचान के अधिकार को बचाना चाहिए. उन्होंने कहा कि इसके अलावा संविधान में आवश्यकता के मुताबिक संशोधन किया जा सकता है. उन्होंने युवाओं की ओर से उठाई गई संविधान संशोधन की मांग को महत्व के साथ आगे बढ़ाना चाहिए.

अमेरिका के तेल कंपनियों पर प्रतिबंध के बाद ईयू ने भी दिया पुतिन को झटका

रूस के छद्म तेल बेड़े पर लगाया बैन

एजेंसी । ब्रुसेल्स

रूस पर यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए दबाव बढ़ता ही जा रहा है. अमेरिका के ट्रंप प्रशासन द्वारा रूस की दो बड़ी तेल कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने के एक दिन बाद यूरोपीय संघ ने भी रूस के छद्म तेल बेड़े पर प्रतिबंध लगा दिया है. साथ ही यूरोपीय संघ ने रूस से होने वाले एलएनजी आयात पर भी नए प्रतिबंध लगा दिए हैं. गुरुवार को डेनमार्क के यूरोपीय संघ के अध्यक्ष और विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने नए प्रतिबंधों की घोषणा की.

'यूक्रेन के लिए आज अच्छा दिन' : डेनमार्क के विदेश मंत्री लार्स लोके रासमुसेन ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के नेताओं के शिखर सम्मेलन के दौरान रूस पर लगे प्रतिबंधों का एलान करते हुए कहा कि, 'आज यूरोप और यूक्रेन के लिए एक अच्छा दिन है.' 27 देशों वाले यूरोपीय संघ के भीतर रूसी राजनयिकों की आवाजाही को सीमित करने पर भी सम्मेलन में

सहमति बनी. नए प्रतिबंधों का उद्देश्य रूस के तेल उद्योग पर दबाव बनाना और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बातचीत की मेज पर लाना है. अमेरिका का मानना है कि रूस के तेल उद्योग ही यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को वित्तपोषण दे रहा है. यही वजह है कि अब अमेरिका और पश्चिम के देश रूस की इसी ताकत पर प्रहार कर रहे हैं.

रूस का छाया बेड़ा क्या है : रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते अमेरिका और पश्चिमी देशों ने रूस पर कई तरह के आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए हैं. इन प्रतिबंधों के चलते रूस के लिए अंतरराष्ट्रीय शिपिंग नियमों के तहत अपना कच्चा तेल बेचना मुश्किल हो गया है. युद्ध के लिए धन जुटाने के लिए रूस का कच्चे तेल की बिक्री करना बेहद जरूरी है. ऐसे में नियमों का पालन किए बिना तेल बेचते रहने और पैसा कमाते रहने के लिए, रूस ने इस छाया बेड़े का निर्माण किया. रूस के छाया बेड़े में पुराने जहाज शामिल हैं, जिनमें से ज़्यादातर तेल टैंकर हैं. इनका इस्तेमाल रूस की सरकार पश्चिमी प्रतिबंधों से बचते हुए गुप्त तरीके से दुनिया भर में तेल निर्यात करने के लिए करती है. ये जहाज अपनी गतिविधियों को छिपाते हैं, बार-बार झंडे बदलते हैं, और फर्जी नामों या मालिकों के नाम से काम करते हैं. इन्हें ही छाया बेड़ा कहा जाता है. इन्हें ट्रैक करना मुश्किल है क्योंकि ये अंतरराष्ट्रीय शिपिंग नियमों के बाहर होते हैं.

अमेरिका ने रूस की दो तेल कंपनियों पर लगाया प्रतिबंध : इससे पहले अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने बुधवार को घोषणा की है कि अमेरिका ने रूस की दो सबसे बड़ी तेल कंपनियों रोसनेफ्ट और लुकोइल सहित दर्जनों सहायक कंपनियों पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं. रोसनेफ्ट और लुकोइल के साथ-साथ दर्जनों सहायक कंपनियों पर प्रतिबंध का यह निर्णय महीनों से चल रहे दलीय दबाव के बाद लिया गया, जिसमें सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से रूस के तेल उद्योग को निशाना बनाने की मांग की थी.

ट्रंप-पुतिन की मुलाकात स्थगित होने के एलान के बाद हुआ सम्मेलन : यूरोपीय संघ ने यूक्रेन युद्ध को लेकर रूस पर पहले ही 18 तरह के प्रतिबंध लगाए हुए हैं. शिखर सम्मेलन ट्रंप के उस बयान के बाद हो रहा है जिसमें उन्होंने कहा था कि पुतिन के साथ जल्द मुलाकात की उनकी योजना स्थगित कर दी गई है क्योंकि वह समय की बर्बादी नहीं करना चाहते.

असम के कोकराझार में रेलवे ट्रैक पर बम विस्फोट

एजेंसी । कोकराझार

असम के कोकराझार जिला शहर के पास रेलवे ट्रैक पर बम विस्फोट से काफी नुकसान हुआ है. यह विस्फोट अलीपुरद्वार डिवीजन पूर्वोत्तर सीमांत, रेलवे (पूसीरे) के क्षेत्र में हुआ है. पूसीरे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने आधिकारिक बयान में कहा कि आधीरात बाद करीब 1.00 बजे एक मालगाड़ी आप आजरा शुगर सलाकाटी और कोकराझार के बीच से गुजर रही थी. तभी ट्रेन मैनेजर ने जोरदार झटके की सूचना दी. इसके बाद ट्रेन रोक दी गई. जांच करने पर पता चला कि संदिग्ध बम ब्लास्ट की वजह से ट्रैक और स्लीपर को नुकसान हुआ है. राज्य पुलिस, आरपीएफ और इंटेलिजेंस के अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं. बयान में कहा गया कि सुबह 5.25 बजे ट्रैक ठीक कर दिया गया और यातायात सामान्य रूप से चल रहा है. इस घटना की वजह से करीब आठ ट्रेनें रुकी रहीं. सेक्शन में पेट्रोलिंग बढ़ा दी गई है. बम विस्फोट के पीछे किसका हाथ है, इसका पता नहीं चल सका है.

सेना-रॉयल आर्मी के बीच रक्षा सहयोग को नई ऊंचाई

नई दिल्ली। भारतीय सेना और ओमान की रॉयल आर्मी के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूती देने के लिए तीसरी आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ टॉक्स नई दिल्ली में 22 से 23 अक्तूबर तक आयोजित हुई. इस महत्वपूर्ण बैठक में दोनों देशों के सैन्य अधिकारी रक्षा क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने के नए उपायों पर विस्तृत चर्चा की. भारतीय सेना के जन सूचना निदेशालय ने एक्स (ट्विटर) पर कहा कि इस बैठक के दौरान संयुक्त सैन्य अभ्यासों के विस्तार, विशेषज्ञों के आदान-प्रदान, प्रशिक्षण सहयोग को बढ़ाने और सैन्य शिक्षा एवं क्षमता विकास के नए अवसर तलाशने पर सहमति बनी. ये सभी पहलें डिफेंस कोऑपरेशन प्लान 2026 के तहत आगे बढ़ाई जाएंगी. बैठक के दौरान एडीजी पीआई ने इस सहयोग को 'सैन्य कूटनीति' में एक नई दिशा देने वाला कदम बताया. यह रक्षा सहयोग पिछले वर्ष सितंबर 2024 में ओमान के रबकूट ट्रेनिंग एरिया में आयोजित भारत-ओमान संयुक्त सैन्य अभ्यास 'अल नजाह' की सफलता पर आधारित है. उस अभ्यास में दोनों सेनाओं ने बेहतरीन तालमेल और संयुक्त ऑपरेशनल क्षमता प्रदर्शित की थी. इस साल की स्टाफ टॉक्स के जरिए उस सहयोग को संस्थागत रूप देकर और अधिक सुदृढ़ करने पर जोर दिया गया.

दिल्ली के रोहिणी में मुठभेड़, बिहार के चार वांछित बदमाश मारे गये

नई दिल्ली। दिल्ली के रोहिणी में दिल्ली पुलिस और बिहार पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार देर रात बिहार के चार बदमाशों को मुठभेड़ में ढेर कर दिया. यह मुठभेड़ रोहिणी के बहादुर शाह मार्ग पर डॉ.अंबेडकर चौक से लेकर पंसाली चौक तक चला. संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध) सुरेंद्र कुमार के मुताबिक चारों बदमाशों की पहचान रंजन पाठक (25) निवासी मलहई थाना सुरसंड जिला सीतामढ़ बिहार, विमलेश महतो उर्फ विमलेश साहनी (25) निवासी रतनपुर थाना बजपट्टी जिला सीतामढ़ी, मनीष पाठक (33) निवासी मलहई थाना सुरसंड जिला सीतामढ़ी और अमन ठाकुर (21) निवासी शेरपुर करावल नगर दिल्ली के रूप में हुई है. बदमाशों ने पिछले तीन महीनों में बिहार के सीतामढ़ी इलाके में पांच बड़ी वारदात को अंजाम दिया था. ये बदमाश गोलाबारी करके दिनदहाड़े लोगों की हत्या और सुपारी लेकर हत्या करते थे. रंजन पाठक हत्या, रंगदारी और लूट जैसे कई गंभीर मामलों में आरोपित था और सिग्मा एंड कंपनी के नाम से गैंग चलाता था. बिहार के सीतामढ़ी और आसपास के इलाकों में पांच हाइप्रोफाइल हत्याओं को इस गैंग ने अंजाम दिया था.

प्रशिक्षण में अनुपस्थित रहे 600 से अधिक बीएलओ को चुनाव आयोग ने भेजा नोटिस

एजेंसी । कोलकाता

चुनाव आयोग द्वारा सौंपे गए कार्य करने से इनकार करने और प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल न होने के कारण राज्यभर के 600 से अधिक बूथ स्तर अधिकारियों (बीएलओ) को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है. चुनाव आयोग से जुड़े एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि इस वर्ष अप्रैल से बूथ स्तर अधिकारियों की नियुक्ति प्रक्रिया शुरू हुई थी लेकिन 17 अक्टूबर तक कई अधिकारी अपने कार्यस्थल पर उपस्थित नहीं हुए, जिसके चलते

निर्वाचन रजिस्ट्री अधिकारी (ईआरओ) ने नोटिस भेजा है. सूत्रों के अनुसार, इन अधिकारियों को यह बताने का निर्देश दिया गया है कि वे आयोग का कार्य करने से क्यों इनकार कर रहे हैं. उल्लेखनीय है कि बंगाल में शीघ्र ही एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने जा रही है. इसके लिए तैयारियां जारी हैं. बीएलओ ही वे अधिकारी होते हैं जो मतदाता सूची में संशोधन के दौरान घर-घर जाकर सूचनाएं एकत्र करते हैं. ऐसे में 600 से अधिक बीएलओ को नोटिस भेजा जाना प्रशासनिक दृष्टि से एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है. आयोग के अधिकारी ने बताया कि यदि इन अधिकारियों के उत्तर संतोषजनक नहीं पाए गए, तो 1950 के जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जाएगी. तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, वे अपने प्रभाव का इस्तेमाल कर माहौल बना रहे हैं लेकिन जनता इसका जवाब देगी.

अमेरिका से तनाव के बीच वेनेजुएला के राष्ट्रपति का दावा

5000 रूसी एयर डिफेंस मिसाइलें तैनात कीं

काराकास । अमेरिका और वेनेजुएला के बीच इन दिनों तनाव बढ़ता ही जा रहा है. ऐसे में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि देश में रूस से बने 5,000 से अधिक एयर डिफेंस मिसाइलें तैनात की गई हैं. ये मिसाइलें खास तौर पर महत्वपूर्ण हवाई सुरक्षा स्थानों पर लगाई गई हैं.

मादुरो की यह बात अमेरिका के बढ़ते सैन्य दबाव के बीच आई है, जहां अमेरिका कैरिबियन क्षेत्र में अपने सैन्य बल बढ़ा रहा है. दोनों देशों के बीच ये तनाव तब बढ़ा जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई पर विचार करने की बात कही है, ताकि मादुरो सरकार को कमजोर किया जा सके. इसपर मादुरो ने पलटवार करते हुए कहा कि ये मिसाइलें, जिन्हें 'इग्ला-एस' कहा जाता है, छोटे हवाई लक्ष्यों जैसे ड्रोन, हेलिकॉप्टर और विमान को गिराने में सक्षम हैं. ये मिसाइलें इतनी हल्की हैं कि एक सैनिक भी इन्हें अपने साथ ले जा सकता है.

अमेरिका ने कैरिबियन में तैनात की सेना : बता दें कि अमेरिका ने कैरिबियन में 4,500 मरीन और नाविक तैनात किए हैं और कई बार ड्रग तस्करी के आरोप में नौकाओं पर हमले भी किए हैं. इतना ही नहीं ट्रंप प्रशासन ने मादुरो को ड्रग तस्करों से जोड़ते हुए सैन्य कार्रवाई की तैयारी की है, लेकिन अब तक वे सीधे मादुरो को निशाना बनाने का फैसला नहीं किया है. मीडिया रिपोर्ट की मानें तो ट्रंप का मकसद मादुरो को बिना लड़ाई छोड़ा देने के लिए दबाव बनाना है. अमेरिका के बढ़ते कदम को देखते हुए मादुरो ने जवाब में सैनिकों को फिर से तैनात किया है और लाखों स्वयंसेवक मिलिशिया को जुटाया है.

मथुरा में 'भाई दूज' के अवसर पर यमुना नदी में डुबकी लगाते श्रद्धालु.

'द बर्निंग अर्थ' के लिए भारतीय मूल के इतिहासकार को मिला वैश्विक सम्मान

सुनील अमृत को मिला ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार

एजेंसी । लंदन

भारतीय मूल के प्रख्यात इतिहासकार सुनील अमृत को उनकी चर्चित पुस्तक 'द बर्निंग अर्थः एन एनवायर्नमेंटल हिस्ट्री ऑफ द लास्ट 500 इयर्स' के लिए ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है. यह पुरस्कार विश्व की सर्वश्रेष्ठ गैर-काल्पनिक रचनाओं में से एक को दिया जाता है. विजेता को इसके तहत 25,000 पाउंड (करीब 26 लाख रुपये) की राशि प्रदान की जाती है. बुधवार शाम लंदन स्थित ब्रिटिश अकादमी में आयोजित भव्य समारोह में यह पुरस्कार घोषित किया गया. अमेरिका के येल विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर अमृत समारोह में लाइव वीडियो लिंक के माध्यम से जुड़े. उन्होंने कहा कि यह पुस्तक मानवता और पर्यावरण दोनों की आपस में जुड़ी कहानियों का प्रतिबिंब है-ऐसी कहानियां जो हमें हमारे इतिहास के उन मोड़ों की याद दिलाती हैं, जहां अलग रास्ते अपनाए जा सकते थे.

पर्यावरण और मानवता के रिश्तों की गहराई : 46 वर्षीय सुनील अमृत का जन्म केन्या में हुआ और उनका पालन-पोषण सिंगापुर में हुआ. उन्होंने कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि प्राप्त की. अमृत की यह

पुस्तक मानव इतिहास और पर्यावरणीय बदलावों के बीच के जटिल रिश्तों को उजागर करती है. निर्णायक मंडल ने इसे जलवायु संकट को समझने के लिए एक अनिवार्य पठन सामग्री बताया है.

वीडियो संबोधन में अमृत ने कहा, यह पुस्तक मानवीय और पर्यावरणीय क्षति की गहरी कहानियाँ कहती है. यह बताती है कि दोनों लगभग हमेशा एक-दूसरे से जुड़े रहे हैं. फिर भी, यह आशा देती है कि इतिहास में ऐसे कई अवसर थे जब हम टिकाऊ और संतुलित रास्ते अपना सकते थे.

निर्णायकों ने की अमृत की सराहना : पुरस्कार की घोषणा ब्रिटिश इतिहासकार प्रोफेसर रेबेका अर्ल ने की. उन्होंने 'द बर्निंग अर्थ' को मानव सभ्यता और पर्यावरणीय परिवर्तनों के पारस्परिक प्रभाव का शानदार विश्लेषण बताया. ब्रिटिश अकादमी के अनुसार, अमृत का यह काम दशकों के गहन और व्यापक शोध पर आधारित है, जो दर्शाता है कि कैसे उपनिवेशवाद, औद्योगीकरण और शहरीकरण ने न केवल आधुनिक समाज को गढ़ा बल्कि उस जलवायु संकट को भी जन्म दिया जिससे आज पूरी दुनिया जूझ रही है.

मानविकी और सामाजिक विज्ञान को बढ़ावा : ब्रिटिश अकादमी पुस्तक पुरस्कार की स्थापना 2013 में की गई थी. इसका उद्देश्य मानविकी और सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध और लेखन को सम्मानित करना है. इस पुरस्कार के लिए पात्र पुस्तकें यूके में प्रकाशित गैर-काल्पनिक कृतियां होनी चाहिए, चाहे लेखक किसी भी देश या भाषा से संबंधित क्यों न हों-बशर्ते कि नामांकित पुस्तक अंग्रेज़ी में उपलब्ध हो.

तालिबान के विदेश मंत्री अमीर मुत्तकी की दिल्ली यात्रा से पाक परेशान

नयी दिल्ली । इस महीने की शुरुआत में तालिबान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्तकी की नई दिल्ली की यात्रा ने भारत और अफगानिस्तान के बीच द्विपक्षीय संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव की शुरुआत की है. मुत्तकी की यह यात्रा दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों को पुनर्जीवित करने का संकेत है. भारत ने काबुल में अपना पूर्ण राजनयिक मिशन पुनः स्थापित करने की घोषणा की, और मात्र पखवाड़े के भीतर काबुल में दूतावास प्रमुख नियुक्त कर नई दिल्ली ने अफगानिस्तान में अपनी औपचारिक वापसी सुनिश्चित कर ली है. इससे अफगान लोगों के साथ भारत के संबंधों को फिर से मजबूती मिली है. यह बदलाव इसलिए भी खास है क्योंकि यह तालिबान और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच हुआ है.

अमित शाह ने नवनिर्मित सदस्य निवास संकुल का किया उद्घाटन

एजेंसी । गांधीनगर

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को भाई दूज के पवित्र पर्व पर गांधीनगर में गुजरात विधानसभा के सदस्यों के लिए नवनिर्मित निवास संकुल का लोकार्पण किया. राज्य सूचना विभाग ने अपने बयान में बताया कि राज्य सरकार के सड़क एवं भवन विभाग ने गांधीनगर के सेक्टर 17 में कुल 28,576 वर्ग मीटर में यह सदस्य निवास संकुल का निर्माण किया है. प्रत्येक आवास में 238.45 वर्ग मीटर की विशाल जगह में 3 बेड रूम, लिविंग रूम, किचन, ऑफिस रूम और सर्वेन्ट रूम की सुविधाएं उपलब्ध हैं. 325 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से नवनिर्मित इस सदस्य निवास संकुल में आधुनिक समय की

जरूरतों को ध्यान में रखते हुए विशाल गार्डन, 300 व्यक्तियों की क्षमता वाला मल्टीपर्पज हॉल, कम्युनिटी हॉल, स्विमिंग पूल, जिम्नेजियम, कैंटीन (डाइनिंग हॉल), इनडोर खेल के उपकरण तथा चिकित्सा उपचार के लिए डिस्पेंसरी और प्रोविजन स्टोर जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं. इसके साथ ही, संकुल में पर्याप्त पार्किंग की सुविधा मुहैया कराने के लिए प्रति यूनिट 2 अलॉटेड पार्किंग की सुविधा प्रदान की गई है, जिसमें से 1 बेसमेंट और 1 ग्राउंड फ्लोर पर होगी.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 **(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार).**

आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.